जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

जयपुर, शनिवार 22 अप्रेल, 2023

आज अक्षय तृतीया के अबूझ
शुभ मुहूर्त पर बुक करें

बड़ी-बड़ी कोठी, बड़े-बड़े फ्लैट

3000/- Sq Ft में कोठी!

2000 Sq Ft वाली BIG कोठी सिर्फ 60 लाख में !

KEDIA सेजस्थान

KOTHI & WALK-UP APARTMENT

अजमेर रोड़, जयपुर

FIXED PRICE

NO MIDDLE-MEN
DIRECT TO CUSTOMER

सब कुछ Classy है यहाँ

ओलम्पिक साइज स्विमिंग पूल

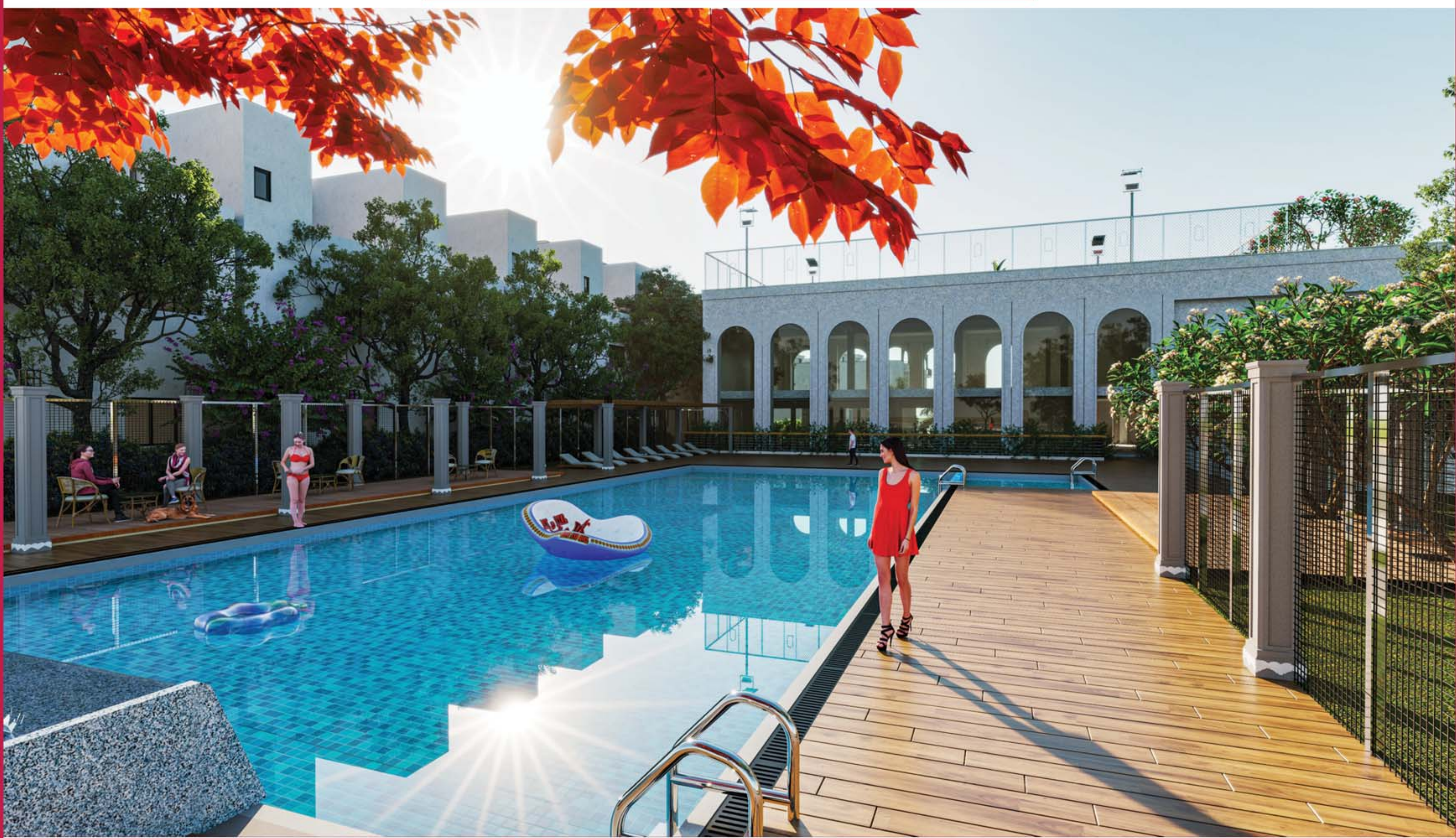

KEDIA

1800 120 2323

info@kedia.com www.kedia.com

www.rera.rajasthan.gov.in | RERA No. RAJ/P/2023/2387

LOCATION QR CODE

ROUTE MAP

SITE TOUR 360 DEGREE

विचार बिन्दु

आत्मविश्वास सफलता का मुख्य रहस्य है। –एमर्सन

हमको मालूम है पानी की हक़ीक़त मगर लोगों को बहलाने का बहाना अच्छा है

आजादी के बाद से ही मरुस्थलीय क्षेत्र राजस्थान पेयजल के संकट से जूझता रहा है। पहले लोग कुए, तालाब और बावड़ियों के पानी पर निर्भर थे। आबादी बढ़ने के साथ पानी की मांग भी बढ़ने लगी। जलप्रदाय की अनेक योजनाएं बनी मगर पानी का संकट कम होने के बजाय बढ़ता ही गया। परम्परागत श्रोत सूख गए और जल प्रदाय योजनाओं के नए केंद्र बनने शुरू हुए। हर साल करोड़ों अरबों की राशि इन कार्यों पर खर्च होने के बाद भी प्रदेश में पेयजल की किल्लत से हम जूझ रहे है। जल ही जीवन है। हम भोजन के बिना एक महीने से ज्यादा जीवित रह सकते हैं, लेकिन जल के बिना एक सप्ताह से अधिक जीवित नहीं रह सकते। राजस्थान में इस वर्ष मार्च और आधे अप्रैल में गर्मी का असर अपेक्षाकृत कम देखा गया। मगर पिछले एक सप्ताह से तापमान में एकाएक बढ़ोतरी हुई और यह 40 डिग्री को पार कर गया। इसके साथ ही भीषण गर्मी और आंधी तूफान ने आमजन के छक्के छुडा दिए । गर्मी शुरू होते ही सूर्य की किरणें आग उगलने लगी हैं। धरती का वातावरण गर्म हो उठता है। हवाएं भी गर्म होकर अपना रौद्र रूप दिखाने लगती हैं। राजस्थान में गर्मियों में स्थानीय चक्रवात के कारण जो धूल भरे बवंडर बनते हैं उन्हें भभुल्या कहा जाता है। प्रदेश के कई जिले इस समय भभुल्या की चपेट में है।

गर्मी और पानी का चोली दामन का साथ है। गर्मी अपने साथ पानी संकट भी लेकर आयी है। दोनों आपदाओं ने मिलकर लोगों का जीना हराम कर दिया है। जब तक प्रदेश में मानसून मेहरबान नहीं होंगे तब तक आम आदमी की मुश्किलें कम नहीं होंगी। इधर राजस्थान सरकार ने 24 अप्रैल से बचत, राहत और बढ़त के नाम से महंगाई राहत शिविर लगाने की घोषणा कर दी है। मगर पिछले कुछ सालों में प्रदेश में अच्छी बारिश के बावजूद स्वच्छ पेयजल के लिए लोग एक-एक बूंद पानी के लिए तरसते हैं। कई स्थानों में तो संघर्ष की स्थिति हो जाती है। प्रदेश के 302 ब्लॉक में 219 बूलॉक में पानी अतिदोहित किया जा रहा है। राज्य के डूंगरपुर, बांसवाड़ा, बीकानेर, गंगानगर और हनुमानगढ़ ब्लॉक सुरक्षित श्रेणी में बताये गए। राजधानी जयपुर के हालात चिंताजनक हैं। जयपुर जिले के 16 ब्लाकों में से सभी 16 को अतिदोहित या डार्क जोन में रखा गया है। राज्य के 29 जिले डार्क जोन की श्रेणी में हैं।

सबसे बुरी स्थिति राजधानी जयपुर की दिख रही है। प्रदेश की राजधानी इस समय बीसलपुर बांध में पानी की अच्छी उपलब्धता के बावजूद पानी की बढ़ती कमी और घटते पेयजल स्त्रोतों का सामना कर रही है। जलदाय विभाग की लापरवाही के कारण लोगों को सामान रूप से पानी नहीं मिल रहा है। गर्मी शुरू होते ही राजधानी के बहुत से इलाके पेयजल संकट से जूझने लगे है। विभागीय अधिकारी कहते है बहुत से प्रभावी लोगों ने अपने घरों में पानी खींचने की बड़ी बड़ी मोटरें लगा रखी है जिससे अंतिम छोर तक पानी नहीं पहुंच पाता। अधिकारियों का जनता को बहलाने का यह बहाना तो अच्छा है मगर सब को पेयजल सुलभ करने का दायित्व सरकार का है जिसकी अनदेखी नहीं की जा सकती। एक रिपोर्ट के अनुसार पिछले साल बीसलपुर बांध के भरने से जयपुर ही नही बल्कि अन्य जिलों में एक करोड़ से अधिक आबादी के लिए जनवरी 2024 तक पानी का इंतजाम हो चुका है। तीन साल बाद अगस्त 2022 में बाँध फिर छलका। जयपुर बड़े पैमाने पर भूजल और एकल सतही जल स्त्रोत, बीसलपुर बांध पर निर्भर करता है। बीसलपुर में पानी की अच्छी स्थिति के बाद भी जयपुरवासी पेयजल के लिए तरस रहे है। जयपुर राजस्थान की राजधानी है जहाँ प्रतिदिन प्रदेश के विभिन्न स्थानों से हजारों लोग मजदूरी सहित विभिन्न कामों से जयपुर आते है। जयपुर महानगर की 42 लाख से ज्यादा आबादी के लिए पेयजल का एकमात्र स्त्रोत टोंक जिले में स्थित बीसलपुर बांध है। पानी की अधिक जरुरत महसूस की जा रही है कूलरों को भी पानी चाहिए, पानी कहाँ से आएगा यह यक्ष प्रश्न हमारे सामने आ खड़ा हुआ है जिसका समाधान फिलहाल दिखाई नहीं दे रहा है। जब तक मानसून की बारिस नहीं होगी तब तक गर्मी के साथ पानी भी हमारी जिंदगानी को कष्ट देता रहेगा । राज्य सरकार महंगाई से निजात दिलाने के लिए 24 अप्रैल से शिविरों का आयोजन कर रही है। लोगों का कहना है इन शिविरों के पीछे लोगों को राहत कम और चुनावी अंकगणित अधिक है। अच्छा होता इन शिविरों के माध्यम से जल ही जीवन है को चरितार्थ कर आमजन को पेयजल सुलभ कराने पर ध्यान दिया जाये। आश्चर्य तो तब होता है जब साल दर साल लाखों करोड़ों रूपये की धनराशि खर्च करने के बाद भी लोगों को पूरी तरह पीने को स्वच्छ पानी नहीं मिलता। आजादी के 75 साल बाद भी स्वच्छ पानी मिलना दूभर हो गया है। दूरदराज की बात एक बारगी छोड भी दें तो प्रदेश की राजधानी में स्वच्छ पानी के लिए आज भी लोग तरस गए है। टंकियों की नियमित सफाई नहीं हो पा रही है। जर्जर पाइप लाइनों में सीवर का पानी मिलना आम बात है जिसका सीधा असर मानव के स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। परकोटे में गन्दा पेयजल मिलने की आम शिकायतें है। सांगानेर क्षेत्र की अनेक बस्तियों में नलों में गन्दा पानी आने से लोगों में भारी आक्रोश है। लोग प्रदर्शन और धरना आदि आंदोलन का सहारा ले रहे है। राजधानी की कच्ची बस्तियों के निवासी तो वर्षों से गन्दा पानी पीने को मज़बूर है। सरकार पेयजल की स्थिति में सुधार का लगातार दावा कर रही है। करोड़ों रुपयों की योजनाएं क्रियान्वित करने के बावजूद स्वच्छ पानी नहीं मिल पा रहा है। इसके पीछे कारण जो भी हो एक लोक कल्याणकारी सरकार का यह दायित्व है की वह पानी जैसी प्राथमिक जरुरत से लोगों को लाभान्वित करें।

दूरदराज की बात एक बारगी छोड़ भी दें तो प्रदेश की राजधानी में स्वच्छ पानी के लिए आज भी लोग तरस गए है। टंकियों की नियमित सफाई नहीं हो पा रही है। जर्जर पाइप लाइनों में सीवर का पानी मिलना आम बात है जिसका सीधा असर मानव के स्वास्थ्य पर पड़ रहा है।

राजस्थान में मानसून के दौरान 415 मिमि औसत बरसात होती है। पिछले साल 2022 में राजस्थान में 595.9 मिमि औसत बारिश हुई जो सामान्य से 37 फीसदी अधिक दर्ज की गई। इसके बाद भी आज हालात यह बन गए है की एक तो भीषण गर्मी ऊपर से पानी की बेरहम मार ने हमारे सामने दुगुना संकट उपस्थित कर दिया है। मानव के साथ पशु धन भी इससे प्रभावित हुए बिना नहीं रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों की स्थिति शहरों से अधिक गंभीर है जहाँ कई-कई किलोमीटर दूर से पानी ढोया जा रहा है।

–अतिथि संपादक,
बाल मुकुन्द ओझा
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

राशिफल शनिवार 22 अप्रैल, 2023

पंडित अनिल शर्मा

वैशाख मास, शुक्ल पक्ष, द्वितीया तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2080, कृत्तिका नक्षत्र रात्रि 11:24 तक, आयुष्मान योग प्रात: 9:24 तक, कौलव करण प्रात: 7:49 तक, चन्द्रमा आज वृष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मेष, चन्द्रमा-वृष, मंगल-मिथुन, बुध-मेष, गुरू-मेष, शुक्र-वृष, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज अक्षय तृतीया परशुराम जयन्ती, श्री बसवेश्वर जयन्ती, बद्री केदार यात्रा दर्शन आरम्भ होंगे। आज कल्पादि, त्रेतायुगादि है। आज से सब्वाल मुस्लिम मास आरम्भ होगा। आज रमजान ईद है। आज शनि रोहिणी अमृत सिद्धि योग रात्रि 11:24 से सूर्योदय तक है। रवियोग रात्रि 11:34 से आरम्भ होगा। आज श्री शिवाजी जयन्ती, आखातीज और विश्व पृथ्वी संरक्षण दिवस है।

सर्वश्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 7:38 से 9:144 तक, चर 12:27 से 2:04 तक, लाभ-अमृत 2:04 से 5:17 तक।
राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 6:00, सूर्यास्त 6:50

मेष
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

वृष
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आय में वृद्धि होगी।

मिथुन
आर्थिक/वित्तीय मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। धन हानि हो सकती है। अनावश्यक धन खर्च होगा। आज मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

कर्क
आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्य के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

कन्या
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। शुभ कार्य के लिए बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है।

तुला
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। यात्रा में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

वृश्चिक
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

धनु
अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। स्वास्थ्य ठीक रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मकर
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। महत्वपूर्ण परामर्श मिलेगा। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

कुंभ
परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

मीन
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

शिव भक्त एवं मार्शल आर्ट के जनक भगवान परशुराम

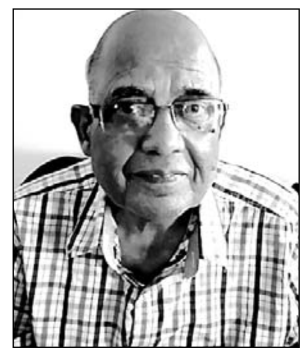

डॉ. जे.के. गर्ग

महर्षि जमदग्नि आध्यात्मिक उपलब्धियों के स्वामी थे जिन्हें आग पर नियंत्रण पाने व उनकी पत्नी रेणुका को पानी पर नियंत्रण पाने का वरदान था। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार महर्षि भृगु के पुत्र महर्षि जमदग्नि ने पुत्र प्राप्ति हेतु देवराज इन्द्र को प्रसन्न करने के लिये पुत्रेष्टि यज्ञ किया था। देवराज इन्द्र के वरदान के फलस्वरूप महर्षि जमदग्नि की पत्नी रेणुका के गर्भ से वैशाख शुक्ल तृतीया को मध्यप्रदेश ग्राम मानपुर (इंदौर जिला) में एक अद्भुत प्रतिभाशाली पुत्र का जन्म हुआ जो कालांतर में भगवान परशुराम के नाम से विख्यात हुए। भगवान परशुराम को अमर रहने का वरदान मिला था और यह भी कहा जाता है कि वे आज भी हमारे बीच मौजूद हैं तथा कलियुग के अंत में वे विष्णु के दसवें अवतार के रूप में जन्म लेंगे। परशुराम गायत्री मंत्र का विधि पूर्वक जाप करने से मनुष्य को अपने दुखों से छुटकारा मिलता है और कठिनाइयों से लड़ने के लिए साहस का संचार होता है। मंत्र इस प्रकार है– **'ॐब्रह्मक्षत्राय विद्महे क्षित्रयान्ताय धीमहि तन्नो रामः प्रचोदयात्।।'' ॐ जामदग्न्याय विद्महे महावीराय धीमहि तन्नोपरशुरामः प्रचोदयात्।।' 'ॐ रां रां ॐ रां रां परशुहस्ताय नमः।।'**

सनातन धर्म में परशुराम के बारे में माना जाता है कि वे त्रेतायुग और द्वापर युग से अमर हैं।

परशुराम जी के जन्म एवं जन्मस्थान के पीछे कई मान्यताएं एवं अनसुलझे सवाल है। सभी की अलग अलग राय एवं अलग-अलग विश्वास हैं। भार्गव परशुराम को हाइहाया राज्य, जो कि अब मध्य प्रदेश के महेश्वर नर्मदा नदी के किनारे बसा है, वहाँ का तथा वहीं से परशुराम का जन्म भी माना जाता है। अन्य मान्यता के अनुसार रेणुका तीर्थ पर परशुराम के जन्म के पूर्व जमदग्नि एवं उनकी पत्नी रेणुका ने शिवजी की तपस्या की थी उनकी तपस्या से प्रसन्न होकर शिवजी ने वरदान दिया और स्वयं विष्णु ने रेणुका के गर्भ से जमदग्नि के पांचवें पुत्र के रूप में इस धरती पर जन्म लिया। उन्होंने अपने इस पुत्र का नाम रामभद्र रखा।

परशुराम जी ने शिवजी को प्रसन्न करने के लिये अनेक बार तपस्या पूजा-अर्चना की थी। शिवजी ने परशुराम को वरदान देते हुए कहा कि परशुराम का जन्म धरती के राक्षसों का नाश करने के लिए हुआ है। इसलिए भगवान शिव ने परशुराम को, देवताओं के सभी शत्रु, दैत्य, राक्षस तथा दानवों को मारने में सक्षमता का वरदान दिया। हिन्दू धर्म में विश्वास रखने वाले अनेक ज्ञानी, पंडितो के मतानुसार धरती पर रहने वालों में परशुराम और रावण के पुत्र इंद्रजीत को ही सबसे खतरनाक, अद्वितीय और शक्तिशाली अस्त्र – ब्रह्मांड अस्त्र, वैष्णव अस्त्र तथा पशुपति अस्त्र प्राप्त थे।

परशुराम दो शब्दों से मिलकर बना हुआ है। परशु अर्थात कुल्हाड़ी तथा राम, इन दो शब्दों को मिलाने पर कुल्हाड़ी के साथ राम अर्थ निकलता है। जैसे राम, भगवान विष्णु के अवतार हैं। उसी प्रकार परशुराम भी विष्णु के अवतार हैं। परशुराम के अनेक नाम हैं, उन्हें रामभद्र, भार्गव, भृगुपति, भृगुवंशी (ऋषि भृगु के वंशज), जमदग्नि(जमदग्नि के पुत्र) के नाम से भी जाना जाता है।

भगवान राम ने सीता स्वयंवर के समय राजा जनक की शर्त की अनुपालन में भगवान शिव के धनुष को तोड़ दिया और उनका माता सीता के साथ विवाह हो गया। शिव धनुष के तोड़े जाने के समाचार को सुनकर शिव भक्त परशुराम अपना आपा खोकर क्रोधित होते हुवे राजा जनक की राज सभा पहुंचे। राज सभा में उनका लक्ष्मणजी के साथ तीर्व वाद-विवाद हुआ और उनके मध्य लड़ाई की नोबत आ गई। मर्यादा पुरषोंतम राम ने अत्यंत शालीनता के साथ उनसे बात करके उनके क्रोध को शांत किया। परशुराम को अपनी योग शक्ति से मालुम पड़ा कि उनके सामने भगवान विष्णु के अवतार भगवान राम खुद खड़े हैं। अपने इस अनुभूति की पुष्टि करने के लिये परशुराम ने विष्णु का प्रिय धनुष गांडीव भगवान राम को देते हुए उसको संधान करने को कहा। भगवान राम ने एक तीर प्रत्यंचा पर चढ़ाई और महर्षि परशुराम से कहा कि वे अब इस तीर को खाली नहीं छोड़ सकते, वे बताएं कि वे इसे किस पर चलाये। तब परशुराम जी ने भगवान राम से आग्रह किया कि वे उस तीर के माध्यम से उनके अहंकार को नष्ट करने की कृपा करें। इसके बाद परशुराम जी प्रसन्न मन से महेन्द्र पर्वत पर निवास करने के लिये चले गये। धार्मिक मान्यता है कि भगवान परशुराम जी को अमरता का वरदान प्राप्त है और आज भी वे उसी महेन्द्र पर्वत पर निवास करते हैं।

स्मरणीय है कि मार्शल आर्ट के संस्थापक भगवान परशुराम ही थे। कलरीपायट्टु कलरीपायट्टु भगवान परशुराम द्वारा प्रदान की गई शस्त्र विद्या है जिसे आज के युग में मार्शल आर्ट के नाम से जाना जाता है। सत्य तो यही है कि मार्शल आर्ट को भगवान परशुराम व सप्त ऋषि अगस्त्य लेकर आए थे। भगवान परशुराम मूल रूप से ब्राह्मण थे किंतु फिर भी उनमें शस्त्रों की अतिरिक्त जानकारी थी और इसी कारणवश उन्हें एक क्षत्रीय भी कहा जाता है। एक बार परशुराम शिव जी से मिलने कैलाश पहुंचे जहां पर गणेश जी द्वारा उनको भगवान शिव से मिलने से रोके जाने से वे रुष्ट और क्रोदित हो गये। परशुराम ने गणेश जी को युद्ध का निमंत्रण दिया। इस युद्ध में परशुराम ने गणेशजी का बाएं दांत पर प्रहार कर उसे तोड़ दिया इसी वजह से परशुराम जी ने गोरी पुत्र गणेश जी का दांत तोड़ डाला जिसकी वजह से गणेश जी एक दंत विनायक कहलाये। अपने पुत्र गणेश के दांत को तोड़े जाने से मां पार्वती अत्यंत क्रुद्ध हो गईं। माता गोरी ने कहा कि कहा कि परशुराम क्षत्रियों के रक्त से संतुष्ट नहीं हुए इसलिए उनके पुत्र गणेश को हानि पहुंचाना चाहते हैं, वे उनको श्राप देने ही वाली थी इसी समय गणेश जी ने स्वयं हस्तक्षेप कर मां पार्वती को प्रसन्न और शांत किया। गणेश जी की इस अनुकम्पा और दयालुता के सम्मुख परशुराम नतमस्तक हो गये एवं परशुराम जी ने विनायक गणेश को अपना परशु प्रदान कर दिया। देवों के देव महादेव ने परशुराम की अद्द्भुत प्रतिभा को देख कर उनको अपना परशु दिया था। जिसके पश्चात उनका नाम परशुराम पड़ा। शिव से परशु को पाने के बाद समस्त दुनिया में ऐसा कोई नहीं था जो उन्हें युद्ध उनको पराजित कर सकें। मान्यताओं के मुताबिक़ कृष्ण के विराट स्वरूप को अर्जुन के अतिरिक्त तीन अन्य लोगों ने भी देखा था जिनमें एक परशुराम जी भी थे। महाभारत में भी परशुराम जी के बारे में अनेक कथाओं का वर्णन मिलता है। परशुराम जी ने राजकुमारी अंबा को न्याय दिलाने के लिए भीष्म के साथ घोर युद्ध किया लेकिन उसका कोई परिणाम नहीं निकला और आखिर में वे अंबा को न्याय नहीं दिलवा सके तो उन्होंने शपथ ली कि वे भविष्य में किसी भी क्षत्रिय को युद्ध कला की शिक्षा नहीं देंगे। महाभारत की दूसरी प्रमुख कथा कर्ण की है। जब कर्ण को उन्होंने अपना शिष्य बनाया और कर्ण की वास्तविकता जानने के बाद उसे श्राप दिया कि जब उसे उनकी शिक्षा की सबसे ज्यादा जरूरत होगी तभी वह इस शिक्षा को भूल जाएगा। परशुराम जी शिक्षा-दीक्षा महर्षि विश्वामित्र एवं महर्षि ऋचीक के आश्रम में हुई थी। महर्षि ऋचीक ने परशुराम की योग्यता से प्रसन्न होकर सारंग धनुष उपहार में दिया। ऋषि कश्यप ने उन्हें अविनाशी वैष्णव मंत्र प्रदान किया। भगवान शंकर की उन्होंने आराधना की और शिव ने उन्हें विद्युदभि नाम का परशु प्रदान किया। भगवान शिव ने उन्हें त्रैलोक्य विजय कवच, स्तवराज स्त्रोत और कल्पतरु मंत्र दे कर उपकृत किया।

एक दिन किसी कारणवश परशुराम के पिता जमदग्नि जी अपनी पत्नी रेणु से नाराज हो गये और कुपित पिता ने परशुराम को आज्ञा दी कि वे अपनी माता का वध कर दें। उन्होंने अपने पिता की आज्ञा का अविलम्ब पालन करते हुए अपनी मां रेणु का वध कर दिया। परशुराम की पितृभक्ति से खुश हो कर महर्षी जमदग्नि जी ने परशुराम को वरदान मांगने को कहा तो माता के भक्त ने अपनी माता को जीवित कर देने का वर मांगा। ऋषि जमदग्नि ने अपनी पत्नि को पुनर्जीवित कर दिया।

परशुराम जी ने 21 बार इस पृथ्वी को क्षत्रियों से विहीन किया। मान्यता के अनुसार हैहय वंश के राजा सहस्त्रार्जुन या कार्तवीर्यार्जुन ने घोर तपस्या की और भगवान दत्तात्रेय को प्रसन्न कर लिया। भगवान दत्तात्रेय ने कार्तवीर्यार्जुन को एक हजार भुजाएं और युद्ध में अजेय होने का वरदान दे दिया। एक बार राजा कार्तवीर्यार्जुन जंगल में शिकार करता हुआ अपनी सेना के साथ ऋषि जमदग्नि के आश्रम पहुंचा जहां उसने ऋषि की कामधेनु गाय को देखा और वो कामधेनु गाय को जमदग्नि से बलपूर्वक छीन ले गया। कार्तवीर्यार्जुन की इस अनैतिक हरकत से नाराज होकर परशुराम जी ने अंहकारी सहस्त्रार्जुन को युद्ध के लिए ललकारा और उसकी सभी हजार भुजाओं को अपनी फरसे से काट करके उसका वध कर दिया। सहस्त्रार्जुन के पुत्रों ने इसका प्रतिशोध लेने के लिए परशुराम जी की अनुपस्थिति में महर्षि जमदग्नि के आश्रम पर आक्रमण कर दिया और जमदग्नि की हत्या कर दी। परशुराम जी की माता रेणुका भी अपने पति के साथ सती हो गई। कुपित परशुराम जी ने हैहय वंशीय राजा के महिष्मति नगर पर आक्रमण कर सभी क्षत्रियों का विनाश कर दिया। अपने क्रोध को शांत करने के लिए पौराणिक मान्यताओं के मुताबिक भगवान परशुराम ने पृथ्वी को 21 बार क्षत्रिय विहीन कर दिया।

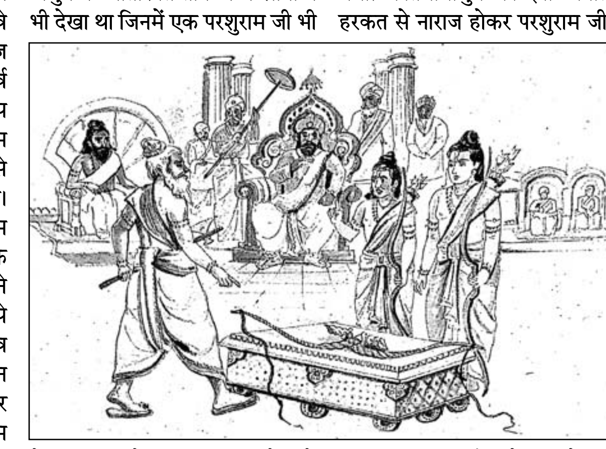

परशुराम जयंती हिन्दू पंचांग के वैशाख माह की शुक्ल पक्ष तृतीया को मनाई जाती है। ऐसा माना जाता है कि इस दिन दिये गए पुण्य का प्रभाव कभी खत्म नहीं होता है। अक्षय तृतीया से त्रेता युग का आरंभ माना जाता है। मध्यकालीन समय के बाद जब से हिन्दू धर्म का पुनरुद्धार हुआ है, तब से परशुराम जयंती का महत्व और अधिक बढ़ गया है। इस दिन उपवास के साथ साथ सर्व ब्राह्मण का जुलूस, सत्संग आयोजित किये जाते हैं। परशुराम जी की पूजा-अर्चना समस्त भारत में होती है। मान्यता के अनुसार भारत के अधिकतर गांव परशुराम जी ने ही बसाए थे। उत्तर भारत से लेकर गोवा, केरल और तमिलनाडु तक परशुराम जी की आकर्षक मनमोहक प्रतिमाएं दिखाई देंगी। परशुराम जी के जन्म एवं जन्म स्थान के पीछे कई मान्यताएं एवं अनसुलझे सवाल है। भार्गव परशुराम को हैहय राज्य, जो कि अब मध्य प्रदेश के महेश्वर नर्मदा नदी के किनारे बसा है, वहाँ का तथा वहीं से परशुराम का जन्म भी माना जाता है। अन्य मान्यता अनुसार रेणुका तीर्थ पर परशुराम के जन्म के पूर्व जमदग्नि एवं उनकी पत्नी ने शिवजी की तपस्या की थी उनकी तपस्या से प्रसन्न होकर शिवजी ने वरदान दिया और स्वयं विष्णु ने रेणुका के गर्भ से जमदग्नि के पांचवें पुत्र के रूप में इस धरती पर जन्म लिया। उन्होंने अपने इस पुत्र का नाम रामभद्र रखा।

वैदिक काल के अंत के दौरान परशुराम योद्धा से सन्यासी बन गए थे। उन्होंने कई जगह पर कठोर तपस्या की थी। उड़ीसा के महेन्द्रगिरी में तो आज भी उनकी उपस्थिति मानी जाती है। पुराणों में प्रसिद्ध संत व्यास, कृपा, अश्वत्थामा के साथ-साथ परशुराम को भी कलयुग में ऋषि के रूप में पूजा जाता है। उन्हें सप्तऋषि के रूप में आठवें मानव तारा के रूप में में गिना जाता है। वे अजर अमर हैं उनकी मृत्यु कभी नहीं हुई। भारत में कई स्थानों पर जगह पर परशुराम मंदिर स्थित है जैसे– अट्टिला, कुड्डापह (आंध्र प्रदेश), सोहनाग, सलेमपुर, (उत्तर प्रदेश), अखनूर (जम्मू और कश्मीर), कुंभलगढ़, (राजस्थान महुगढ़, (महाराष्ट्र), पीताम्बरा, कुल्लू, (हिमाचल प्रदेश), जनपद हिल, इंदौर (मध्य प्रदेश) परशुराम कुंड (जिला लोहित), अरुणाचल प्रदेश ध्यान रखने की बात है कि इस कुंड में अपनी माता का वध करने के बाद परशुराम ने यहां स्नान कर अपने पाप का प्रायश्चित किया था। परशुराम जयंती के दिन भव्य आकर्षक जुलूस, शोभायात्रा निकाली जाती हैं। परशुराम भगवान के नाम पर उनके मंदिरों में हवन - पूजन का आयोजन किया जाता है। सभी लोग पूजा में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेते हैं और दान आदि करते हैं। भगवान परशुराम के नाम पर भक्तों जगह जगह भंडारे का आयोजन करते है और सभी श्रद्धालु इस भोजन प्रसादी का लाभ उठाते हैं। कुछ लोग इस दिन उपवास रख कर परमात्मा से भगवान परशुराम की तरह पुत्र देने की प्रार्थना करते हैं वे जानते हैं कि परशुराम जी के आशीर्वाद से परशुराम जी जैसा पराक्रमी बेटा प्राप्त होगा। वराह पुराण के अनुसार परशुराम जी के जन्म दिन पर उपवास रखने एवं परशुराम पूजा-अर्चना करने से अगले जन्म में उनको राजा बनने का सौभाग्य प्राप्त होगा।

– डॉ. जे.के. गर्ग,
पूर्व संयुक्त निदेशक
कालेज शिक्षा जयपुर

।। अक्षय फलदात्री-अक्षय तृतीया।।

अक्षय तृतीया को आखा तीज और बैसाखी तीज कहकर भी पुकारा जाता है। यह माना जाता है कि इस दिन जो भी शुभ कार्य किए जाते हैं उनका अक्षय फल प्राप्त होता है। वैसे पूरे बारह महिनों में ही शुक्ल पक्ष की तृतीया शुभ और कल्याणकारी मानी जाती है लेकिन बैशाख माह की तिथि शुक्ल पक्ष की तीज अति स्वयंसिद्ध मुहूर्त मानी गई है। इसी शुभ दिवस पर कभी त्रेता युग की शुरूआत हुई थी। इस तिथि पर लोग गणेश और देवी लक्ष्मी की पूजा करते हैं, महालक्ष्मी मंदिर जाकर आराधना करते हैं और यह माना जाता है कि उन्हें प्रसन्न करने से अक्षय समृद्धि की प्राप्ति होती है। अक्षय तृतीया को आयुष्मान, सौभाग्य, त्रिपुष्कर, रवि, अमृतसिद्धि और सर्वार्थ सिद्धि छः शुभ योग प्राप्त होते हैं।

एक प्राचीन कथा यह भी है कि इसी दिन भगवान शिव से कुबेर को धन की प्राप्ति हुई थी और इसी खास दिन शिवजी ने माँ लक्ष्मी को धन की देवी के रूप में पूजित होने का आशीर्वाद दिया था। माना गया है कि इस दिन जिनका परिणय संस्कार होता है उनका सौभाग्य अखंड रहता है और इसिलिए अक्षय सौभाग्य की कामना से इस दिन को विवाह के लिए शुभ मुहूर्त माना जाता है। स्वर्ण और आभूषण खरीदना, गृहप्रवेश, पदभार ग्रहण, वाहन खरीदी, भूमि पूजन किसी नये व्यापार की शुरूआत के लिए यह दिन सर्वथा उपयुक्त है। माना जाता है कि इस दिन किसी भी कार्य की शुरूआत करने पर ईश्वर की विशेष अनुकंपा प्राप्त होती है। अक्षय तृतीया को सतयुग और त्रेता युग की शुरूआत हुई थी। इस दिन शुभ कार्य करने से वे अक्षय रहते हैं। अक्षय का अर्थ है जिसका क्षय नहीं होता। इस दिन ब्रह्मा के पुत्र अक्षय का प्राकट्य दिवस भी है।

द जैन धर्म में इक्षु तीज
द वर्षीतय-पारणोत्सव

इस दिन जैनधर्म के प्रथम तीर्थकर श्री आदिनाथ भगवान ने एक वर्ष की तपस्या पूर्ण करने के पश्चात इक्षु (गन्ने) रस से पारणा किया था। जैन धर्म के प्रथम तीर्थकर श्री आदिनाथ भगवान ने अपने कर्मबंधनों को तोड़ने के लिए संसार के भौतिक व पारिवारिक सुखों को त्यागते हुए वैराग्य अंगीकार किया था। सत्य, अहिंसा, अपरिग्रह संतोष व शांति के विचारों का प्रसार करते हुए प्रभु हस्तिनापुर - गजपुर पधारें जहाँ उनके पौत्र सोमयश का शासन था। प्रभु का आगमन सुनकर संपूर्ण नगर दर्शनार्थ उमड़ पड़ा। सोमयश के पुत्र राजकुमार श्रेयांस कुमार ने प्रभु को आदर दिया और तत्काल शुद्ध आहार के रूप में उन्हें गन्ने का रस दिया, आदिनाथ जी ने व्रत का पारणा किया। गन्ने के रस को इक्षुरस भी कहते हैं, इसी कारण यह दिन इक्षु तृतीया के रूप में प्रतिष्ठित है। जैन धर्मावलंबी परम्परा में स्थानकवासी एवं मन्दिर मार्गी श्रावक श्राविकाऐं एक वर्ष लगातार इसी (वर्षीतप) एक दिन उपवास एवं दूसरे दिन पारणा एवं इसी दिन सादा भोजन ग्रहण करते हैं। यह क्रम निरन्तर वर्ष पर्यन्त चलता है। इस कड़ी में संत वर्ग एवं सती वर्ग भी इस वर्षीतप को ग्रहण करते हुए अक्षय तृतीया पर इक्षु लेकर पारणा करते हुए वर्षी तप सम्पन्न करते हैं। सम्पूर्ण वर्ष यह प्रक्रिया चलती रहती हैं। इससे शरीर निर्मल कंचन हो जाता है-शरीर भी रोग मुक्त हो जाता है।

द उपवास से आत्मा की समीपता

भगवान ऋषभेदव जैसे तद्भव मोक्षगामी को एक हजार वर्षों की साधना से आत्मोपलब्धि हुयी। तप से आत्मा जाग जाती है, भोग से छुटकारा पाकर अपना मन त्याग की ओर खिंचा जाता है। मोहपाश से हमारी आत्मा छुटकारा पाती है। भारतीय संस्कृति तप-त्याग प्रधान संस्कृति है। तप जीवन को पावन 'करने की कला और साधना है। तपस्वियों के तप के परिणामस्वरूप ही भारत ज्ञान-विज्ञान में इतना आगे बढ़ा है कि विश्वगुरू कहलाने लगा। तप से जीवन में अनेक अद्भुत और उपयोगी सिद्धियाँ, ऋद्धियाँ और उपलब्धियाँ हाँसिल की जा सकती है। अग्नि स्नान किये बिना घड़ा भी पानी भरने योग्य नहीं बनता है। स्वर्ण तपने पर ही निखरता है। सूरज तपता है इसलिए संसार को उजाला और ऊर्जा देता है। मक्खन भी तपने पर ही शुद्ध होता है एवं मक्खन की शुद्धि के लिये पात्र को भी तपना पड़ता है। आत्मतत्व की प्राप्ति के लिये जीवन को तपाना तप है। तप करने के साथ मन के विकारों कषायों तथा बुराईयों का त्याग भी परमावश्यक है, अर्थात् इच्छाओं को रोकना और कम करना तप है। मन एवं इन्द्रियों को नियंत्रित किये बिना किया जाने वाला तप सहज तप होता है, जो तरह-तरह के संताप और परिताप पैदा करता है।

उपवास का अर्थ है- आत्मा के समीप रहना। भोजन शरीर की खुराक है तो उपवास आत्मा की खुराक उपवास का धार्मिक महत्व तो है ही, अब आरोग्य की दृष्टि से भी लोग उसका महत्व समझने ल गे है। उपवास से आत्मशुद्धि के साथ तन की शुद्धि और मन की शुद्धि भी होती है।

उपवास शब्द दो शब्दों के मेल से बना है। उप-वास उप का अर्थ है पास और वास का अर्थ है रहना । अर्थात् उपवास का अर्थ है- अपनी आत्मा या ईश्वर के नजदीक रहना। सब प्रकार के आहार का त्यागकर जब कोई मनुष्य सिर्फ आत्म-चिंतन या ईश – चिन्तन करता है, तब उसका उपवास सार्थक होता है। समस्त शारीरिक व्याधियों का मूल मन की मलिनता है। अतः जब मन की मलीनता दूर हो जाती है, तब शारीरिक रोग अपने आप दूर हो जाते है। उपवास से एसिडिटी कम हो जाती है और सात दिन के उपवास से पूरी तरह समाप्त हो जाती है। उपवास के कारण त्वचा भी शुद्ध हो जाती है। उपवास से सिर्फ स्नायुओं का ही वजन घटता है, दिमाग, किडनी, लीवर या फेफड़ों का नहीं। हृदय को भी आराम मिलता है।

द वर्षीतप साधक की आहार चर्चा

वर्षी तप करने वाले सभी साधक साधिकाऐं श्रावक-श्राविकाऐं आहार ग्रहण करने में सजगता रखते हैं। प्रथम उपवास वाले दिन-धोवन पानी, अथवा गर्म पानी ही ग्रहण करते हैं। रात्रि को पानी भी ग्रहण नहीं किया जा सकता है फिर दूसरे दिन सूर्योदय के पश्चात् पारणा करके दिन को सादा आहार लिया जा सकता है। रात्रि को फिर किसी प्रकार का आहार एवं पानी भी नहीं लि या जाता है। यह क्रम वर्ष भर चल ता रहता है फिर अक्षय तृतीया को पारणा होने के बाद वर्षी तप सम्पन्न हो जाता है। वर्षीतप दौरान साधक साधना, सामायिक, प्रतिक्रमण में तपस्वी लीन रहते हैं। जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव उस युग के प्रथम मुनि या भिक्षु थे। लोग मुनि की आचार मर्यादा से अनभिज्ञ थे। उन्हें कैसे भिक्षा दी जाये यह भी पता नहीं था। भगवान ऋषभदेव जब भिक्षा के लिए नगर में आते तो लोग उन्हें स्वामी महाराज आदि के आदरसूचक सम्बोधन देकर स्वर्ण, आभूषण, वस्त्र, फल आदि की भेंट सजाकर लाते, परंतु प्रभु ऋषभदेव के लिए यह सब अग्राह्य था । वे मौन भाव से वापस वन में लौट जाते। इस प्रकार शुद्ध भिक्षा के अभाव में एक वर्ष तक निर्जल निराहार तप करते रहे। भगवान ऋषभदेव विहार करते-करते एक बार हस्तिनापुर नगर की ओर पधारे। हस्तिनापुर में उस समय बाहुबली के पुत्र सोमप्रभ राजा राज्य करते थे। उनका पुत्र था श्रेयांस कुमार । उस रात को श्रेयांस कुमार ने एक विचित्र स्वप्न देखा-स्वर्ण के समान चमकने वाले मेरू पर्वत काला पड़ गया है और मैं दूध के कलश से उसका अभिषेक कर उसे पुनः उज्ज्वल बना रहा हूँ । प्रातः काल श्रेयांस कुमार ने अपने पिता महाराज सोमप्रभ से इस विचित्र स्वप्न की चर्चा की। राजा ने कहा- मुझे भी रात को कुछ ऐसा विलक्षण स्वप्न आया है। और उसी समय नगर श्रेष्ठी सुबुद्धि ने भी अपने-अपने विचित्र स्वप्न की चर्चा की। परन्तु स्वप्न का सूचक रहस्य कोई नहीं समझ सका। तब श्रेयांस कुमार अपने महल के झरोखे में बैठकर स्वप्न के रहस्य पर विचार करने लगे। उसी समय भगवान ऋषभदेव हस्तिनापुरं नगर में पधारे। भगवान का आगमन सुनकर सैकड़ों-हजारों लोग उनके दर्शनार्थ उमड़ पड़े। लोग भिन्न-भिन्न प्रकार के उपहार सजाकर लाने लगे। परन्तु ऋषभदेव ने कुछ भी ग्रहण नहीं किया। वे सीधे राजमहल की तरफ बढ़ते चले आ रहे थे। अचानक श्रेयांसकुमार ने भगवान ऋषभदेव को राजमहल की और पधारते देखा, वह अपलक दृष्टि से देखता ही रह गया। गहन और एकाग्र भाव-पूर्वक देखने से उसे जाति – स्मरण ज्ञान हुआ, पिछला जन्म चित्रपट की भाँति स्मृतियों में झलकने लगा। उसने तत्काल समझ लिया- भगवान ऋषभदेव एक वर्ष से निराहार विचर रहे हैं। और मुनि मर्यादा के अनुकूल शुद्ध भिक्षा देने का किसी को ज्ञान नहीं है। वह शीघ्र ही राजमहलों से नीचे उतरकर, भगवान की भक्तिपूर्वक वन्दना की, प्रार्थना की-प्रभो पधारिये ! आज ही मेरे आँगन में ताजे इक्षुरस के 108 कलश आये रखे हैं, वे पूर्ण शुद्ध है, आपके अनुकूल हैं, कृपा कर इक्षुरस ग्रहण कीजिये। प्रभु ऋषभदेव ने दोनों हाथों का अंजलिपुट बनाकर इक्षुरस ग्रहण किया। अत्यंत भक्तिभावपूर्वक श्रेयांसकुमार ने इक्षुरस दान कर भगवान को वर्षीतप (एक वर्ष 40 दिन लगभग) का पारणा कराकर - महान धर्म लाभ प्राप्त किया। देवताओं ने आकाश से अहोदानं, अहोदानं घोषणा कर हर्ष ध्वनियाँ की । रत्नों, पंचवर्णी पुष्पों तथा सुगंधित जल आदि की वृष्टि कर आनन्द मनाया। संसार में धर्मदान की प्रवृत्ति का शुभारंभ हुआ। इस पुनीत कार्य में यह वैशाख शुक्ल तृतीया का दिन अक्षय तृतीया के नाम से पर्व के रूप में मनाया जाने लगा। आज भी वर्षीतप के पारणें के रूप में लाखों जैन इस महापर्व को मनाते हैं। पाठक वृन्द भी आज के पावन दिवस पर शुभ संकल्प ग्रहण करते हुए अक्षय भण्डार को जीवन में स्थापित करें।

- डॉ. प्रेमसुख सुराणा, अजमेर

फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 73 संख्याः 259 प्रभात जयपुर, शनिवार 22 अप्रैल, 2023 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

ARBIT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

Saga of Olden-day Sahibs

"Kya jalwa tha kal raat ko"! (What an aura there was last night), he would remark. Then would follow a discourse on Sufism.

Celebrate Earth Day

Discovery: The Mysterious Underground City — We live cheek by jowl with undiscovered worlds

राइनो की लुप्त प्रजाति, नॉर्दर्न वाइट राइनो के आखिरी नर, चित्र में नज़र आ रहे ''सूडान'' (45 वर्ष) की 5 साल पहले 19 मार्च 2018 को कीनिया की ओएल पैजेटा कंज़र्वैन्सी में मौत हो गई थी। उसके बाद से ही ''बायो रैस्क्यू प्रौजैक्ट'' नाम का, वैज्ञानिकों व संरक्षणविदों का एक अन्तर्राष्ट्रीय संगठन आई.वी.एफ. और स्टैम सैल रिसर्च के माध्यम से इस प्रजाति की वापसी करने में लगा हुआ है। वैज्ञानिकों ने इस प्रजाति की आखिरी दो मादाओं, जो अभी भी जीवित हैं, के अंडों और सूडान के फ्रोज़न स्पर्म्स से 24 एम्ब्रीओ (भ्रूण) तैयार किए हैं। सूडान की मौत के बाद यद्यपि नॉर्दर्न वाइट राइनो ''फंक्शनली'' लुप्त हो गए हैं पर संरक्षणविदों को बायो रैस्क्यू से काफी उम्मीदें हैं। सूडान की पांचवी बरसी पर उसकी याद में फोटोग्राफर अमी विटाले ने ''रिमैम्बरिंग सूडान'' नाम की एक शॉर्ट फिल्म बनाई है, जिसे आने वाले फिल्म फैस्टिवल्स में दिखाया जाएगा। इसे ऑनलाइन भी देखा जा सकता है। विटाले ने कहा, ''अब आगे जो होगा वो सब हमारे हाथ में है। हमारा भविष्य जानवरों के भविष्य से जुड़ा हुआ है। राइनो व अन्य जीवों के बिना, हम इकोसिस्टम के विनाश से भी अधिक, बहुत कुछ खो देंगे। ना केवल अचरज, कल्पना शक्ति व उत्सुकता खत्म हो जाएगी, बल्कि, खूबसूरत संभावनाएं भी लुप्त हो जाएंगी।''

अकारण, रहस्यमय यात्रा पर गहलोत दिल्ली पहुंचे

कांग्रेसाध्यक्ष खड़गे और महासचिव (संगठन) वेणुगोपाल दोनों दिल्ली में नहीं हैं, अतः दिल्ली यात्रा का प्रयोजन क्या है?

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 अप्रेल। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत आज शाम दिल्ली पहुंचे, जिसे एक रहस्यमयी यात्रा के रूप में देखा जा रहा है क्योंकि ऐसा कोई एजेण्डा या मीटिंग नहीं थी।

उन्होंने जोधपुर हाउस में पत्रकारों से मुलाकात की, लेकिन उनके उत्तर महंगाई का मुकाबला करने और यह बताने तक ही सीमित रहे कि उनकी सरकार कीमत वृद्धि को रोकने के लिए क्या कर रही है।

उन्होंने सचिन पायलट के संबंध में पूछे गए सभी प्रश्नों को यह कहते हुए टाल दिया कि उनका ध्यान सिर्फ महंगाई की ओर है।

कांग्रेस विधायकों के उनसे और रंधावा से मिलने के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि 100 प्रतिशत विधायक सरकार के साथ हैं और सरकार के कार्यक्रमों व

- **जोधपुर हाऊस में पत्रकारों से बातचीत में गहलोत ने यह दावा तो पुरजोर ढंग से जरूर किया कि, सौ प्रतिशत पार्टी के विधायक उनके साथ हैं, पर पायलट के बारे में टिप्पणी करने से साफ इन्कार किया।**
- **दूसरी ओर राजस्थान के प्रभारी रंधावा चुपचाप अकेले अपने कमरे में बैठे रहे, उनको शायद यह हिदायत दी गयी है, वे बिल्कुल चुप रहे, विशेषकर मीडिया से कुछ नहीं बोले।**
- **कुछ एजेण्डा नहीं होने की वजह से यह भी चर्चा है कि, शायद गहलोत को दिल्ली बुलाया गया है। पर, किसने और क्यों बुलाया है, कल ही स्पष्ट होगा।**

योजनाओं का तहे दिल से समर्थन कर रहे हैं।

अपनी खुद की पीठ थपथपाने के अलावा उन्होंने कुछ नया नहीं कहा।

दूसरी ओर, ए.आई.सी.सी. महासचिव रंधावा ए.आई.सी.सी. ऑफिस आए और अपने कमरे में जाकर अकेले बैठ गए। उन्होंने किसी से भी मिलने या कोई बात करने से इन्कार कर दिया।

सूत्र कहते हैं कि उन्हें कहा गया था कि वह मीडिया या अन्य से कोई बात ना करें।

अशोक गहलोत के दिल्ली आने के प्रयोजन का जहां तक सवाल है, तो कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और के.सी. वेणुगोपाल कर्नाटक में है। इससे यह एक पहेली बन गया है कि आखिर गहलोत दिल्ली क्यों आए हैं।

सूत्र कहते हैं कि उन्हें दिल्ली तलब किया गया है, लेकिन वास्तविक तस्वीर कल तक ही स्पष्ट हो सकेगी।

मजेदार बात यह है कि दिल्ली में अपने परिवार के साथ प्रायः सप्ताहांत बिताने वाले सचिन पायलट जयपुर में हैं और उम्मीद है कि वह कल ईद जयपुर में ही मनाएंगे, जबकि अशोक गहलोत दिल्ली में हैं।

शादी से पहले दुष्कर्म, अब मिली सजा

जयपुर, 21 अप्रैल (का.सं.)। जिले की पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत ने नाबालिग का अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त जीवणराम डाबरिया को दस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत अभियुक्त पर चालीस हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि नाबालिग की सहमति कानून की नजर में कोई महत्व नहीं रखती है। ज्ञातव्य है कि

- **जिले की पॉक्सो अदालत ने आरोपी जीवणराम डाबरिया को दस साल कैद व 40,000 रू. जुर्माने की सजा सुनाई। उस पर आरोप है कि, उसने अपनी पत्नी के साथ शादी से पहले बलात्कार किया था, तब वह 17 वर्ष की थी।**

पीड़िता और अभियुक्त वर्तमान में साथ रहकर जीवन यापन कर रहे हैं व उनके दो संतान भी हैं, लेकिन अभियुक्त के खिलाफ पॉक्सो एक्ट का अपराध साबित है। ऐसे में उसे दंडित किया जाना उचित है।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक विजया पारीक ने अदालत को बताया कि 16 मई 2019 को पीडिता की मां ने दूदू थाने में रिपोर्ट

(शेष पृष्ठ 5 पर)

क्या आपको कम सुनाई देता है।
कान की मशीनें
स्पीच थैरेपी
फ्री सुनाई की जॉंच
TRIAL OF HEARING AID
CALL FOR APPOINTMENT
+91 94602 07080
PERFECT SPEECH AND HEARING SOLUTIONS
Tonk Road, JAIPUR | Vaishali Nagar, JAIPUR
www.perfecthearingsolutions.com

बस पलटी, 15 सवारी घायल

अनूपगढ़, 21 अप्रेल (कासं)। अनूपगढ़ के ग्राम पंचायत 20 एलएम के पास आज सांगरिया से घड़साना आने वाली एक निजी बस तेज स्पीड की वजह से अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे के

- **अनूपगढ़ में ग्राम पंचायत 20 एम.एल. के पास एक निजी यात्री बस तेज स्पीड के कारण अनियंत्रित होकर पलट गई, बस में 60-70 सवारियां थीं।**

समय 60 से 70 सवारियां बस में सवार थीं। जिसमें से 15 सवारियां घायल हो गई। एक यात्री के गंभीर घायल होने पर उसे हायर सेंटर रैफर कर दिया गया।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

भाजपा-अन्नाद्रमुक गठबंधन खटाई में

अन्नाद्रमुक ने भाजपा के खिलाफ उम्मीदवार खड़ा किया कर्नाटक के विधानसभा चुनाव में

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21अप्रैल। इन दिनों केन्द्र में सत्तारूढ़ भाजपा की स्थिति इसके दक्षिण भारत में पड़ाव को लेकर अच्छी नहीं कही जा सकती। तमिलनाडु में उसके गठबंधन पार्टनर अन्नाद्रमुक के शीर्ष नेता इडापड़ी पलानीस्वामी के साथ भाजपा के संबंध बिगड़ते ही जा रहे हैं। पलानीस्वामी ने भाजपा के प्रांतीय अध्यक्ष के. अन्नामलाई को एक अपरिपक्व व्यक्ति बताते हुये, उन्हें खारिज कर दिया है। बात केवल यही तक नहीं रही, अन्नाद्रमुक ने कर्नाटक विधानसभा चुनावों के लिये बेंगलुरु की पुलकेशिंगर सीट पर भाजपा प्रत्याशी के खिलाफ अपना प्रत्याशी खड़ा कर दिया है। इस सीट के अन्नाद्रमुक के प्रत्याशी डी. अनबारासन भाजपा प्रत्याशी मुरली का सामना करेंगे। प्रसंगवश बता दें कि तमिलनाडु की यह पार्टी कर्नाटक के चुनावी अखाड़े में पहले भी जोर आजमा चुकी है तथा बेंगलुरु एवं उसके आसपास के तमिलभाषी इलाकों में अपने प्रत्याशी खड़े करती रही है। लेकिन तमिलनाडु

- **अन्नाद्रमुक काफी समय से यह महसूस कर रही थी कि, भाजपा से गठबंधन करने की उसे चुनाव में भारी कीमत चुकानी पड़ रही है।**
- **रही सही कसर तमिलनाडू में भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष ने पूरी कर दी, यह जताकर कि, तमिलनाडू में भाजपा मुख्य विपक्ष है, क्योंकि, अन्नाद्रमुक अपने आपसी झगड़ों में विपक्ष की भूमिका नहीं निभा पा रही है।**

में अन्नाद्रमुक के और भाजपा के बीच गठबंधन होने के बावजूद भाजपा प्रत्याशी के सामने अन्नाद्रमुक द्वारा अपना उम्मीदवार खड़े किये जाने से यह संकेत जरूर मिल रहा है कि दोनों दलों के बीच के मित्रतापूर्ण रिश्ते सामान्य नहीं रहे हैं।

जब अन्नाद्रमुक ने 2019 में लोकसभा आम चुनावों के लिये भाजपा से गठजोड़ किया था, उसके बाद के प्रत्येक चुनाव मे यह द्रविड़ पार्टी सभी चुनाव हारी है। अन्नाद्रमुक के नेता निजी तौर पर इस बात को स्वीकार करते हैं कि उनकी पार्टी भाजपा के साथ गठजोड़ का खामियाजा भुगत रही है क्योंकि इसे हिन्दी-क्षेत्र की ऐसी पार्टी माना जाता है जिसके तमिलनाडु विरोधी हित सामने आते रहते हैं। हाल ही में तमिलनाडु भाजपा इकाई के अध्यक्ष अन्नामलाई तो यह कहने की हद तक चले गये थे कि वे बिना किसी मदद के अकेले ही पार्टी को खड़ा करेंगे, जिसके फलस्वरूप, तमिलनाडु में पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं ने उन्हें तथा उनकी बात को खारिज कर दिया था। दिल्ली के पार्टी मुख्यालय से ऐसा संकेत मिला था कि भाजपा अन्नाद्रमुक के साथ अपने संबंध खराब नहीं करेगी क्योंकि उसे 2024 के लोकसभा आम चुनावों के लिये इस गठबंधन की जरूरत है। भाजपा नेता तथा महिला

(शेष पृष्ठ 5 पर)

रॉबर्ट वाड्रा को क्लीन चिट दी पंजाब एण्ड हरियाणा हाई कोर्ट ने

हरियाणा की भाजपा सरकार ने हाई कोर्ट में शपथ पत्र देकर कहा कि, रॉबर्ट वाड्रा की कम्पनी स्काईलाइट हॉस्पिटैलिटी द्वारा डी. एल.एफ. को 3.5 एकड़ भूमि के बेचान में किसी कानून/कायदे का उल्लंघन नहीं किया गया है

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 अप्रेल। हरियाणा में मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर के नेतृत्व वाली एवं भाजपा-जननायक जनता पार्टी (जे.पी.पी.) की साझा सरकार ने पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट में यह स्वीकार किया है कि रॉबर्ट वाड्रा की मैसर्स स्काईलाइट हॉस्पिटैलिटी द्वारा डी.एल.एफ. यूनिवर्सल लिमिटेड को किए गए भूमि हस्तांतरण में ''नियम-कायदों'' का कोई भी उल्लंघन नहीं पाया गया है। ''इससे आर.एस.एस.-भाजपा की ये चालबायिजां उजागर हो गई हैं कि वे राजनीतिक मुद्दों को जीतने के लिए अपने राजनीतिक प्रतिद्वंदियों को बदनाम कर उनके साथ कैसा बर्ताव करते हैं।''

- **इस भूमि का बेचान 11 साल पहले हुआ था तथा उसके बाद हर चुनाव में भाजपा इस बेचान को भारी घोटाला बताकर भुनाती रही है।**

कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के दामाद रॉबर्ट वाड्रा की मैसर्स स्काईलाइट हॉस्पिटलिटी और रीयल एस्टेट के दिग्गज डी.एल.एफ. यूनिवर्सल लिमिटेड के बीच 11 वर्ष पूर्व हुए इस कथित संदेहास्पद जमीन सौदे से उपजे विवाद ने वर्ष 2014 में भाजपा को हरियाणा में एक चुनावी इतिहास रचने में मदद की थी।

भाजपा ने आई.ए.एस. अधिकारी अशोक खेमका द्वारा अक्टूबर 2012 में रद्द किए गए जमीन के सौदे को एक राजनीतिक हथियार बनाया और विधानसभा चुनावों से पूर्व ''दामाद श्री'' नाम से एक छह पृष्ठों की पुस्तिका जारी की, जिसमें राजस्थान और हरियाणा में वाड्रा के कथित भूमि सौदों का जिक्र था।

भाजपा ने करीब आठ मिनट लम्बी एक चुनाव प्रचार फिल्म भी जारी की थी, जिसमें यह बताने की कोशिश की गई थी कि कांग्रेस जब राज्य और केन्द्र, दोनों जगह सत्ता में थी तब गांधी परिवार ने इन सौदों में वाड्रा की मदद की। वर्ष 2014 में हरियाणा में भाजपा पहली बार सत्ता में आई। उसने कुल 90 सदस्यीय विधानसभा में 47 सीटें जीती थीं।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

अडानी-गहलोत ''मित्रता'' उपभोक्ताओं पर भारी पड़ रही है

उपभोक्ताओं से वसूला जा रहा है 2700 करोड़ रू. का ''स्पेशल फ्यूल सरचार्ज''

-यादवेंद्र शर्मा-

जयुपर, 21 अप्रेल। राजस्थान हाईकोर्ट, जोधपुर में अग्रवाल वोवन पॉलिमर्स ने वाणिज्यिक उपयोग के लिये उपयोग की जा रही बिजली पर डिस्कॉम द्वारा ''स्पेशल सरचार्ज'' लगाये जाने के खिलाफ याचिका दायर की है। इस मामले में याचिकाकर्ता कंपनी के एक मालिक कैलाश अग्रवाल ने अजमेर विद्युत वितरण निगम, राजस्थान विद्युत नियामक आयोग तथा अजमेर विद्युत वितरण निगम के असिस्टेंट इंजीनियर के खिलाफ ''अनुचित और गैर कानूनी'' तरीके से ''स्पेशल सरचार्ज'' (अतिरिक्त शुल्क) जाने पर केस दर्ज किया है। न्यायाधीश पुष्पेंद्र सिंह भाटी ने इस मामले की सुनवाई करते हुए अजमेर डिस्कॉम तथा नियामक आयोग के अधिकारियों से जवाब तलब किया और कहा कि अगली सुनवाई पर वह ''स्पेशल सरचार्ज'' पर अंतरिम रोक लगाने पर फैसला सुनाएंगे। इस मामले की अगली सुनवाई 26 अप्रेल को तय की गई है।

इस मामले में याचिकाकर्ता ने अदालत को बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने 29 अक्टूबर 2018 को अडानी पावर राजस्थान लिमिटेड के पक्ष में फैसला सुनाया था जिसके तहत अजमेर डिस्कॉम को अडानी को 2288.40 करोड़ रुपये, साथ ही 420.90 करोड़ रुपये ब्याज (यानी कुल 2709.36 करोड़ रुपये) ''फ्यूल सरचार्ज'' के नाम पर देना था क्योंकि अडानी को कोल इंडिया से कोल ब्लॉक्स का आवंटन नहीं हुआ था और फलस्वरूप देश के बाहर से कोयला खरीद कर लाना पड़ रहा था। सुप्रीम कोर्ट ने प्रदेश की डिस्कॉम्स को सरचार्ज चुकाने के लिए समय दिया गया था। दस्तावेजों के अनुसार राजस्थान विद्युत वितरण निगम लिमिटेड का कहना है, 24, 25 मार्च 2022 तक 5996 करोड रुपये अदा कर चुकी है।

उल्लेखनीय है कि अडानी ग्रुप के साथ वर्ष 2007 में प्रदेश में दो थर्मल पावर प्लांट बनाकर एक तय दर पर बिजली डिस्कॉम्स को बेचने का अनुबंधन किया गया था। फिर 2013

- **अडानी ग्रुप को गहलोत सरकार ने अपने इससे पहले वाले कार्यकाल में ''फ्यूल चार्ज'' देने का निर्णय लिया, जबकि, अडानी एवं राजस्थान सरकार के बीच दो पावर प्लान्ट लगाने के अनुबंधन में अडानी ग्रुप को ''फिक्स रेट'' पर बिजली सप्लाई करने की बात हुई थी ''फ्यूल सरचार्ज'' की कोई बात ही नहीं थी**
- **गहलोत सरकार ने अपने तत्कालीन कार्यकाल के अंत में (2013) अनुबंधन से फिक्स रेट की शर्त हटा दी तो फिर अडानी ने अनुबंधन में आए बदलाव के चार साल बाद फ्यूल सरचार्ज की मांग के लिए 2017 में अदालत का दरवाजा खटखटाया और 2018 में उन्हें अपने पक्ष में ऑर्डर भी मिल गया।**
- **मजे की बात यह भी है कि, अडानी को पैसा चुकाने के लिए सरकार ने उपभोक्ताओं पर पांच पैसे प्रति यूनिट का सरचार्ज लगाया, जिसे गहलोत के वर्तमान कार्यकाल में बढ़ाकर 7 पैसा प्रति यूनिट कर दिया गया।**

में गहलोत सरकार के कार्यकाल में अडानी ने अनुबंधन में फेरबदल करवाया कि किसी भी कानून में परिवर्तन के कारण अगर वह उपयुक्त दाम पर कोयला नहीं खरीद पाई तो वह सरकार से ''फ्यूल सरचार्ज'' वसूल सकती है। गौरतलब है कि वर्ष 2013 तक अडानी को कोल इंडिया से कोयले के ब्लॉक्स आवंटित नहीं हुए थे जिस वजह से उसे देश के बाहर से कोयला आयात करना पड़ा। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में माना था कि अडानी के समक्ष कोयला आयात करने की स्थिति उत्पन्न हुई थी वह कानून में बदलाव के कारण हुई थी और इस कारण उन्हें राज्य की डिस्कॉम्स से फ्यूल सरचार्ज मिलना चाहिये। राज्य की डिस्कॉम्स कोल इंडिया को बाहर से कोयला आयात करने के लिये पहले से ही फ्यूल सरचार्ज दे रही थी।

यहां यह भी उल्लेखनीय है कि अडानी राज्य सरकार की डिस्कॉम्स से ''फ्यूल सरचार्ज'' की मांग रखने वर्ष 2017-18 में गये थे, यानी कानून में बदलाव आने के पूरे चार वर्ष बाद। इसीलिये सुप्रीम कोर्ट से उन्हें 2018 में यह राहत मिली थी। वे राज्य की डिस्कॉम्स से वर्ष 2013 में ही ''फ्यूल सरचार्ज'' की मांग को लेकर अदालत क्यों नहीं पहुंचे, इसका कोई स्पष्ट जवाब उन्होंने किसी भी अदालत के समक्ष नहीं दिया।

राजस्थान हाईकोर्ट के समक्ष दायर याचिका में याचिकाकर्ता का कहना है कि राजस्थान विद्युत नियामक आयोग ने गैर कानूनी और मनमाने तरीके से 13 जून 2019 को अजमेर डिस्कॉम को उनके प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करते हुए यह राहत दी कि अडानी को 2700 करोड़ रुपये देने के लिये यह रकम डिस्कॉम उद्योगों पर ''स्पेशल सरचार्ज'' लगाकर वसूल सकती है। आयोग द्वारा अडानी को भुगतान देने की गणना के अनुसार 36 किस्तों में 1.81 रुपये प्रति किलोवाट घंटा की दर पर ''फ्यूल सरचार्ज'' वसूला जायेगा, अर्थात 0.05 रुपये प्रति यूनिट का शुल्क वाणिज्यिक बिजली उपभोक्ताओं से लिया जायेगा। याचिकाकर्ता के अनुसार 5 पैसे का यह शुल्क सुनने में बहुत कम है परंतु याचिकाकर्ता इस अतिरिक्त शुल्क के अन्तर्गत

(शेष पृष्ठ 5 पर)

जिंदा बम मामले में आरोपी की जमानत खारिज

जयपुर, 21 अप्रैल (का.सं.)। जयपुर बम ब्लास्ट मामलों की विशेष अदालत ने शहर में वर्ष 2008 में हुए सीरियल बम ब्लास्ट के दौरान जिंदा मिले बम के मामले में आरोपी मोहम्मद

- **जयपुर बम बलास्ट मामलों की विशेष अदालत ने जमानत खारिज करते हुए कहा कि, आरोपी पर जिन धाराओं में आरोप दर्ज हैं उनमें आजीवन कारावास की सजा हो सकती है, अगर उसे जमानत दे दी गई तो वह फरार हो सकता है।**

सरवर आजमी की जमानत अर्जी को खारिज कर दिया है। अदालत ने आदेश में कहा कि जयपुर में बम ब्लास्ट होने के संबंध में अभियुक्त अहमद सिद्दी

(शेष पृष्ठ 5 पर)

एस.एम.एस. मोर्चरी के बाहर संजय पांडे के परिजनों व भाजपा नेताओं का धरना

कानोता में संजय पांडे ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, ऑडियो नोट में ट्रांसपोर्टर पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया

कानोता इलाके में संजय पांडे आत्महत्या मामले में शुक्रवार को एसएमएस अस्पताल में मोर्चरी के बाहर परिजनों ने धरना देकर हंगामा किया। इस दौरान मौके पर पुलिस अधिकारियों ने समझाइस का प्रयास किया। लेकिन परिजन नहीं माने और समझाइस के प्रयास विफल रहे।

जयपुर। कानोता इलाके में संजय पांडे की आत्महत्या का मामले में विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है। एसएमएस अस्पताल में मोर्चरी के बाहर शुक्रवार को परिजनों ने हंगामा किया। परिजनों का कहना है कि जब तक आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया जाएगा। तब तक पोस्टमार्टम नहीं कराया जाएगा और शव को नहीं लिया जाएगा। इस दौरान मौके पर पुलिस अधिकारियों ने समझाइस का प्रयास किया। लेकिन परिजन नहीं माने और समझाइस के प्रयास विफल रहे।

- **पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अशोक परनामी, जिलाध्यक्ष राघव शर्मा, भारत शर्मा, किरोड़ीलाल मीणा व अन्य नेता धरना स्थल पर पहुंचे**

इसके बाद एसएमएस पुलिस थाने के बाहर राज्यसभा सांसद किरोड़ीलाल मीणा, भाजपा पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अशोक परनामी, शहर अध्यक्ष राघव शर्मा और भाजपा नेता राजपाल सिंह शेखावत सहित अन्य मौके पर पहुंचे। भाजपाईयों ने आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग की। मौके पर पुलिस अधिकारियों ने भाजपा नेताओं से बात करने का प्रयास किया। लेकिन भाजपा नेता नहीं माने। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने गहलोत सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। किरोड़ीलाल मीणा ने कहा कि यह सरकार का फेलियर है। कानून नाम की कोई चीज नहीं है। संजय पांडे को आत्महत्या करनी पड़ी। आज उसका परिवार बेघर हो गया। इसके लिए यह सरकार जिम्मेदार है।

हाथोज धाम के स्वामी बालमुकन्दाचार्य ने कहा कि ट्रांसपोर्ट व्यवसायी शब्बीर कुमार ने संजय पांडेय का वेतन रोक लिया। इसके साथ ही वह जाते जाते बड़ा खुलासा कर गए कि शब्बीर गौ हत्या का व्यवसाय ट्रांसपोर्ट की आड़ में करता था। उन्होंने कहा कि यह बहुत बड़ा मामला है, धार्मिक भावनाएं भी भड़कती हैं। यह बहुत बड़ा माफिया है। सरकार से प्रार्थना है कि उच्च स्तर पर जांच की जाए। अगर इसका निराकरण नहीं हुआ तो संत समाज की ओर से बहुत बड़ा आंदोलन किया जाएगा। मरने से पहले संजय पांडे ने ऑडियो में कहा कि वह इसलिए मर रहा है कि शब्बीर ने उसे परेशान किया है। उसका वेतन नहीं दिया है। यूपी में अतीक के मर्डर होने पर उसे नौकरी से निकाल दिया है। वेतन भी नहीं दिया है। इसके साथ ही शब्बीर गौ हत्या का व्यवसाय करता है। राजस्थान के बाहर तक इसका गौ हत्या से जुड़ा व्यवसाय है। शब्बीर को विधायक रफीक खान का आशिर्वाद है।

मृतक संजय पांडेय (49) पुत्र रामबाबू पांडेय पुराना खानिया कानोता का रहने वाला था। वह अजंता ट्रांसपोर्ट कम्पनी में मैनेजर जॉब करता था। जो गाड़ियां कहां आती-जाती हैं। इसका पूरा रिकॉर्ड रखता था। 19 अप्रैल को दोपहर करीब 1 बजे पत्नी और बेटा रुद्राक्ष किसी काम से बाहर गए थे। घर में अकेला होने के दौरान संजय ने रस्सी का फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। दोपहर करीब 3 बजे पत्नी-बेटे के घर लौटने पर संजय फंदे से लटका मिला। सुसाइड की सूचना पर कानोता थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मौका-मुआयना कर शव को कब्जे में लिया। पुलिस ने कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए शव हॉस्पिटल की मॉर्च्यूरी भिजवाया। पुलिस को मृतक के मोबाइल में दो ऑडियो क्लिप मिली। मरने से पहले संजय ने अपने मोबाइल में ऑडियो सुसाइड नोट बनाया था। पुलिस ने मोबाइल को जब्त कर लिया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

लीलाधर "जनसम्पर्क उत्कृष्टता अवार्ड" से सम्मानित

जयपुर, (का.सं.)। सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग की समाचार शाखा के सहायक निदेशक लीलाधर को पब्लिक रिलेशन्स सोसायटी ऑफ इंडिया जयपुर चेप्टर की ओर से शुक्रवार को यहां पिंकसिटी प्रेस क्लब में आयोजित 46वें राष्ट्रीय जनसम्पर्क दिवस एवं सम्मान समारोह के अवसर पर उनके द्वारा अर्जित उपलब्धियों के लिए "जनसम्पर्क उत्कृष्टता अवार्ड" से पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर लीलाधर को शॉल ओढ़ाकर, श्रीफल भेंटकर एवं स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

लीलाधर को यह सम्मान पब्लिक रिलेशन्स सोसायटी ऑफ इण्डिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजीत पाठक, पूर्व आई.ए.एस, आई.सी. श्रीवास्तव तथा पत्र सूचना कार्यालय एवं केन्द्रीय संचार ब्यूरो की अपर महानिदेशक ऋतु शुक्ला एवं पिंकसिटी प्रेस क्लब, जयपुर के अध्यक्ष राधारमण शर्मा द्वारा प्रदान किया गया।

रामप्रसाद मीणा सुसाइड मामले में गहलोत सरकार को नोटिस

राष्ट्रीय अनूसूचित जनजाति आयोग ने सरकार से तीन दिन में एक्शन टेकन रिपोर्ट मांगी

- **हैरिटेज निगम की सतर्कता विंग के नीरज तिवाड़ी सस्पैंड, उपायुक्त नीलकमल मीणा पर कोई कार्रवाई नहीं**
- **स्वायत्त शासन विभाग ने मंदिर श्री गिरधरजी के महंत ललित कुमार शर्मा को नोटिस थमाया**
- **पिछले 5 दिनों से धरने पर बैठी मृतक रामप्रसाद की मां व धर्मपत्नि की तबियत बिगड़ी**

जयपुर (कासं)। कैबिनेट मंत्री महेश जोशी समेत 8 लोगों पर मकान नहीं बनाने देने और परेशान करने का आरोप लगाकर सुसाइड करने वाले रामप्रकाश मीणा का मामला अब राष्ट्रीय स्तर पर पहुंच गया है। राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग ने रामप्रकाश मीणा की मौत पर राज्य सरकार को नोटिस जारी कर तीन दिन में जवाब मांगा है। आयोग ने मुख्य सचिव, डीजीपी, जयपुर पुलिस कमिश्नर आनंद श्रीवास्तव, जयपुर कलेक्टर प्रकाश राजपुरोहित और जयपुर हैरिटेज नगर निगम के आयुक्त विश्राम मीणा को नोटिस भेजा है। एसटी आयोग ने नोटिस के जवाब के साथ सरकार से एक्शन टेकन रिपोर्ट मांगी है।

इस सख्ती के बाद हैरिटेज नगर निगम कमिश्नर विश्राम मीणा ने अतिरिक्त आयुक्त को जांच अधिकारी बनाकर पूरे मामले की 7 दिन में जांच करने का आदेश दिया है। साथ ही सर्तकता विंग के नीरज तिवाड़ी को निलंबित कर दिया गया है। हालांकि उपायुक्त नीलकमल मीणा पर कोई कार्रवाई नहीं हुई है। इसके अलावा स्वायत्त शासन विभाग ने भी कंवर नगर राजामल का तालाब स्थित मंदिर श्री गिरधरजी के महंत ललित कुमार शर्मा को नोटिस थमाया है। जिसमें 24 अप्रैल को शाम 4 बजे तक का समय देते हुए मंदिर की जमीन पर होटल बनाने के बारे में स्पष्टीकरण मांगा गया है। साथ ही चेतावनी दी गई है कि स्वयं उपस्थित होकर साक्ष्य प्रस्तुत करें, अन्यथा एकतरफा कार्रवाई की जायेगी। उधर पिछले पांच दिनों से धरने पर बैठी मृतक रामप्रसाद की मां व धर्मपत्नि की शुक्रवार को तबियत खराब हो गई। जिन्हें सवाई मानसिंह अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

ज्ञात रहे कि जयपुर में चांदी की टकसाल क्षेत्र में रहने वाले रामप्रसाद मीणा ने जमीन का पट्टा होने के बावजूद मकान नहीं बनने देने से परेशान होकर सुसाइड कर लिया था। मृतक ने मंत्री महेश जोशी सहित आठ लोगों पर परेशान करने का आरोप लगाते हुए सुसाइड कर लिया था। इस मामले में बीजेपी सासंद किरोड़ीलाल मीणा धरने पर बैठे। मृतक का अब तक अंतिम संस्कार नहीं हुआ है। एक दिन पहले ही पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट ने भी रामप्रसाद के घर जाकर परिजनों को सांत्वना दी थी।

नेता प्रतिपक्ष के जन्म दिवस पर इतिहास का सबसे अधिक रक्तदान

राठौड़ ने इस मौके पर कहा, "खून किसी फ़ैक्ट्री में नहीं बनता, यह है अनमोल"

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ के जन्मदिन पर कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को उनका फूलमाला पहनाकर स्वागत किया।

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सर्व कल्याण की भावना से प्रेरित होकर नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ के जन्मदिन पर 15 से 21 अप्रैल तक मानव सेवा सप्ताह मनाया गया और 400 ब्लड डोनेशन कैम्पों के माध्यम से 65 हजार से अधिक यूनिट ब्लड एकत्रित कर एक रिकॉर्ड बनाया गया। इस अवसर पर राठौड़ ने कहा कि रक्तदान से बड़ा दान नहीं क्योंकि खून किसी फ़ैक्ट्री में निर्मित नहीं होता, यह अनमोल है। इसलिये मेरे खून का ज़र्रा-ज़र्रा भी यदि राजस्थान के काम आये और मेरी जान भी चली जाये तो यह मेरा सौभाग्य होगा।

मानव सेवा सप्ताह के संयोजक वासुदेव चावला व सह संयोजक प्रशांत टावरी ने बताया कि 15 अप्रैल को 22 शिविरों में 4 हज़ार 129, 16 अप्रैल को 75 शिविरों में 15 हज़ार 747, 17 अप्रैल को 25 शिविरों में 4 हज़ार 339, 18 अप्रैल को 35 शिविरों में 3 हज़ार 418, 19 अप्रैल को 48 शिविरों में 9 हज़ार 879, 20 अप्रैल को 61 शिविरों में 11 हज़ार 663 यूनिट और 21 अप्रैल को 99 शिविरों में 16 हजार 150 यूनिट रक्त 200 विधान सभा क्षेत्रों में संग्रहण कर समर्थकों ने अपने नेता के प्रति आस्था जताई। उत्साह इतना था कि रक्त दानियों की संख्या और ब्लड बैंक में ब्लड ज्यादा हो जाने के कारण कई बल्ड बैंकों ने खून लेने से ही मना कर दिया, जो राजस्थान के इतिहास में पहली बार हुआ।

राठौड़ जब पहली बार चिकित्सा मंत्री बने तब रक्त की कमी से हजारों लोग की असमय मृत्यु हो जाती थी। तब से ही उन्होंने रक्तदान को अपने जीवन का हिस्सा मान लिया। उनके जन्मदिवस पर रक्त दान शिविर आयोजित करने का यह सिलसिला 1993 यानि 30 सालों से जारी है। पिछले वर्ष भी 33 जिलों में 190 रक्तदान शिविर लगा कर 45 हजार और 2012 में रिकॉर्ड 25 हजार यूनिट ब्लड इकट्ठा हुआ। राठौड़ ने हमेशा 3 मोर्चों पर काम किया। पहला कुष्ठ व क्षय रोगियों की सहायता, दूसरा रक्तदान और तीसरा ऑर्गन डोनेशन के लिए लोगों को प्रेरित करना।

रोजगार लेने वाला नहीं, रोजगार देने वाला बने युवा : सांसद बोहरा

जयपुर की दादिया ग्राम पंचायत में प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम में पहले ऋण आवेदनकर्ता का आवेदन सांसद रामचरण बोहरा एवं खादी ग्रामोद्योग आयोग के चेयरमैन मनोज गोयल ने कंप्यूटर पर बटन दबाकर सबमिट किया।

जयपुर। दादिया ग्राम पंचायत में प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के तहत रोजगार सृजन कैंप लगाया गया जिसके माध्यम से जयपुर सांसद रामचरण बोहरा ने वहां उपस्थित लोगों को प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी एवं प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के तहत मिलने वाले ऋण के लिए आवेदन भी करवाए।

वहां पहले ऋण आवेदनकर्ता का आवेदन सांसद बोहरा एवं खादी ग्रामोद्योग आयोग के चेयरमैन मनोज गोयल ने कंप्यूटर पर बटन दबाकर सबमिट किया। वहां 50 से ज्यादा लोगों ने ऋण के लिए आवेदन सांसद बोहरा कहा कि इस कैंप का मुख्य उद्देश्य यह है कि कोई भी युवा कोई भी महिला कोई भी व्यक्ति जो कुछ ना कुछ काम करना चाहता है अपना स्वरोजगार स्थापित करना चाहता है उसे आर्थिक रूप से सहायता प्रदान की जा सके। और हमारे देश के युवा रोजगार लेने की वजह रोजगार देने वाले बने। आज भारत विश्व का सबसे युवा देश है यहां की युवा शक्ति भारत के विकास में महत्वपूर्ण योगदान निभा रही है। आज भारत में बनी स्टार्टअप्स विश्व भर में नाम कमा रहे हैं। इस कैंप के माध्यम से लघु उद्योग शुरू करने वाले लोगों को भी सहायता मिलेगी लघु उद्योग भारत की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान निभा रहे हैं, और यह जानकर बड़ा हर्ष होता है कि लघु उद्योगों में अधिकतर काम कर महिलाएं हैं भारत की महिलाएं भी आत्मनिर्भर बन रही हैं।

पुलिस विभाग में 500 मोबाइल यूनिट्स का होगा गठन

जयपुर, (का.सं.)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पुलिस विभाग के सुदृढ़ीकरण और आधुनिकीकरण की दिशा में 108 एम्बुलेंस की तर्ज पर 500 नवीन मोबाइल यूनिट्स के गठन के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की है।

इन मोबाइल यूनिट्स को अभय कमांड सेंटर (डायल 100/डायल 112) से जोड़ा जाएगा। प्रत्येक यूनिट में 1 हैड कांस्टेबल और 2 कांस्टेबल होंगे। इन यूनिट्स के गठन हेतु 500 वाहन सर्विस मॉडल पर लिया जाना प्रस्तावित है। जिनके संचालन पर वर्ष 2023-24 में लगभग 60 करोड़ रूपए खर्च होंगे।

प्रदेश में 591 नए संक्रमित मिले शुक्रवार को

जयपुर में सबसे ज्यादा 149 नए मरीज सामने आए हैं

-कार्यालय संवाददाता-

- **चित्तौड़गढ़ और कोटा में करोना से दो लोगों की मौत हुई है।**

जयपुर। प्रदेश में शुक्रवार को थोड़ी कमी के बाद 591 नए करोना संक्रमित मिले हैं। वहीं दो लोगों की मौत भी हुई है। राज्य में नए संक्रमितों के मुकाबले में रिकवरी कम होने से एक्टिव केस बढ़कर 37 सौ के पार पहुंच गए हैं।

प्रदेश में पिछले चौबीस घंटों में 26 जिलों में 591 नए संक्रमित मिले हैं। इससे पहले गुरूवार को इनकी संख्या 669 रही थी। इधर आज भी राज्य में सबसे ज्यादा 149 नए संक्रमित जयपुर में मिले हैं। इसके अलावा भरतपुर में 91, जोधपुर में 44, अजमेर व उदयपुर में 41-41, बांसवाड़ा में 35, नागौर में 31, बीकानेर में 24, झालावाड़ में 22, सीकर में 16, दौसा में 14, पाली में 11, चूरू व गंगानगर में 10-10, चित्तौड़गढ़ में 9, अलवर में 8, झुंझुनूं में 7, डूंगरपुर में 6, टोंक में 5, भीलवाड़ा में 4, जैसलमेर व सिरोही में 3-3, बाड़मेर, राजसमंद व कोटा में 2-2 और धौलपुर में 1 नया संक्रमित मिला है। इस बीच 10 हजार 362 कोविड जांच की गई है।

प्रदेश में शुक्रवार को भी नए संक्रमितों के मुकाबले रिकवरी कम हुई है। इस दौरान 370 मरीज ठीक हुए हैं। हालाकि एक्टिव केस बढ़कर 3742 हो गए हैं। इनमें सबसे ज्यादा 973 मरीजों का इलाज जयपुर में चल रहा है। वहीं भरतपुर में 378, उदयपुर में 322, अजमेर में 218 और जोधपुर में 208 मामले है। उधर प्रदेश में शुक्रवार को करोना से चित्तौड़गढ़ और कोटा में 1-1 संक्रमित की मौत हुई है। इसके साथ ही राज्य में अब तक इस बीमारी से 9689 लोगों की मृत्यु हो चुकी है।

इंदिरा गांधी शहरी क्रेडिट कार्ड योजना की अवधि बढ़ाई

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शहरी क्षेत्र के स्ट्रीट वेंडर्स तथा सर्विस सेक्टर के युवाओं एवं बेरोजगारों को स्वरोजगार से जोड़ने एवं उनकी रोजमर्रा की जरूरतों के लिए ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रारंभ की गई इंदिरा गांधी शहरी क्रेडिट कार्ड योजना की अवधि को 31 मार्च 2024 तक बढ़ाए जाने का निर्णय लिया है। इसके अलावा, योजना में आवेदन के लिए आयु सीमा 40 वर्ष से बढ़ाकर 60 वर्ष करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी प्रदान की है। प्रस्ताव के अनुसार, इंदिरा गांधी शहरी क्रेडिट कार्ड योजना की अवधि 31 मार्च 2024 तक बढ़ाई गई है। पूर्व में इस योजना की अवधि 31 मार्च 2023 तक थी। साथ ही योजना में आवेदन के लिए आयु सीमा को 40 वर्ष से बढ़ाकर 60 वर्ष किया गया है।

सरकार के महंगाई राहत कैंपों पर कर्मचारी आंदोलन का साया

- **पूर्व में किए समझौते लागू नहीं किए, तो राजस्व सेवा परिषद करेगी महंगाई राहत कैंपों का बहिष्कार**
- **मंत्रालयिक कर्मचारी भी महापड़ाव पर, वार्ता के बावजूद नहीं बनी सहमति**

जयपुर, (का.प्र.)। राजस्थान में सरकार के महंगाई राहत कैंपों से पहले विभिन्न वर्गों के कर्मचारी संगठनों की हड़ताल में सरकार की व्यवस्थाओं को बिगाड़ दिया है राजस्थान में जहां एक और मंत्रालयिक कर्मचारी महापड़ाव देकर अपनी मांगे मनवाने पर पड़े हुए हैं। दूसरी और राजस्व सेवा परिषद के तहत पटवारी संघ, तहसीलदार परिषद और कानूनगो संघ पिछले 2 दिन से आंदोलन की राह पर हैं। इनका कहना है कि पूर्व में हुए समझौता पत्र को लागू नहीं किया गया, तो महंगाई राहत कैंपों का बहिष्कार किया जाएगा। ऐसे में सरकार की ओर से की जा रही तैयारियों पर विपरीत असर पड़ सकता है।

पिछले 2 दिन से राजस्थान राजस्व सेवा परिषद के बैनर तले राजस्थान पटवार संघ, तहसीलदार सेवा परिषद और कानूनगो संघ ने काम बंद हड़ताल कर रखी है। इस बारे में जानकारी देते हुए राजस्थान पटवार संघ के अध्यक्ष नरेंद्र कविया ने बताया कि हमने सरकार से पहले भी कई दौर में मांग पत्र सौंपा और पूर्व में जब हमने आंदोलन किया था, उस समय सरकार ने हमसे समझौते किए थे, लेकिन समझौते के किसी भी बिंदु को अभी तक लागू नहीं किया गया है। ऐसे में मजबूर होकर हमें दो दिन का आंदोलन करना पड़ा है। कविया ने कहा कि सरकार ने पूर्व में किए समझौते के अनुरूप हमारे मांग पत्र पर सहमति देते हुए उसे लागू नहीं किया, तो महंगाई राहत शिविर से हम खुद को अलग कर सकते हैं और अनिश्चितकालीन आंदोलन शुरू किया जा सकता है। दूसरी ओर राजस्थान राज्य मंत्रालयिक महासंघ एवं सरकार के बीच शुक्रवार को सचिवालय स्थित अतिरिक्त मुख्य सचिव अखिल अरोड़ा से वार्ता हुई, लेकिन सहमति नहीं बन पाई। जिन प्रमुख मांगों को लेकर कर्मचारी सामूहिक अवकाश के चलते महापड़ाव पर हैं, पर मंत्रालयिक कर्मचारी महासंघ के प्रदेशाध्यक्ष राजसिंह चौधरी एवं उनके प्रतिनिधि मंडल के साथ सरकार के प्रतिनिधियों की चर्चा हुई, जिसमें संवर्ग के पदोन्नति के प्रथम पद वरिष्ठ सहायक की ग्रेडपे 2800 को विलोपित कर 3600 किया जाना, कनिष्ठ सहायक का प्रांरभिक वेतनमान जो वर्तमान सरकार द्वारा वर्ष 2013 में 25500 किया था उसे विगत वसुंधरा सरकार द्वारा वापस ले लिया उसे पुनः बहाल किया जावे, वरिष्ठ सहायक के पदौन्नति के पदो के प्रतिशत को 24 से बढ़ा कर 30 किया जावे। समकक्ष संवर्गो की भांति कनिष्ठ सहायक की भर्ती की योग्यता स्नातक किया जावे। इसके साथ ही पंचायती राज विभाग के मंत्रालयिक कर्मचारियों के केडर रिव्यू के पश्चात पदों का नोटिफिकेशन जारी किया जाना एवं जिला स्थानांतरण पर लगी रोक को हटाया जावे सहित अन्य सभी मांगो पर द्विपक्षीय वार्ता हुई।

नम्बर मिलाइए
9587884433

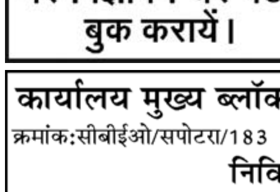

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

कार्यालय मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सपोटरा

क्रमांक:सीबीईओ/सपोटरा/183 दिनांक:17.04.2023

निविदा सूचना

सीबीईओ कार्यालय सपोटरा के वित्तीय वर्ष 2023-24 हेतु मासिक किराये पर वाहन हेतु दिनांक 23.04.2023 को दोपहर 12:00 बजे तक निविदाऐं आमंत्रित की जाती है निविदाऐं की शर्तें कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर चस्पा है।

UBN NUMBER- (RSE2324SSOB00092

CBEO SAPOTRA

आम-सूचना

मेरे द्वारा अपने अभिभाष्य भारतीय स्टेट बैंक की ओर से सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री राजेन्द्र प्रसाद भटनागर पुत्र श्री जगदीश प्रसाद भटनागर के मकान न. 25 / 17, मानसरोवर, जयपुर का आवंटन पत्र क्रमांक 8084 दिनांक 27.03.1993 खो गया है। जिसकी रिपोर्ट जरिये LR No. 1620566/2022 दिनांक 03.11.2022 को थाना साइबर क्राइम में दर्ज करा दी गई है। उपरोक्त सम्पति पर मेरे अभिभाष्य बैंक से ऋण प्राप्त करने हेतु आवेदन किया है। अतः सभी वित्तीय संस्था व दीगर व्यक्ति जिन्हें उक्त आवंटन पत्र तथा उपरोक्त सम्पति पर ऋणार्थ सृजित साम्य बंधक पर कोई आपत्ति हो तो मय साक्ष्य मेरे समक्ष 7 कार्य दिवस के अन्दर आक्षेप प्रस्तुत करें।

परमेन्द्र सिंह एडवोकेट
ए-975 सिद्धार्थ नगर जयपुर। मो. 9982724242

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य जीवनदास पंजाबी पुत्र स्व.श्री चिमनलाल निवासी प्लाट नम्बर-35, लक्ष्मी कॉलोनी स्टेडियम के पास सांगानेर जयपुर का पुत्र इंदरपाल मेरे अभिभाष्य के कहने सुनने में नहीं और उसके आचार, व्यवहार से मेरे अभिभाष्य की प्रतिष्ठा धूमिल हो रही है इस कारण मेरे अभिभाष्य का इंदरपाल से अब कोई संबंध नहीं रहा है और अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है उसके द्वारा किये गये कृत्यों के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगा। मेरा अभिभाष्य उसके द्वारा किये गये कृत्यों के जिम्मेदार नहीं होगा। सूचित रहे।
(मुकेश कुमार शर्मा) एडवोकेट, मोबाईल-9413804800

प्रदेश बागड़ा ब्राह्मण अधिकारी- कर्मचारी कल्याण समिति, राजस्थान, जयपुर
प्रान्तीय कार्यालय:- बी-1-1/सी, शर्मा डेयरी, कालीदास मार्ग, बनीपार्क, जयपुर

आम सूचना दि. 21-04-2023

प्रदेश बागड़ा ब्राह्मण अधिकारी- कर्मचारी कल्याण समिति, राजस्थान, जयपुर रजिस्ट्रेशन नं. 23/ 2013-14 के मुख्य चुनाव अधिकारी मनमोहन मेहता द्वारा समिति के समस्त सदस्यों को सूचित किया जाता है कि समिति की प्रबंध कार्यकारिणी का चुनाव पूर्व निर्धारित चुनावों के साथ दिनांक 07.05.2023 को सम्पन्न करवाया जायेगा प्रबंध कार्यकारिणी के नामांकन फार्मो का विक्रय, जमा एवं जांच दिनांक 23.04.2023 व 24.04.2023 समय प्रातः 10 से दोपहर 2 बजे तक नाम वापसी दिनांक 25.04.2023 को प्रातः 10 बजे से सांय 4 बजे तक अन्तिम नामों की सूची का प्रकाशन दिनांक 25.04.2023 को सांय 6 बजे तक व चुनाव चिन्ह का आवंटन दिनांक 26.04.2023 को दोपहर 12 बजे तक कर दिया जायेगा। चुनाव कार्यालय का पता- श्री कन्हैया मैंशन, A-12, आचार्य विनोबा भावे नगर, आम्रपाली मार्ग, वैशाली नगर, जयपुर।

मुख्य चुनाव अधिकारी
मनमोहन मेहता, मो. नं. 93145 01913

नाम परिवर्तन

मैं श्वेता चोरडिया निवासी सी-61, संग्राम कॉलोनी, सी-स्कीम जयपुर-302001 राजस्थान, धर्मपत्नी अविनाश चोरडिया ने पूर्व में ही अपना नाम श्वेता मेहता (जन्म से उपनाम) से बदलकर श्वेता चोरडिया धर्मपत्नी अविनाश चोरडिया कर लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जावे

मैंने अपना नाम हर्षित छजलानी से बदलकर हर्षित जैन रख लिया है अतः भविष्य में मुझे हर्षित जैन के नाम से जाना पहचाना जायेहर्षित जैन 37 डी, कोरल रेजीडेन्सी, धर्म पार्क, श्याम नगर, जयपुर

मैं लोकेन्द्र सिंह पुत्र दरियाण सिंह राजावत निवासी हनोतिया बुजुर्ग, जिला टोंक का हूँ। मैंने अपने पुत्र ओमान सिंह उम्र 5 वर्ष का नाम बदलकर कुंवर राष्ट्रदीप सिंह कर लिया है। भविष्य में इसी नाम से जाना जावे।

मैंने अपना नाम प्रदीप कुमार से बदलकर प्रदीप कुमार गोयल रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जाए। निवासी ए-74, दादूदयाल नगर मानसरोवर, जयपुर

I have changed my name from Mahender Singh to Mohinder Singh R/o Plot No-47, Jawahar Nagar Colony, Tonk Road, Jaipur for all future purpose.

आम सूचना मैं भारती कोडमलानी पुत्री श्री आसनदास कोडमलानी ने एक अचल सम्पत्ति प्लाट सं. 24, नगर परिषद कॉलोनी के सामने, कंवर नगर के पास, राजामल का तालाब नाले के सहारे जयपुर राज. जिसकी नाप पूर्व से पश्चिम 30 फीट व उत्तर से दक्षिण 20 फीट है जिसका कुल क्षेत्रफल 66.69 वर्गगज बहैसियत दरोबस्त को श्री गोपाल सोलंकी पुत्र स्व.श्री देवीलाल सोलंकी निवासी प्लाट सं. 24, नगर परिषद कॉलोनी, के सामने, कंवर नगर के पास, जयपुर राज. से क्रय करने का इकरार किया है। उक्त अचल सम्पत्ति के बाबत किसी भी व्यक्ति/संस्था/फर्म सरकारी/गैर सरकारी आदि को कोई आपत्ति हो तो वह प्रकाशन दिनांक से चार (4) दिवस मय दस्तावेजात सहित मुझसे सम्पर्क करे। मियाद गुजरने के पश्चात उक्त अचल सम्पत्ति का हस्तान्तरण मेरे स्वयं के नाम से करवाने पर किसी भी प्रकार की आपत्ति मान्य नहीं होगी। सूचित रहे।
दिनांक-22-4-2023 भारती कोडमलानी पुत्री श्री आसनदास कोडमलानी निवासी प्लाट सं.11, शान्ति कॉलोनी मंगला मार्ग, ब्रह्मपुरी जयपुर राज. मोबाइल नम्बर-9828221831

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि अचल सम्पत्ति मकान नम्बर 4, मार्ग नं. ए-9, कुमावत कॉलोनी, प्रेमनगर, झोटवाड़ा, जयपुर, राज., कुल क्षेत्रफल 148.6 वर्गगज है। उक्त सम्पत्ति रामराज शर्मा को जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर द्वारा रजिस्टर्ड लीज डीड नं. 2134 दिनांक 31.10.2002 द्वारा प्राप्त हुआ। रामराज शर्मा, उनकी पत्नी श्रीमती राधा शर्मा व उनके पुत्र विजय कुमार (अविवाहित) व अरविन्द शर्मा के स्वर्गवास के पश्चात उनके विधिक उत्तराधिकारियों में उनके पुत्र गौरव शर्मा, अमर शर्मा व एक पुत्री श्रीमती अन्जना शर्मा व अरविन्द शर्मा के उनकी पत्नी श्रीमती कल्पना शर्मा, पुत्र आर्यन, पुत्री अंजली शर्मा उक्त सम्पत्ति के संयुक्त रूप से विधिक रूप से मालिक, स्वामी काबिज हुए। गौरव शर्मा, श्रीमती कल्पना शर्मा, अंजली शर्मा एवं आर्यन शर्मा एवं श्रीमती अंजना शर्मा ने उक्त सम्पत्ति में निहित अपने-अपने अविभाजित हिस्से को तीन अलग-अलग रजिस्टर्ड हक त्याग पत्र दिनांक 23-04-2021, 28-12-2022 एवं 31-03-2023 द्वारा अमर शर्मा के हक में त्याग कर दिया, इस प्रकार अमर शर्मा उक्त सम्पत्ति के एकमात्र रूप से विधिक रूप से मालिक, स्वामी, अधिकारी काबिज हुए। अब इनसे लोकेश सिंह राठौड़ उक्त सम्पत्ति को क्रय कर रहे है जिस बाबत मेरी अभिभाष्य वित्तीय संस्था HDFC Ltd से ऋण ले रहे है, सर्वसाधारण को उक्त सम्पत्ति के विधिक वारिसान, मालिकाना हक, स्वामित्व, कब्जे, अधिकार पर कोई आपत्ति हो तो सात दिवस में लिखित में मय दस्तावेज सूचित करे अन्यथा आपत्ति शून्य, अप्रभावी व अमान्य समझी जावेगी।
दिनांक-21-4-2023 ऋषिकेष महर्षि, एडवोकेट (एस.आर.एम.पार्टनर) पता-82, एवरेस्ट विहार, किंग्स रोड़ निर्माण नगर, जयपुर, राज.

मंगल नगर में सार्वजनिक पार्क की 956 वर्ग गज जमीन पर काट दिए तीन प्लॉट

जे.डी.ए. ने खुद इस भूमि को सुविधा क्षेत्र माना, फिर भी अफसरों ने गुपचुप पट्टे दे डाले

सिरसी रोड पर मंगल नगर में पार्क की 956 वर्गगज जमीन पर बाउंड्रीवाल बनाकर तीन प्लॉट काट दिए गए, जकि मौके पर अभी भी पुरानी बैंचें लगी हुई हैं।

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । सिरसी रोड पर मंगल नगर में सार्वजनिक पार्क की 956 वर्गगज जमीन पर कब्जा कर तीन प्लॉट काटने का मामला सामने आया है। ताज्जुब है कि जेडीए प्रशासन खुद इस जमीन को अपने नक्शे में सुविधा क्षेत्र मान चुका है, इसके बावजूद अधिकारियों ने इन तीनों प्लॉट्स के जेडीए पट्टे भी दे दिए। मिलीभगत का यह खेल कॉलोनी के भूमाफिया, शंकर गृह निर्माण सहकारी समिति और जेडीए के अधिकारियों ने मिलकर खेला। यह आरोप मंगल नगर विकास समिति के पूर्व अध्यक्ष राजाराम सिंह और उपाध्यक्ष चिमन सिंह ने लगाए हैं।

राजाराम सिंह ने बताया कि सिरसी रोड पर बसी मंगल नगर कॉलोनी में शंकर गृह निर्माण सहकारी समिति के पट्टे हैं। इस सोसायटी ने पार्क के लिए छोड़ी हुई 956 वर्गगज की सुविधा क्षेत्र की जमीन पर तीन प्लॉट काट दिए। जब यह मामला सामने आया तो हमने वर्ष 2014-15 में इसकी शिकायत जेडीए प्रशासन और ट्रिब्यूनल कोर्ट में की। मामले की सुनवाई पर ट्रिब्यूनल कोर्ट ने आदेश दिया था कि इस जमीन पर कोई निर्माण नहीं हो, इसके लिए जेडीए प्रशासन पाबंद किया था।

उन्होंने बताया कि जब मंगल नगर कॉलोनी की विकास समिति के अध्यक्ष पद पर हरिओम चौधरी काबिज हुए, उन्होंने गुपचुप जेडीए ट्रिब्यूनल में जाकर विकास समिति की ओर से तीनों प्लॉट्स पर लगाई गई आपत्ति को वापस ले लिया। जबकि इस मामले की शिकायत राजाराम सिंह ने की थी, हरिओम चौधरी ने नहीं। इसके बावजूद जेडीए के अफसरों ने शंकर गृह निर्माण सहकारी समिति व भूमाफिया के साथ मिलकर पार्क की जमीन पर काटे गए तीनों प्लॉट 126, 127 व 128 के पट्टे दे दिये, जो कि पूरी तरह से गलत हैं।

- **आरोप है कि जेडीए ट्रिब्यूनल में मंगल नगर विकास समिति के पूर्व अध्यक्ष राजाराम सिंह ने शिकायत की थी, बाद में नए अध्यक्ष हरिओम चौधरी ने गुपचुप शिकायत वापस लेकर तीनों प्लॉट्स के जेडीए पट्टे लेने का रास्ता खोल दिया**
- **उधर इस पूरे प्रकरण में मंगल नगर विकास समिति के अध्यक्ष हरिओम चौधरी ने राजाराम सिंह और चिमन सिंह द्वारा लगाए गए आरोपों को निराधार बताया है। उनका कहना है कि जेडीए प्रशासन ने प्लॉट नंबर 126, 127 व 128 के पट्टे दिये हैं, लेकिन वे यह नहीं बता पाए कि अगर यह पट्टे सही दिए गए हैं तो फिर कॉलोनी का पार्क कहां गया। जेडीए के नक्शे में इस जमीन को सुविधा क्षेत्र क्यों दर्शाया गया है।**

मंगल नगर विकास समिति के पूर्व उपाध्यक्ष चिमन सिंह ने बताया कि जेडीए व भूमाफियाओं की इस गफलत का हमें पता लगा तो हमने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। फिलहाल इस प्रकरण में स्टे है, लेकिन कॉलोनी के लोगों को अभी भी पार्क की सुविधा नहीं मिल पा रही है। लोगों के सामने घूमने-फिरने की दिक्कत है। सुविधा क्षेत्र 956 वर्गगज जमीन पर भूमाफिया मालिकाना हक जमाए बैठे है, जबकि यह भूमि पार्क की है।

उन्होंने कहा कि कॉलोनी के लोगों ने मामले की शिकायत पुलिस व जेडीए प्रशासन को भी की, लेकिन हमें कहीं से कोई न्याय नहीं मिला। हाईकोर्ट के फैसले पर हमारी उम्मीद टिकी है, अब हमने मजबूरन मीडिया से मदद मांगी है।

उधर इस पूरे प्रकरण में मंगल नगर विकास समिति के अध्यक्ष हरिओम चौधरी ने राजाराम सिंह और चिमन सिंह द्वारा लगाए गए आरोपों को निराधार बताया है। उनका कहना है कि जेडीए प्रशासन ने प्लॉट नंबर 126, 127 व 128 के पट्टे दिये हैं, लेकिन वे यह नहीं बता पाए कि अगर यह पट्टे सही दिए गए हैं तो फिर कॉलोनी का पार्क कहां गया। जेडीए के नक्शे में इस जमीन को सुविधा क्षेत्र क्यों दर्शाया गया है।

परशुराम जयंती की पूर्व संध्या पर नन्हें बच्चों ने दीप जलाये

जयपुर, (का.सं.)। सर्व ब्राह्मण महासभा द्वारा परशुराम जन्मोत्सव पर कल अनेक आयोजन किये जायेगें। मुख्य समारोह में भगवान परशुराम की पूजा अर्चना एंव परशुराम की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा मानसरोवर मैट्रो स्टेशन पिल्लर नं. -1 के पास शर्मा फार्म हाउस पर प्रात: 9 बजे की जायेगी। जिसमें बड़ी संख्या में विप्रजन भाग लेगें।

सर्व ब्राह्मण महासभा के युवा संभाग अध्यक्ष दिनेश शर्मा ने बताया कि आज भगवान परशुराम जन्मोत्सव की पूर्व संध्या पर रेलवे स्टेशन स्थित परशुराम सर्किल पर नन्हें मुन्ने बच्चों ने दीप जलाये और एक दो तीन चार-परशुराम की जय जयकार व भगवान परशुराम के जयकारे लगाते हुए जयघोष किया। प्रदेश संगठन मंत्री श्याम शास्त्री ने बताया कि बच्चो में जन्मोत्सव को लेकर जबरदस्त उत्साह है और हर वर्ष सब बच्चे एकत्रित होकर यहां दीप जलाते है और भगवान के जयकारे लगाते है।

इस अवसर पर आयोजन समिति के नीलम मिश्रा, युवा जयपुर संभाग अध्यक्ष दिनेश शर्मा, प्रदेशाध्यक्ष विधि प्रकोष्ठ कमलेश शर्मा , प्रदेश संगठन मंत्री श्याम शास्त्री, पार्षद मंजू राकेश शर्मा, महेश शर्मा, प्रदेश सचिव हरीश मिश्रा, अरविन्द मिश्रा, ममता पंचौली, पंकज शर्मा सोडाला, संजय शर्मा, सहित सभी पदाधिकारी उपस्थित थे।

सार-समाचार

'स्वस्थ रहने के लिए औषधि जरूरी नहीं'

जयपुर (कासं)। भारतीय वरिष्ठ नागरिक राष्ट्र सुरक्षा संघ के सौजन्य से जनकपुरी सी2बी अगव्राल भवन में "हम बिना औषधि के कैसे स्वस्थ रह सकते हैं" विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें डॉ. बीएस डबास ने बताया कि सब रोगों की जड़ पेट है, यानि कब्ज है तो प्रात: उठते ही 1 से 2 लीटर गर्म पानी पीने से आधे घंटे में पेट साफ हो जाएगा और जब पेट साफ रहेगा तो अन्य रोग भी दूर रहेंगे। सर्वाइकल दर्द 5 मिनट में आराम घुटना दर्द कभी भी खड़े होकर पानी ना पिए, बैठ कर पानी पिए। खड़े होकर आप दूध पी सकते हैं, जिंदगी में घुटने खराब नहीं होंगे। अपने बच्चों को बाल्यकाल से ही भोजन के बाद दांत साफ रखने की आदत डालें तो आपके दांत 100 साल तक भी स्वस्थ रहेंगे, श्वास रोग के लिए भी ईस्ट प्राणायाम करके दिखाया। उन्होंने कहा कि हमारा खानपान शुद्ध और शाकाहारी हो तो रोग नहीं आयेगा। सकारात्मक सोच और रोग के अनुसार परहेज करके स्वस्थ रह सकते हैं। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राजीव मित्तल व हरीश कुमार रहे। इसके अलावा संस्था प्रधान हंसराज, पूर्व एसीपी दिल्ली पुलिस, उपाध्यक्ष महेंद्र पाल, महासचिव अनिल कुमार भंडारी, केंद्र सरकार स्वास्थ्य योजना सेवानिवृत, ओम प्रकाश वर्मा कोषाध्यक्ष एवम संचालक, सलाहकार रुद्र पाल, बृज भूषण, वीरेंद्र, राष्ट्री युवा लोक कल्याण मंच से संदीप शर्मा और उनकी टीम,भारतीय सेना से निवृत सेना अधिकारी मौजूद थे।

कुसुम यादव ने सफाई के निर्देश दिए

जयपुर । ईद के त्योहार को देखते हुए पार्षद कुसुम यादव ने हाजिरी कार्यालय पर मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक स्वास्थ्य निरीक्षक व सफाई कर्मचारियों की मीटिंग ली। ईद के मौके पर पूरे वार्ड ये नालियां व सडक को साफ़ रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ईद के अवसर पर अतिरिक्त संसाधन लगाकर वार्ड में सफाई व्यवस्था समुचित की जाए ताकि सभी लोग स्वच्छ वातावरण में ईद का त्यौहार मना सकें साथ ही क्षेत्र का दौरा कर टूटी सडक और नालियों को ठीक कराने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। इस दौरान पूर्व पार्षद अजय यादव मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक संतोष ढाबोडिया स्वास्थ्य निरीक्षक राजू गोडीवाल हाजी अब्दुल हई पप्पू कुरैशी शफीक भाई उमेश शर्मा विष्णु मीणा मनीष बिवाल मोहम्मद जुनेद सुभाष सेन संपत बिसला सहित समस्त सफाई कर्मचारी उपस्थित रहे।

रेलकर्मियों ने जोरदार प्रदर्शन किया

जयपुर । न्यू पेंशन स्कीम को खत्म कर पुरानी पेंशन योजना बहाली के लिए किए जा रहे हर माह की 21 तारीख के विरोध प्रदर्शनों की कडी में कल एलजेसीए के तत्वावधान में रेलवे कर्मचारियों के लिए न्यू पेंशन योजना को समाप्त कर पुरानी पेंशन योजना लागू करवाने के लिए फुलेरा रेलवे जंक्शन पर एकत्रित होकर रेल कर्मियों ने जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान कर्मचारियों ने पुरानी पेंशन की मांग करते हुए जबरदस्त नारेबाजी की और शक्ति प्रदर्शन दिखाया। रेलवे की दोना मान्यता प्राप्त ट्रेड यूनियंस उत्तर-पश्चिम रेलवे मजदूर संघ, नार्थ वेस्टर्न रेलवे एम्पलाइज यूनियन के सात एससीएसटी एसोसियेशन, ओबीसी एसोसियेशन ने मिलकर संयुक्त रुप से प्रर्दशन किया। विरोद प्रदर्शन के दौरान सैकडों की संख्या में रेल कर्मचारी उपस्थित थे। रेल कर्मियों ने प्रधानमंत्री और वित्तमंत्री के खिलाफ नारेबाजी कर अपना विरोध दर्ज करवाया। इस विरोध प्रदर्शन में शामिल सभी साथियों के नेताओं ने धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि साथियों हमारी पेंशन की लडाई इतनी आसान नहीं है, इसके लिए हम सब को मिलकर संगठित होकर सरकार को जवाब देना है।

संक्षिप्त

दोस्त का गला काटने वाला पकड़ा

जयपुर । ब्रह्मपुरी थाना पुलिस ने धारदार हथियार से गला काट कर हत्या के प्रयास में एक आरोपी को धर-दबोचा है। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर राशि डोगरा डूडी ने बताया कि ब्रह्मपुरी थाना पुलिस ने 16 अप्रैल को तिलक सिंह का धारदार हथियार से गला काट कर हत्या के प्रयास मामले में वांछित आरोपी छोटे सिंह निवासी सम्भल यूपी हाल नाहरगढ्ढ रोड जयपुर को गिरफ्तार किया गया है। आरोपित छोटे सिंह और घायल तिलक सिंह दोनों ही एक साथ सिलाई का काम करते थे और छोटे सिंह की कुछ समय पहले ही सगाई हुई थी। आरोपित को शक था कि घायल तिलक सिंह आरोपी की होने वाली पत्नी से मोबाइल पर बात करता है। इसी कारण से आरोपित उसे मारने की योजना बना रहा था। 16 अप्रैल को आरोपी ने योजना के अनुसार तिलक सिंह को जयगढ टी पॉइंट से आगे नाहरगढ्ढ की तरफ जाने वाले रास्ते में लेकर गया और कपडे काटने वाले धारदार ब्लेड से गला काटा और मरा हुआ समझ कर मौके से फरार हो गया।

व्यापारी के पेनकार्ड नंबर का दुरूपयोग

जयपुर । राजधानी के एस एम एस अस्पताल में थाने में एक व्यापारी के पेनकार्ड नम्बर का दुर्रूपयोग कर करोड़ों का लेनदेन करने का मामला सामने आया है। पीड़ित अशोक खंडेलवाल निवासी किसान मार्ग टोंक रोड जयपुर ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। उसने पुलिस को बताया कि उसके पेनकार्ड नम्बर का मैसर्स अलंकृत लिमिटेड के आलोक कुमार अग्रवाल व उसके पुत्र अंकित अग्रवाल ने गलत तरीके से उपयोग कर चार करोड़ से अधिक की राशि का लेनदेन किया है। इस पर आयकर विभाग की ओर से पीड़ित को कई बार नोटिस देने पर वारदात का खुलासा हुआ। आरोपियों ने पीड़ित के नाम वाले मुम्बई निवासी व्यक्ति का व्यौरा देकर उसके पैनकार्ड नम्बर का गलत उपयोग कर पैसों का लेनदेन किया।

मिनी लो-फ्लोर ने युवक को रौंदा

जयपुर (कासं)। मिनी लो-फ्लोर बस ने शुक्रवार सुबह एक युवक को टक्कर मार दी। हादसे में रोड क्रॉस कर रहे युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान नहीं होने पर शव हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में रखवाया है। पुलिस ने बस को जब्त कर ड्राइवर की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि एक्सीडेंट सुबह करीब 6:15 बजे रामगंज चौपड़ पर हुआ। जयपुर सिटी ट्रांसपोर्ट की मिनी लो-फ्लोर बस रामगंज चौपड़ से जा रही थी। इसी दौरान ओवर-स्पीड बस ने रोड क्रॉस कर रहे युवक को टक्कर मार दी। हादसे के बाद ड्राइवर मौके पर बस छोड़ कर फरार हो गया।

100 से अधिक पर्स-मोबाइल लूटने वाले गिरफ्तार

जयपुर । जवाहर नगर थाना पुलिस और जिला स्पेशल टीम पूर्व (डीएसटी) ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए जयपुर शहर में एक दर्जन चैन तथा 100 से अधिक पर्स व मोबाइल स्नैचिंग की वारदात करने वाले दो हजार रुपये का इनामी चैन स्नैचर सोहेल उर्फ भल्ला व उसका साथी मोईनुद्दीन उर्फ मोनू तथा चोरी की चैन खरीदने वाले शकील उर्फ अशरफ को भी गिरफ्तार किया गया है। आरोपित स्नैचर सोहेल उर्फ भल्ला जिला जयपुर उत्तर के शास्त्री नगर थाने का वांछित अपराधी है। स्नैचिंग की गई चार सोने की चैन व थाना आदर्श नगर से स्नैचिंग का एक मोबाईल सहित घटना में प्रयुक्त थाना नाहरगढ़ से चोरी की गई एक मोटरसाइकिल जब्त की गई है। डीसीपी ज्ञानचन्द यादव ने बताया कि बदमाश सोहेल उर्फ भल्ला खान (25) निवासी मनोहरपुर जयपुर ग्रामीण हाल जेडीए कॉलोनी मीणा पालडी खोह नागोरियान जयपुर,मोइनुदीन उर्फ मोनू (26) निवासी शहीद इन्दा नगर ज्योति नगर भट्टा बस्ती व चोरी की चैन खरीदने वाले मोहम्मद शकील को गिरफ्तार किया।

चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के 25 विद्यार्थियों को प्रमुख बहुराष्ट्रीय कंपनियों में मिली नौकरी

जयपुर । चंडीगढ़ विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश-सह-छात्रवृत्ति परीक्षा, -2023 की घोषणा करने के लिए जयपुर में प्रेस कॉन्फ्रेंस की गई।

जहां चंडीगढ़ विश्वविद्यालय के प्रो-चांसलर डॉ. आर. एस. बावा ने कहा कि अपने उद्देश्य को सार्थक करते हुए बहुत कम समय में चंडीगढ़ विश्वविद्यालय ने उच्च शिक्षा के प्रतिष्ठित संस्थानों में अपना स्थान हासिल किया है। समय के साथ-साथ विश्वविद्यालय सभी क्षेत्रों में उपलब्धियों की नई ऊंचाइयों छू रहा है, चाहे वह शैक्षणिक वितरण हो, अनुसंधान हो या प्लेसमेंट। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने विद्यार्थियों के लिए 60 करोड़ रुपये की छात्रवृत्ति का ऐलान किया।

जयपुर में पत्रकारों को संबोधित करते हुए, प्रो-चांसलर डॉ. आर. एस. बावा ने कहा, चंडीगढ़ विश्वविद्यालय अपने छात्रों के सम्पूर्ण विकास को सुनिश्चित करने के साथ-साथ उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा, मजबूत शोध और

चंडीगढ़ विश्वविद्यालय की ओर से शुक्रवार को प्रेस वार्ता में बहुराष्ट्रीय कंपनियों से प्लेसमेंट लेने वाले छात्रों की जानकारी दी गई।

प्लेसमेंट प्रदान करने पर सर्वाधिक ध्यान केंद्रित करता है।

प्रो-चांसलर डॉ. आर. एस. बावा ने कहा, 2022 के कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव के दौरान, चंडीगढ़ विश्वविद्यालय को 900 से अधिक कंपनियों से 9500 से अधिक नौकरियों के प्रस्ताव मिले हैं। इस वर्ष छात्रों को दिया गया उच्चतम अन्तर्राष्ट्रीय पैकेज 1.07 करोड़ रुपये का था, जबकि राष्ट्रीय प्लेसमेंट के दौरान दिया जाने वाला उच्चतम वेतन पैकेज 52.11 लाख रुपये था। 25 से अधिक कंपनियों ने सीयू के छात्रों को 25 लाख रुपये के वार्षिक पैकेज के साथ नौकरी की पेशकश की, जबकि 400 से अधिक कंपनियों ने 5 लाख रुपये के वार्षिक वेतन पैकेज के साथ नौकरी की पेशकश की। नौकरी की पेशकश के अलावा, कई कंपनियों ने छात्रों को 1 लाख रुपये तक के स्टाइपेंड के साथ मासिक इंटर्नशिप के अवसर की पेशकश भी की है।

राजस्थान के छात्रों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, वर्तमान में, चंडीगढ़ विश्वविद्यालय में राजस्थान के लगभग 2250 छात्र उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं, जिनमें से 650 छात्रों को शीर्ष कंपनियों में नौकरी मिली है। कैंपस प्लेसमेंट के दौरान रखे गए राजस्थान के 650 छात्रों में से 440 छात्र इंजीनियरिंग तथा 140 छात्र एमबीए के हैं। कुल 140 छात्रों को एक से ज्यादा शीर्ष कंपनियों से जॉब ऑफर मिले है। मुझे यह बताते हुए बेहद गर्व महसूस हो रहा है कि राजस्थान में प्लेसमेंट ड्राइव के दौरान रखे गए छात्रों में से 190 लड़कियां हैं। चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी में कुल 332 छात्र मूल रूप से जयपुर के रहने वाले हैं, जिनमें से 25 छात्रों का प्लेसमेंट, प्लेसमेंट ड्राइव के दौरान हो गया है।

कारीगरों के लिए लिविंग ट्रेडिशनल कैलेंडर लॉन्च

जयपुर (कासं)। रघुकुल ट्रस्ट का 'लिविंग ट्रेडिशनल कैलेंडर लॉन्च' कार्यक्रम जयपुर की एक होटल में मुख्य अतिथि राजस्थान लघु उद्योग विकास निगम के चेयरमैन राजीव अरोड़ा ने 132 गणमान्य महिलाओं की मौजूदगी में हुआ। रघुकुल ट्रस्ट की ओर से यह कैलेंडर राजस्थान के आठ शहरों टोंक, कोटा, बाड़मेर, जैसलमेर, मौजमाबाद, जयपुर, सांगानेर व बगरू के थप्पा छपाई के कारीगरों को समर्पित है। हर पेज एक मास्टर कारीगर की फोटो व संपर्क सूत्र के साथ उनकी विशेष कारीगरी को दर्शाता हुआ है। मुंबई में कार्यरत

आईएएस निधि चौधरी ने कहा कि "यह सिलसिला है साड़ी का, भारत की नारी का, जो कल भी भारी थी और आज भी भारी है। पुरूष उसका कल भी आभारी था और आज भी है।" उनकी इस बात से सभी लोग मंत्रमुग्ध हो गए। कार्यक्रम में निधि चौधरी व जय ग्रुप ऑफ होटल्स के एरिया डायरेक्टर अशोक राठौड़ विशिष्ट अतिथि थे। साधना गर्ग ने बताया कि प्रमोटिंग लिविंग का ट्रेडिशन का आयोजन टाटा समूह के फाउंडेशन पाथ्य के तत्वावधान में किया गया। कैलेंडर एक जैविक लिफाफे में बांटा गया, जो कि मिट्टी में दबाने से पौधे में अंकुरित हो जायेगा। कार्यक्रम में पूर्व महापौर ज्योति खंडेलवाल, रूक्ष्मणी कुमारी, अभिनव बंसल, संध्या चटवानी, दुर्वा शर्मा, ऋषि मिगलानी मौजूद थे। भुवनेश कुमार ने सभी का आभार जताया। साधना गर्ग ने कहा कि इस कैलेंडर की डिमांड न्यूयार्क, मुंबई, पुणे व बैंगलोर से आई है, इससे कारीगर-उपभोक्ता सीधे जुड़ सकेंगे।

जयपुर को एक बनाये रखने का संकल्प लिया

जयपुर । 'म्हारो जयपुर-प्यारो जयपुर' अभियान से जुड़े सभी प्रमुख प्रबुद्धजनों ने जयपुर शहर को एक जिला बनाने के अभियान को आगे बढ़ाने का निर्णय किया। जल्द ही प्रतिनिधिमंडल सीएम से मिलकर ज्ञापन सौंपेंगे, जिसमें मांग रखी जायेगी कि जयपुर के दोनों निगमों के 250 वार्डों की सीमाओं को शामिल करते हुए जयपुर शहर को एक जिले के रूप में रहने दिया जाए और बाकी हिस्से को बनाए जाने वाले अन्य जिलों में समाहित कर लिया जाए।

'नाहरगढ़ की वन भूमि पर वाटर ओवर हैड टैंक बनाने में जुटा हुआ है जलदाय विभाग'

डूब क्षेत्र में होने के बावजूद एन.जी.टी. के आदेशों को ताक पर रखकर बनाया प्लान

जयपुर (कासं)। वन विभाग की बिना इजाजत नाहरगढ़ इलाके में जलदाय विभाग ने वाटर ओवर हैड टैंक बनाने के लिए 8 करोड़ 17 लाख का टैंडर निकाल दिया। अब मनोज कुमार जांगिड़ की शिकायत पर अधिवक्ता प्रतीक खंडेलवाल ने जलदाय महकमे के सचिव से लेकर अतिरिक्त मुख्य सचिव, चीफ इंजीनियर और मुस्लिम वक्फ बोर्ड को नोटिस थमाया है। उन्होंने कहा कि अगर विधिक नोटिस का जवाब नहीं दिया गया तो हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की जाएगी।

अधिवक्ता प्रतीक खंडेलवाल ने बताया कि भट्टा बस्ती शास्त्री नगर में वाटर ओवर हैड टैंक बनाने के लिए अक्टूबर-2022 में टैंडर निकाला था। जिसके मुताबिक 2 हजार के.एल. का आर.सी.सी. ओ.एच.एस.आर. बनना था, इसके लिए जलदाय विभाग ने जगह-जगह अनुमति ली लेकिन वन विभाग से कोई परमिशन या एनओसी नहीं ली गई। उल्टा ज्योति नगर स्थित मुस्लिम वक्फ बोर्ड से से एनओसी ली गई है, जिसमें साफ लिखा हुआ है कि अगर किसी भी न्यायालय से कोई स्थगन आदेश पूर्व में पारित है तो यह एनओसी रद्द मानी जायेगी। जबकि इस नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एन.जी.टी.) पूर्व में आदेश दे चुका है कि नाहरगढ़ क्षेत्र की जमीन वन विभाग की है। ताज्जुब की बात है कि जलदाय विभाग ने निर्माण कार्य शुरू करने से पूर्व वक्फ बोर्ड से एनओसी ली, लेकिन उनका इस भूमि पर कोई अधिकार ही नहीं है। खंडेलवाल ने बताया कि नाहरगढ़ वन क्षेत्र इको सेंसिटिव जोन, नाहरगढ़ वाइल्ड लाइफ सैंचुरी के अंतर्गत आता है, यहां पर गैर कानूनी निर्माण पर कड़े प्रतिबंध का आदेश है। नाहरगढ़ पहाड़ी व डूब क्षेत्र में 8 करोड़ की लागत से उच्च जलाशय रोड का निर्माण व पाइप लाइन बिछाने का काम किया जा रहा है। न्यू संजय नगर कच्ची बस्ती, भट्टा बस्ती, शिवाजी नगर व आसपास की सभी कॉलोनी वन विभाग द्वारा संरक्षित है, जो कि नाहरगढ़ नोटिफाइड बाउंड्री में आती है। साथ ही यह क्षेत्र नाहरगढ़ पहाड़ी क्षेत्र का बहाव क्षेत्र व डूब क्षेत्र भी है। ऐसे में यहां उच्च जलाशय का निर्माण नियम विरूद्ध और सरकारी खजाने का दुरूपयोग है।

- **अधिवक्ता प्रतीक खंडेलवाल ने इस प्रकरण को लेकर जलदाय महकमे के सचिव से लेकर अतिरिक्त मुख्य सचिव, चीफ इंजीनियर और मुस्लिम वक्फ बोर्ड को नोटिस थमाया**

International Marconi Day

Amateur radios, point-to-point contacts, high-frequency wave transfers, a mysterious yet attractive prize for the most connected stations.... All of this might just sound like the beginning of a quirky yet adorable movie. But don't be fooled! Named after a scientist who essentially changed the connectedness of the world as we know it, this is an important day that might be new to many but is actually a really fun day to learn about and also to celebrate!

राष्ट्रदूत
SATURDAY
22 April 2023
A-B

#SNAPSHOT

Shooting Spring Flowers

Once you go out there with your camera and really focus on these little flowers, you will suddenly get addicted.

We all love spring. Little flowers pop up everywhere - in your garden, in nature, in parks, next to the roads: basically everywhere. And these flowers are great fun to photograph.

Often, you just overlook those tiny flowers. But if you get up close, suddenly you're in a whole new world. Trust us, people will look weird at you when you're lying down next to the road in the grass with your camera, but that's fine.

Here are a bunch of tips on how to get started photographing spring flowers around you:

Look Around

This may sound super obvious, but as we mentioned before: You often overlook all the little flowers around you. The tiniest little flowers can look the best in your camera. So really take your time and look for those flowers. They're really everywhere. But if you want a quiet environment, just go to a nearby park and look around there.

Choice of Camera and Lens

Ok, nowadays even smartphones can take great close-up photos. If you are going to use your smartphone, we recommend buying "macro adapter." This will allow you to focus up close and you'll be able to take beautiful close-up shots of flowers. Otherwise, we recommend a 'professional' camera with a 'fast lens'. Your best choice will be a dedicated macro lens. Most of the shots in this article were taken with my 90mm f/2.8 macro lens. Or, like with a smartphone, there are 'macro rings' available that let you focus up close with standard lenses.

Get Low

Yes, you will want to be at the same height as the flower. You don't want to be pointing downwards, so you have to get on your knees, or even lower. Bring a blanket so you can be comfortable. The reason why you want to be very low is that you'll then get a lot of depth in your photo. The background will go on in the distance, creating this beautiful blurry effect.

The Background

And this brings us to the next topic: Background. When we are shooting these tiny flowers, the background is one of the most important aspects. You'll want to have a 'clean' background that does not distract from the subject.

You can also play with the background by simply moving your camera a little bit to the left or to the right. The background will then completely change. You can spend a long time photographing just one flower and keep moving your camera just a little bit, just to get that perfect angle.

Right Light and Angle

Even the most 'boring' little flower can really come to life with beautiful light in the background. Try out different little flowers that seem just normal when you look at them. You'll be surprised how beautiful some of these look through your camera. Even simple leaves can look amazing. Yes, this gets addicting.

Get Further, or Super Close

Photograph a flower in its environment. Use layers in the foreground to create depth in your image. This can be grass, a branch, another flower in the foreground, etc. Or do the opposite: Get super close to the flower and focus on its details. This is only possible with a macro lens. Focus on the pistils, or simply the shapes and colours.

Go Out Early Morning

In spring the mornings can be humid. If you go out early morning, you can catch the golden light. But often, the grass and little flowers are covered in little dew drops. This can give an extra magical effect to your photos. If you wanna cheat: you can also bring a little perfume bottle and fill it with water and spray the flowers yourself. This can create a similar effect.

Creative Angles

We mentioned getting low and photographing the flowers from a low angle. This works great. But if you want to get creative, try a top-down view from interesting patterns of flowers. Or reflections in water. You'll get some completely different results, which a great fun to try.

Shoot Handheld

Lots of people will tell you otherwise, but by shooting handheld you'll be able to be very precise in your composition. Also: You'll often be able to shoot from closer to the ground. With a tripod that's difficult. Try to shoot handheld and often almost widen open (lowest f-stop number) to get that super dreamy look.

Coming to India in 1943, he joined the Maratha Light Infantry and was soon engaged on the Eastern Front of World War II, where the British Indian Army was fighting the Japanese. He also served in Italy and Japan. Major Taylor would go looking for old haunts, like the Pande Hut and other 1857 landmarks on the Ridge, since he was a great expert on Indo-British history. His chronicles found a wide readership and he never stopped adding to his memoirs. The Flagstaff Tower, near the old Sabzi Mandi, was his focus of attention one full afternoon. After that it was Kingsway Camp and Kashmere Gate, where he spent a full day looking up Col Skinner's ruined house in Nicholson Road, and the St James Church.

Saga of Olden-day Sahibs

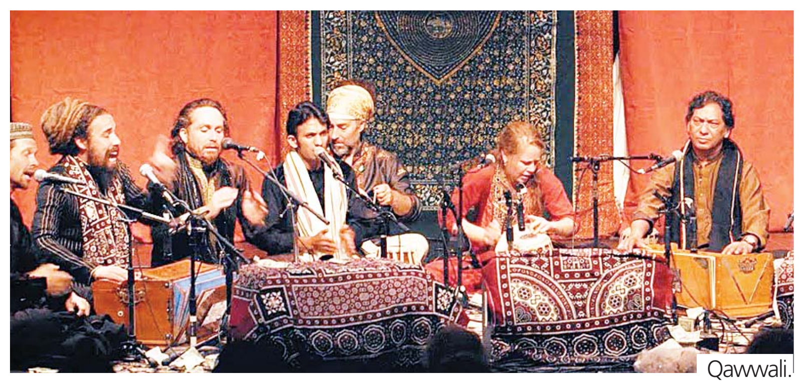

Qawwali.

> "Who wants a wife when one is happy otherwise", remarked Webb with a sigh of relief when someone asked him about it. A contrast to him was Alexander Sahib, who used to come every Sunday to buy mince and groceries, cycling all the way from Saunth-ki-Mandi.

Late RV Smith
Subaltern Historian & Raconteur

#THOSE DAYS

Mr McLeod was an old-world sahib of Delhi and his friend in Agra (where he went every November to build the 'Altar of Repose' for Phoolon-ki-Id) was Mr Webb. The latter fondly called him 'Langra Sahib' because of a permanent limp due to a war-time injury. But like him Mr Webb too was dressed in khaki shorts, half-sleeved shirt and stockings, with a sola-hat on his head. He walked passed Ghattia Azam Khan with a shopping bag on his way to Phulatti Bazar. Mr Webb used to live near the Neharwali kothi, so named because it was built on a stream that was part of the Delhi-Agra Canal. Later he shifted to the vicinity of the YWCA where existed Fantasia, a one-time abode of an Anglo-Indian official and writer J. F. Fanthome.

Emaciated Incarnation

Also cycling down from that area was a moustached Rajput Sardar, shirt tucked into breeches, wearing riding boots and a starched turban with a silver-headed cane under his armpit. Webb was quite fair, though sun-burnt, of medium build with an aquiline nose, light blue eyes and hair parted at the side as per the style of the 1930s. He was a confirmed bachelor and spoke Hindustani with ease. Butcher Barati and his son, Sharfu, were among his admirers, though they confessed that he was an eccentric sahib who frequented the shrine of Shah Abul Ullah on Thursdays after most of the devotees had left. "Kya jalwa tha kal raat ko"! (What an aura there was last night), he would remark. Then would follow a discourse on Sufism.

One day he appeared at the home of the Jacksons, with his brother Sydney who lived in some other town. The purpose was to fix a match for him. Things did not work out and Sydney went back to where he had come from to resume his bachelor existence. "Who wants a wife when one is happy otherwise", remarked Webb with a sigh of relief when someone asked him about it. A contrast to him was Alexander Sahib, who used to come every Sunday to buy mince and groceries, cycling all the way from Saunth-ki-Mandi, near which was the Mental Hospital. He was an incredibly thin man, wearing full-sleeved shirt, broad-bottomed trousers, held apart with clips, a tie with a fancy pin and a small sola-topee to fit his head. Alexander looked like an emaciated incarnation of Sherlock Holmes, a long cigarette stuck between his thin lips.

An Institution In Himself

Then there was Mr Hines tall, fair, slim as a reed and always accompanied on Sunday mornings by his pretty wife and son Kenneth. He had been in the RAF but met with an air accident as a result of which his intestines were so badly damaged that he could hardly eat solids. But the irony was that he was a very good cook and continued to make tasty week-end dishes for his wife, son and their acquaintance, the hunter Cyril Thomas. They used to stay in the old house of the Michaels, the family to which Mrs Hines belonged.

Hines died, Mrs Hines, despite gossip, did not remarry but went away to England with Kenneth. Alexander too passed away but Webb's whereabouts became a mystery. He also must be dead now, unless he survives as a centenarian, still enjoying the Thursday qawwalis and going into mystic raptures. But one misses the man. He was an institution in himself, a link with the past that is hard to break. In this connection one would also like to remember Major PJO Taylor, a handsome octogenarian who died in East Sussex on 27 Feb, 2006.

Coming to India in 1943, he joined the Maratha Light Infantry and was soon engaged on the Eastern Front of World War II, where the British Indian Army was fighting the Japanese. He also served in Italy and Japan. Major Taylor would go looking for old haunts, like the Pande Hut and other 1857 landmarks on the Ridge, since he was a great expert on Indo-British history. His chronicles found a wide readership and he never stopped adding to his memoirs. The Flagstaff Tower, near the old Sabzi Mandi, was his focus of attention one full afternoon.

After that it was Kingsway Camp and Kashmere Gate, where he spent a full day looking up Col Skinner's ruined house in Nicholson Road, and the St James Church. The third day was spent in Delhi Cantonment, where he visited the colonial bungalows and spoke to retired khidmaters, khansamas and gardeners, along of course with old army officers.

Taylor's Sympathies

In Kanpur and Lucknow too the sites excited his interest. He would visit the scenes of 1857 events - the Sati-Chaura ghat, the Residency and the well which carried the controversial inscription: "Sacred to the memory of British officers and men, and a large number of Christian women and children who were massacred here by the orders of one Nana Saheb of Betoor". Taylor's sympathies however were not confined to his own kind.

He was equally agonized by the atrocities perpetrated by the Company Sarkar after the Great Revolt was crushed. He regretted the slaughter of innocent white women and children just as much as he deplored the cruel deaths of Indian men, women (some of them pregnant) and children who were impaled on spears and swords. Taylor would go back to England and follow up his findings with material available in the India British Library, where he used to spend most of his time, and where he found information on such diverse topics as the hanging of the Nawab of Ferozepore, Shamsuddin Khan, for alleged complicity in the murder of William Fraser, the British Resident, in 1835, and Mirza Ghalib's love for gambling and a dark courtesan of Chawri Bazar.

rajeshsharma1049@gmail.com

Hines died, Mrs Hines, despite gossip, did not remarry but went away to England with Kenneth. Alexander too passed away but Webb's whereabouts became a mystery. He also must be dead now, unless he survives as a centenarian, still enjoying the Thursday qawwalis and going into mystic raptures. He was an institution in himself, a link with the past that is hard to break. In this connection one would also like to remember Major PJO Taylor, a handsome octogenarian who died in East Sussex.

Sati-Chaura ghat.

Delhi-Agra Canal.

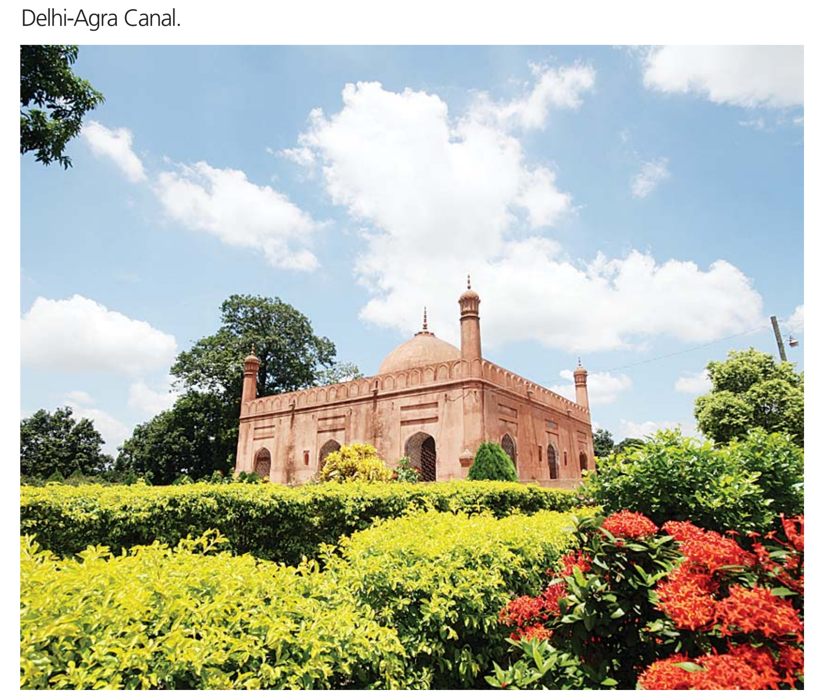

The Shrine of Shah Abul Ullah.

#QUOTES

Celebrate Earth Day

Even small actions can have a big impact on saving the planet.

Earth Day is celebrated annually on April 22nd to emphasise the need to protect the environment. With global warming, pollution, and deforestation on the rise, protecting our environment is more important than ever. Even small actions can have a big impact on saving the planet.

Here are some inspiring Earth Day quotes to motivate you to take action and save the planet this Earth Day and beyond.

"The environment is where we all meet; where we all have a mutual interest; it is the one thing all of us share." - Lady Bird Johnson

The quote by Lady Bird Johnson emphasizes the importance of the environment as a shared resource. In order to keep it healthy for future generations, we must all work together to protect it.

"The greatest threat to our planet is the belief that someone else will save it." - Robert Swan

We all play a role in protecting the planet, as Robert Swan reminds us in this quote. No one is going to take action for us if we don't take action ourselves. Each of us has a responsibility to make a difference.

"We do not inherit the Earth from our ancestors, we borrow it from our children." - Native American Proverb

Our actions have an intergenerational impact. It is our responsibility to protect the Earth and ensure that future generations can live on it in a healthy and sustainable manner.

"The Earth is a fine place and worth fighting for." - Ernest Hemingway

This quote by Ernest Hemingway reminds us of the beauty of the Earth and the importance of protecting it.

"The Earth provides enough to satisfy every man's needs, but not every man's greed." - Mahatma Gandhi

It is important to find a balance between our needs and wants, according to this quote by Mahatma Gandhi. According to him, the Earth can provide for everyone's basic needs, but greed and excess lead to scarcity and inequality. A simple and sustainable lifestyle is what we should all strive for.

#DISCOVERY

The Mysterious Underground City

How a renovation project in Turkey led to the discovery of a lifetime-a lost city that once housed 20,000 people.

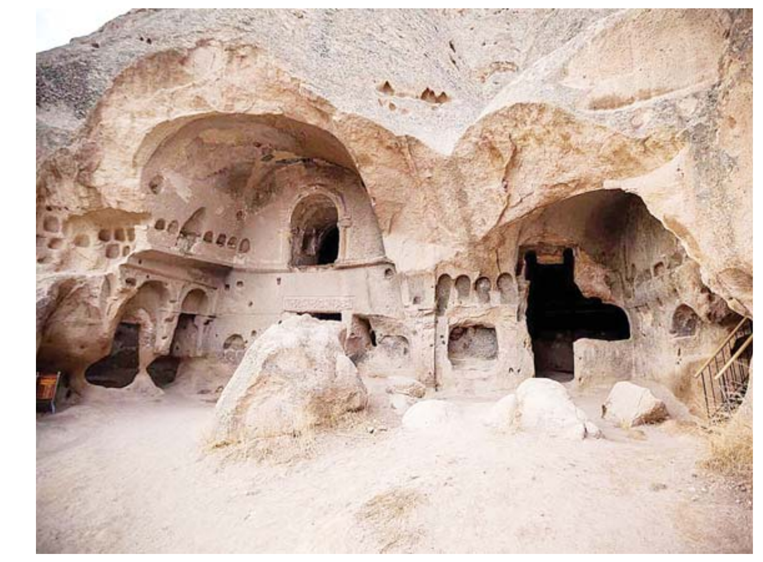

We live cheek by jowl with undiscovered worlds. Sometimes the barriers that separate us are thick, sometimes they're thin, and sometimes they're breached. That's when a wardrobe turns into a portal to Narnia, a rabbit hole leads to Wonderland, and a Raquel Welch poster is all that separates a prison cell from the tunnel to freedom.

A Fateful Swing of the Hammer

Those are all fictional examples. But in 1963, that barrier was breached for real. Taking a sledgehammer to a wall in his basement, a man in the Turkish town of Derinkuyu got more home improvement than he bargained for. Behind the wall, he found a tunnel. And that led to more tunnels, eventually connecting a multitude of halls and chambers. It was a huge underground complex, abandoned by its inhabitants and undiscovered until that fateful swing of the hammer.

The anonymous Turk had found a vast subterranean city, up to 18 stories and 280 feet (76 meters) deep and large enough to house 20,000 people. Who built it, and why? When was it abandoned, and by whom? History and geology provide some answers.

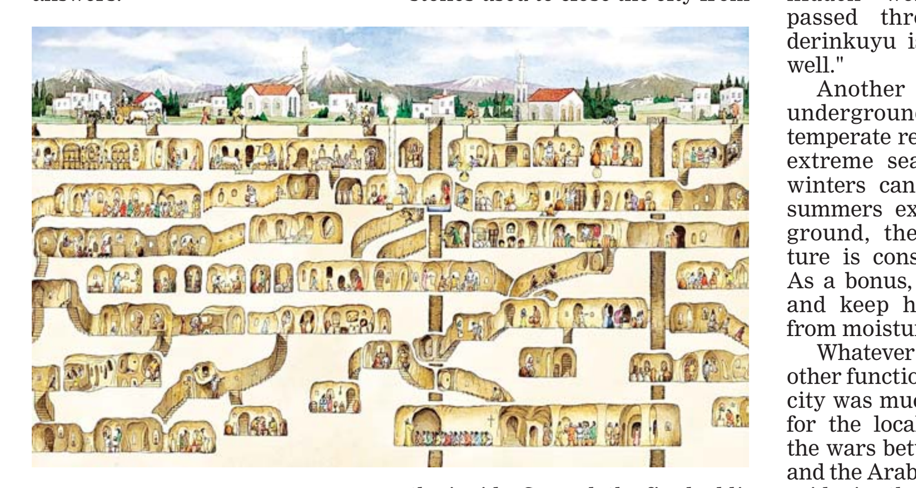

Fantastically Craggy Cappadocia

Geology first. Derinkuyu is located in Cappadocia, a region in the Turkish heartland famed for the fantastic cragginess of its landscape, which is dotted with so-called fairy chimneys. Those tall stone towers are the result of the erosion of a rock type known as tuff. Created out of volcanic ash and covering much of the region, that stone, despite its name, is not so tough.

Taking a cue from the wind and rain, the locals for millennia have dug their own holes in the soft stone for underground dwellings, storage rooms, temples, and refuges. Cappadocia numbers hundreds of subterranean dwellings, with about 40 consisting of at least two levels. None is as large, or by now as famous, as Derinkuyu.

Hittites, Phrygians, or Early Christians?

The historical record has little definitive to say about Derinkuyu's origins. Some archaeologists speculate that the oldest part of the complex could have been dug about 2000 B.C. by the Hittites, the people who dominated the region at that time, or else the Phrygians, around 700 B.C. Others claim that local Christians built the city in the first centuries A.D.

Whoever they were, they had great skill: The soft rock makes tunnelling relatively easy, but cave-ins are a big risk. Hence, there is a need for large support pillars. None of the floors atDerinkuyu have ever collapsed.

Two things about the underground complex are more certain. First, the main purpose of the monumental effort must have been to hide from enemy armies-hence, for example, the rolling stones used to close the city from the inside. Second, the final additions and alterations to the complex, which bear a distinctly Christian imprint, date from the 6th to the 10th century A.D.

Hitting Bottom in the Dungeon

When shut off from the world above, the city was ventilated by a total of more than 15,000 shafts, most about 10 centimetres wide and reaching down into the first and second levels of the city. This ensured sufficient ventilation down to the eighth level.

The upper levels were used as living and sleeping quarters-which makes sense, as they were the best ventilated ones. The lower levels were mainly used for storage, but they also contained a dungeon.

In between were spaces used for all kinds of purposes: There was room for a wine press, domestic animals, a convent, and small churches. The most famous one is the cruciform church on the seventh level.

If Buckets Could Speak

Some shafts went much deeper and doubled as wells. Even as the underground city lay undiscovered, the local Turkish population of Derinkuyu used these to get their water, not knowing the hidden world their buckets passed through. Incidentally, derinkuyu is Turkish for "deep well."

Another theory says the underground city served as a temperate refuge for the region's extreme seasons. Cappadocian winters can get very cold, the summers extremely hot. Below ground, the ambient temperature is constant and moderate. As a bonus, it is easier to store and keep harvest yields away from moisture and thieves.

Whatever the relevance of its other functions, the underground city was much in use as a refuge for the local population during the wars between the Byzantines and the Arabs; during the Mongol raids in the 14th century; and after the region was conquered by the Ottoman Turks.

Leaving the "Soft" Place

A visiting Cambridge linguist visiting the area in the early 20th century attests that the local Greek population still reflexively sought shelter in the underground city when news of massacres elsewhere reached them.

Derinkuyu is now one of Cappadocia's biggest tourist attractions, so it no longer counts as an undiscovered world. But perhaps there's one on the other side of your basement wall. Now, where did you put that sledgehammer?

THE WALL

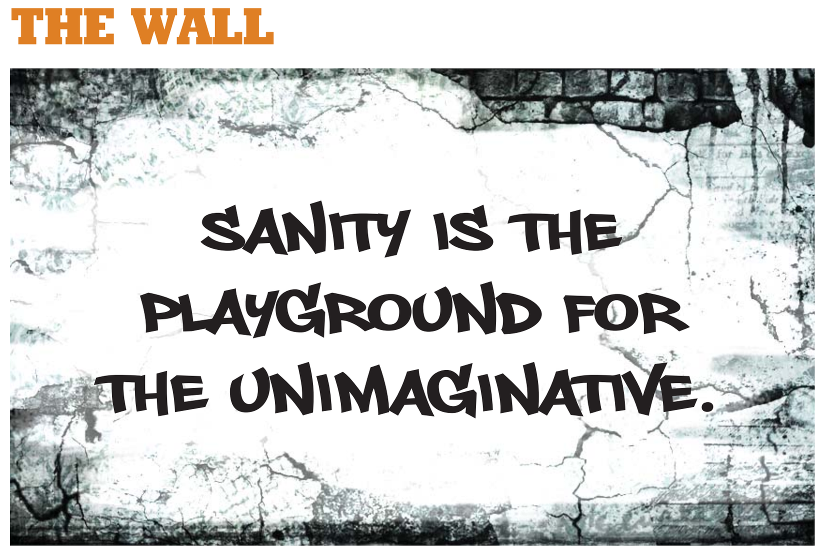

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

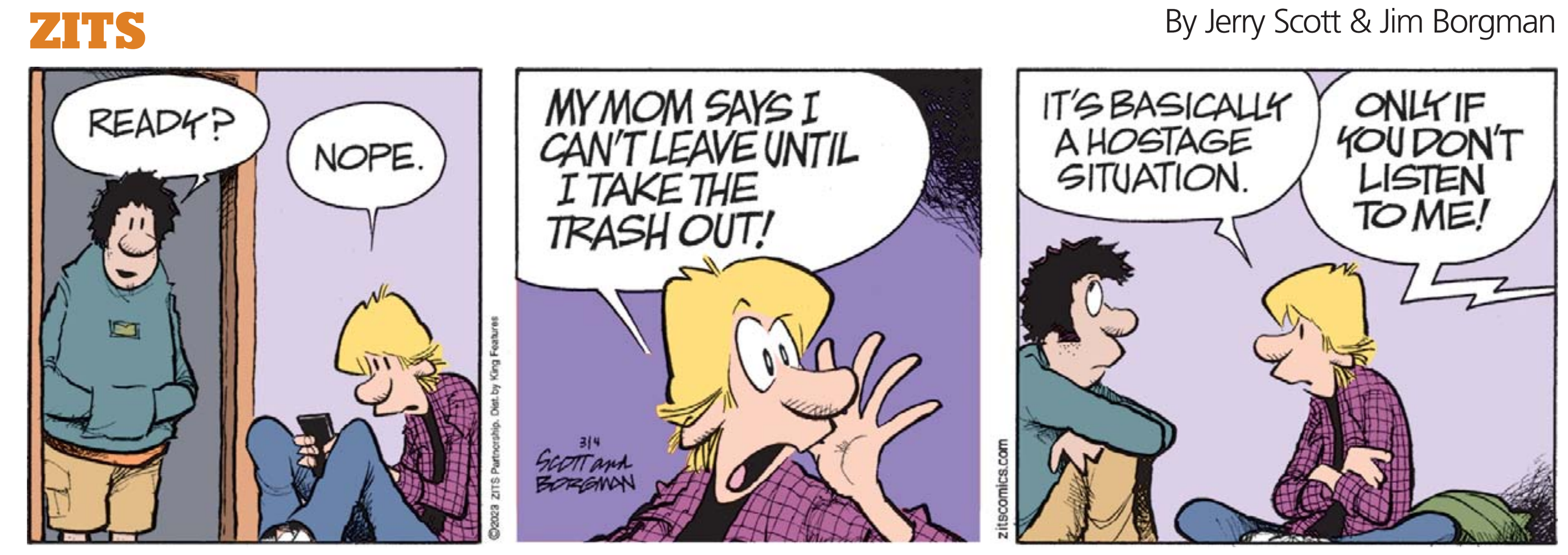

भरतपुर में सैनी, शाक्य कुशवाह, मौर्य समाज के लोगों ने की आरक्षण की मांग

लोगों ने नेशनल हाइवे भरतपुर-जयपुर-बीकानेर के अरौंदा व बेरी के पास जाम लगाया

भरतपुर, (निस)। माली, सैनी, शाक्य कुशवाह, मौर्य समाज के लोगों ने नेशनल हाइवे भरतपुर जयपुर बीकानेर के अरौंदा व बेरी के पास जाम लगा दिया। जाम के चलते दोनों तरफ वाहनों की लम्बी लम्बी कतारे लग गई। माली, सैनी, शाक्य, कुशवाह, मौर्य समाज के प्रतिनिधि मुरारी लाल सैनी सहित अन्य लोगों की रिहाई व 12 प्रतिशत आरक्षण की मांग कर रहे हैं।

प्रशासन के द्वारा माली, सैनी, शाक्य, कुशवाह, मौर्य समाज के एक गुट को सरकार से वार्ता के लिए तैयार करने में सफलता हासिल कर ली। लेकिन माली सैनी शाक्य कुशवाह मौर्य समाज का एक गुट वार्ता के स्थल को लेकर तैयार नहीं था। जहां एक माली सैनी शाक्य कुशवाह मौर्य समाज का एक प्रतिनिधिमंडल सरकार से वार्ता के लिए तैयार हो गया और जयपुर चला गया। वहीं दूसरे ग्रुप के नेता नहीं माने। जिस पर पुलिस प्रशासन ने 6 हिरासत में ले लिया। जिसकी खबर सुबह लोगों को लगी। जिसके बाद दोपहर को कई क्षेत्रों में नेशनल हाइवे जाम के लिए माली सैनी शाक्य कुशवाह मौर्य समाज के लोग एकत्रित हुए। सरकार के खिलाफ जब सैनी समाज के लोग वैर हलेना सड़क मार्ग पर गांव गोविंदपुरा रमाशपुर के पास इक्ठठा हुए और अपनी ओर से विरोध प्रकट करने के साथ ही इस मार्ग को अवरूद्ध करने की सूचना पर पुलिस प्रशासनिक के अधिकारी मौके पर गए।

पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों की ओर से सैनी शाक्य कुशवाहा समाज के भारी संख्या में आए। महिला पुरुष नवयुवकों को काफी समझाइश की कोशिश की लेकिन सैनी समाज के लोग नही माने और उग्र रूप से आंदोलन करने लगे। तब हालत पर काबू पाने के लिए ऐसी स्थिति में पुलिस के अधिकारियों के निर्देश पर मौजूद पुलिस कर्मियों ने आंसू गैस के कई चक्र गोले दागे और गोविंद पूरा रमासपुर सड़क मार्ग से सैनी समाज के लोगो को खदेड़ा। पुलिस की ओर से आंसू गैस के गोले जैसे ही पुलिस ने दागे भीड़ में भग धड़ मच गई। पुलिस की और से दागे गए गोले से लोग तितर बितर हो गए। समाज के आंदोलनकारियों ने एनएच 21 आगरा जयपुर बीकानेर हाईवे को भरतपुर जिले के आरोदा बैरी के पास करीब शाम 7.30 बजे जाम कर दिया। हिरासत में लिए गए आंदोलनकारियों की रिहाई के नारे लगाते हुए 12 प्रतिषत आरक्षण, लव-कुश कल्याण बोर्ड, लव-कुश छात्रावास सहित अन्य मांगों को लेकर कुशवाहा, सैनी समाज के लोगों ने रास्ते को जाम कर दिया।

मांगों को लेकर राजस्व कर्मियों का धरना-प्रदर्शन जारी

मांगों को लेकर राजस्व कर्मियों ने वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुए प्रदर्शन किया

राजस्व कर्मचारियों ने मांगों को लेकर उपखंड व तहसील स्तर पर धरना प्रदर्शन कर नारेबाजी की।

झुंझुनूं, (निसं)। राजस्व कार्मिक पटवारी से लेकर तहसीलदार तक सभी ने शुक्रवार को दूसरे दिन भी उपखंड स्तर पर सरकार के खिलाफ वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुए धरना- प्रदर्शन जारी रखा। पटवार संघ के जिला अध्यक्ष होशियार सिंह खीचड ने जानकारी देते हुए बताया की राज्य सरकार के साथ 3 सितंबर 2021 और 4 अक्टूबर 2021 को लगातार दो समझौते हो चुके हैं लेकिन अभी तक राज्य सरकार जो अपने आप को संवेदनशील पारदर्शी व जवाबदेही होने का दावा करती है उन्होंने अभी तक राजस्व कर्मियों के साथ हुए समझौते को लागू नहीं किया है। राजस्व कर्मियों की प्रमुख मांगों में नायब तहसीलदार के पदों को 100 प्रतिशत प्रमोशन से भरा जाना तथा तहसीलदार के पदों को 5० प्रतिशत प्रमोशन और 5 प्रतिशत सीधी भर्ती से भरा जाना साथ ही पटवारी के पद को तकनीकी घोषित करते हुए ग्रेड पे 2800 दिया जाना वरिष्ठ पटवारी के पद को समाप्त करना शामिल है।

- **प्रमुख मांगों में नायब तहसीलदार के पदों को 100 प्रतिशत प्रमोशन से भरा जाना आदि है**

आंदोलन शुरू रखते हुए पटवार संघ के जिला अध्यक्ष होशियार सिंह खींचड ने बताया कि 24 अप्रेल से सरकार महंगाई राहत शिविर प्रशासन गांवो और शहरों के संग का बहिष्कार के साथ.साथ संपूर्ण कार्य का बहिष्कार किया जाएगा जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी राज्य सरकार की होगी।

सूरजगढ़ में अतिक्रमण पर चला पीला पंजा

सूरजगढ़ में नगर पालिका के अतिक्रमण रोधी दस्ते ने कब्जे हटाये।

सूरजगढ़, (निसं)। कस्बे में नगर पालिका द्वारा शुक्रवार को अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू की गई। नगरपालिका ईओ स्वाति झा के नेतृत्व में अतिक्रमण रोधी दस्ता बुहाना-चिडावा मार्ग पर पहुंचा और पूर्व में चयनित किए गए अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई को शुरू किया। कार्रवाई को लेकर कुछ लोगों ने हल्का विरोध किया। मगर नगर पालिका ईओ ने कहा कि पूर्व में सभी अतिक्रमियों को नोटिस जारी किए गए थे और उन्हें समय दिया गया था। इसके बाद जेसीबी मशीनों का पीला पंजा अतिक्रमण पर चला और एक के बाद एक अतिक्रमण धराशाही होते गए। मौके पर पुलिस का भारी जाब्ता भी तैनात किया गया। नगर पालिका ईओ ने बताया कि सडक के दोनों ओर 30-30 फिट अतिक्रमण को पूर्व में चिह्नित कर सभी अतिक्रमियों को नोटिस दिए गए थे। उसके बाद अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू की गई है। एक.दो दिन में बुहाना-चिडावा मार्ग पर सभी अतिक्रमण हटा दिए जाएंगे। इधर अतिक्रमण की कार्रवाई के दौरान देखा गया कि कई चेहरे मुरझाए हुए थे। वहीं दूसरी ओर पीछे के मकान मालिकों के चेहरों पर खिलखिलाहट देखी गई।

एबीवीपी कार्यकर्ताओं को खदेड़ा

अजमेर, (निसं)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को पुलिस ने प्रदर्शन के दौरान खदेड़ दिया। इन्होंने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को काले झंडे दिखाकर और विरोध प्रदर्शन की योजना बनाई थी, लेकिन सीएम गहलोत के कार्यक्रम में पहुंचे से पहले ही पुलिस ने समारोह स्थल से एबीवीपी के कार्यकर्ताओं को दबोच कर पुलिस वाहन में बैठा लेकर दूर लेकर छोड़ दिया। एबीवीपी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता पेपरलीक और रोजगार के नाम पर युवाओं के साथ खिलवाड़ करने को लेकर विरोध कर रहे थे। एबीवीपी के पदाधिकारी आसुराम, विकास, उदय, महिपाल, बंटी गुर्जर, अस्तित्व, आकाश, रवि, संकादिक, अमृत, प्रवीण, लक्ष्य सहित कार्यकर्ताओं को पुलिस पकड़ कर ले गई।

धोखाधड़ी का मामला दर्ज

छबड़ा, (निसं)। पालिका प्रशासन द्वारा 20 वर्ष पूर्व प्रोपर्टी डीलर की चार बीघा भूमि पर इंदिरा कॉलोनी बसा दी। प्रोपर्टी डीलर को समझौते के तहत मिलने वाली प्रस्तावित भूमि पर उपखंड प्रशासन ने एक बीघा भूमि प्राथमिक विद्यालय को आवंटित कर दखलनामा दे दिया। प्रोपर्टी डीलर ने फर्जी व कूटरचित दस्तावेज के आधार पर विद्यालय को भूमि आवंटित कराने का आरोप लगाते हुए तत्कालीन ब्लॉक शिक्षा अधिकारी व पटवारी के विरूद्ध धोखाधड़ी का मामला दर्ज कराया हैं।

सीआई छुट्टनलाल मीणा के अनुसार रिजवान एजाजी द्वारा दर्ज कराई गई रिपोर्ट में बताया कि उसके खातेदारी में खसरा नंबर 619 व 620 की कुल 47 बीघा 10 बिस्वा भूमि स्थित हैं। छबड़ा नगर पालिका ने वर्ष 2001 में पैमाईश करवाकर मेरे खाते की 4 बीघा भूमि पर इंदिरा कॉलोनी बनाकर कई लोगों को आवासीय भूखंडो का आवंटन कर दिया और स्वायत्त शासन विभाग द्वारा गठित समझौता समिति के माध्यम से उक्त भूमि को खसरा नंबर 156 में समायोजित कर दिया गया।

खातेदार रिजवान एजाजी ने आरोप लगाया कि पालिका व मेरे मध्य चल रहे विवाद का फायदा उठाते हुए तत्कालीन ब्लॉक शिक्षा अधिकारी दिनेश भार्गव व पटवारी मदनगोपाल शर्मा ने 4 नवंबर 2004 को फर्जी व कूटरचित दस्तावेज तैयार कर षड्यंत्रपूर्वक एक बीघा भूमि प्राथमिक विद्यालय को आवंटित कर कब्जा व दखलनामा प्राप्त कर लिया। जिसकी सूचना न तो मुझ खातेदार को दी गई और न ही आपत्तियां मांगी गई। इस प्रकार तत्कालीन शिक्षा अधिकारी व पटवारी ने उसकी भूमि पर कब्जा करने का प्रयास किया हैं। पुलिस ने कूटरचित दस्तावेज तैयार करने के मामले में दोनों कार्मिकों के विरूद्ध प्रकरण दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी हैं।

सीबीईओ दिनेश भार्गव ने बताया कि खसरा नंबर 156 में 26-27 बीघा सरकारी भूमि स्थित हैं। सरकारी प्राथमिक विद्यालय के लिए एक बीघा भूमि का आवंटन प्रशासन शहरों के संग अभियान के तहत तहसीलदार द्वारा प्रस्तावित प्रस्ताव के आधार पर तत्कालीन उपखंड अधिकारी केके पाठक द्वारा किया गया था। उपखंड अधिकारी के आदेश की पालना में तहसील प्रशासन ने कब्जा दिया था। भूमि बेशकीमती हो जाने के चलते प्रोपर्टी डीलर उक्त भूमि पर आए-दिन कब्जा करने का प्रयास करता रहता हैं।

ईओ महेंद्रसिंह चारण ने बताया कि रिजवान एजाजी व पालिका के मध्य प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन हैं। अब तक किसी भी समझौते के तहत खसरा नंबर 156 की कोई भी भूमि रिजवान एजाजी को आवंटित नही की गई हैं। डीएलबी द्वारा भी पूर्व में किए गए समझौते को निरस्त किया जा चुका हैं। एजाजी द्वारा खसरा नंबर 156 में अवैध रूप से एजाज नगर कॉलोनी बनाकर भूखंडो का बैचान कर मकानो का निर्माण करा दिया गया हैं। पूर्व के अधिकारियों की लापरवाही के चलते अब तक कोई कार्रवाई नही की जा सकी हैं।

डोडा-पोस्त के साथ दो गिरफ्तार

हनुमानगढ़, (निसं)। सदर थाना पुलिस ने 2 डोडा पोस्त तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने कार से एक क्विंटल डोडा-पोस्त बरामद किया है। कार्रवाई जिला विशेष दल के सहयोग से रोही उत्तमसिंहवाला में गश्त के दौरान की गई। पुलिस एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच में जुट गई है। सदर थाना प्रभारी लखबीर सिंह गिल ने बताया कि पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि कार में 2 लोग पोस्त की तस्करी कर रहे हैं।

सूचना पर सदर पुलिस थाना प्रभारी एसआई लखवीर सिंह गिल टीम के साथ रोही उत्तमसिंहवाला में यूटीएस नहर के पास पहुंचे और कार को रूकवाकर उसकी तलाशी ली। तलाशी के दौरान कार में प्लास्टिक के 5 कट्टे रखे हुए मिले। प्रत्येक कट्टे में बीस किलो डोडा पोस्त भरा हुआ था। पुलिस ने पांचों कट्टों में भरा कुल एक क्विंटल पोस्त बरामद कर कार सवार गगनदीप उर्फ गग्गू पुत्र कौरसिंह निवासी वार्ड 10 उत्तमसिंहवाला और मांगीलाल पुत्र धर्मपाल जिनागल निवासी वार्ड 11 उत्तमसिंहवाला को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही कार जब्त की। एनडीपीएस एक्ट के तहत दर्ज मुकदमे की जांच टाउन पुलिस थाना प्रभारी दिनेश सारण कर रहे हैं। इस कार्रवाई में डीएसटी की विशेष भूमिका रही। पुलिस के अनुसार आरोपी गगनदीप सिंह उर्फ गग्गू का आपराधिक रिकॉर्ड सामने आया है। उसके खिलाफ पहले भी एनडीपीएस एक्ट का मामला दर्ज है।

बी.पी.एल. परिवार के लोगों ने धरना शुरू किया

- **माली समाज से बहिष्कृत बीपीएल परिवार के लोगों ने आत्मदाह करने का सौंपा ज्ञापन**

पोकरण, (निसं)। माली समाज पोकरण से सामाजिक बहिष्कृत बीपीएल परिवार के भगवानाराम के नेतृत्व में परिवार के लोगों द्वारा न्याय के अभाव में शनिवार को अंबेडकर सर्कल पर आत्मदाह को लेकर राज्यपाल व मुख्यमंत्री के नाम उपखंड अधिकारी प्रभोजीत गिल को ज्ञापन सौंपकर उपखंड कार्यालय के आगे धरना शुरू किया।

ज्ञापन में बताया कि माली समाज से सामाजिक बहिष्कृत बीपीएल परिवार को पंचों द्वारा स्वर्गीय किरपाराम माली के पूरे परिवार को समाज से बहिष्कृत कर परिवार के लोगों का मान-सम्मान इज्जत सामाजिक कार्यक्रमों से बाहर रखना धार्मिक मंदिर में पूजा अर्चना से वंचित रखना रिश्तेदारी बहन बेटी से मिलने नहीं देना उन्हें घर पर आने से रोकना रिश्तेदारों के विवाह समारोह में जाने से रोकना बच्चियों की शादी नहीं होने देना गरिमा पूर्ण जीवन ने एवं मौलिक अधिकारों से वंचित कर बार-बार पंचों के फरमानों को स्वीकार करने की धमकी दे रहे हैं। वहीं खेती की फसल जलाने नौकरी कर रहे बच्चों को झूठे मुकदमों में फंसाने का दबाव दिया जा रहा है। ज्ञापन में बताया गया कि पूर्व में 19 अप्रैल को सबूतों सहित लिखित में प्रार्थना पत्र देकर थाने में पंच एवं सहायक पंचों के नाम मुकदमा दर्ज करने की मांग रखी गई थी। पुलिस के उच्च अधिकारियों के निर्देशों पर मुकदमा दर्ज होने के बाद पंचायत एवं पंचों के परिवारों द्वारा जान से मारने की धमकी दी जा रही है एवं मुकदमे वापस लेने का दबाव बनाया जा रहा है। पूरा परिवार दहशत में जी रहा है। माली समाज से बहिष्कृत भगवानाराम माली बीपीएल परिवार द्वारा ज्ञापन में बताया गया कि न्याय के अभाव में सामाजिक बहिष्कृत बीपीएल परिवार द्वारा शनिवार को धरना जारी रखते हुए बाबासाहेब आंबेडकर की मूर्ति के आगे सामूहिक आत्मदाह करने को मजबूर होना पड़ेगा। ज्ञापन देने वालों में भगवानाराम लक्ष्मण राम, लूणाराम, मांगी सहित कई महिलाएं व बच्चे धरना स्थल पर बैठे।

वहीं सूत्रों के अनुसार माली समाज के पंच एवं सहायक पंचों के नाम विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। जांच अनुसंधान जारी है। वहीं पुख्ता सबूतों के अनुसार ज्ञापन में बताया गया है कि खेती की जमीन पर उपजे जलाने एवं सरकारी नौकरी कर रहे परिवारजनों पर दबाव बनाने एवं पूर्व में भी उपखंड कार्यालय में भगवानाराम बीपीएल परिवार जनों का भूमि तरबिन विवाद को लेकर मामले का फैसला हो चुका है।

अवैध खनन के खिलाफ कार्रवाई

जोधपुर, (कासं)। कमिश्नरेट पुलिस की तरफ से रात्रिकालीन गश्त में भगत की कोठी पुलिस थाना क्षेत्र के पाली रोड पर अवैध बजरी से भरे डंपर और उसके एस्कार्ट कर रही एक बोलेरो को पुलिस ने पकड़ा है। डंपर मालिक और चालक के साथ बोलेरो में सवार को शांतिभंग में हिरासत में लिया गया है। घटना के संबंध में अब खनिज विभाग को सूचना दी गई है। अग्रिम कार्रवाई खनिज विभाग की तरफ से की जाएगी। एसीपी पश्चिम चक्रवर्ती सिंह ने बताया कि रात्रिकालीन गश्त के समय भगत की कोठी पुलिस थाने के एएसआई हनुवंतसिंह ने मय जाब्ता नाकाबंदी कर रखी थी। इसी दौरान एक बजरी डंपर को निकलते दिखाई दिया इस पर पुलिस ने पीछा किया। भागने का प्रयास करते डंपर चालक को पकड़ लिया। पुलिस ने पूछताछ की तो पता लगा कि बजरी अवैध रूप से लादी गई थी। इसके पीछे ही एक बोलेरो में सवार व्यक्ति आ गया जो कि डंपर को एस्कार्ट कर रहा था।

एसीपी राठौड़ ने बताया कि दोनों गाडिय़ों को सीज की कार्रवाई किए जाने के साथ ही कापरड़ा ढाकों की ढाणी निवासी राजेंद्र कुमार पुत्र खानूराम, करणीनगर भगत की कोठी निवासी प्रेमाराम पुत्र मेकाराम विश्नोई एवं एयरपोर्ट थानान्तर्गत कन्हैया नगर निवासी रणजीत भूरिया पुत्र सुल्तान जाट को पकड़ा गया है। पुलिस ने इन तीनों को शांति भंग के आरोप में पकड़ा है।अवैध बजरी को लेकर अब खनिज विभाग टीम को सूचना दी है।

'किसानों को फूड प्रोसेसिंग की उपयोगिता समझाने की जरूरत'

- **केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री ने मिलेट्स पर आयोजित मेले में दिया संबोधन**

जोधपुर, (कासं)। केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने किसानों का आव्हान किया कि वे समय की जरूरत को ध्यान में रखते हुए फूड प्रोसेसिंग की उपयोगिता समझें और कृषि में आए वैश्विक बदलावों के अनुरूप स्वयं को तैयार कर उद्योगपति बनें। शेखावत शुक्रवार को काजरी की ओर से आयोजित मिलेट्स (श्री अन्न) पर आधारित किसान मेले और प्रदर्शनी को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि एक समय था, जब हमारे पास पूरे देशवासियों को खिलाने लायक अनाज भी पैदा नहीं होता था। हमारे तत्कालीन प्रधानमंत्री को अनाज की कमी की समस्या को देखते हुए देशवासियों से एक दिन का व्रत रखने का आव्हान करना पड़ा, लेकिन आज स्थितियां बदल गई हैं। हम दुनिया में सबसे ज्यादा खाद्यान्न उत्पन्न करने वाले, सबसे ज्यादा मिलेट्स और सबसे ज्यादा पल्स उत्पादक देश हैं।

शेखावत ने कहा कि खाद्यान्न की समस्या समाधान के लिए वैज्ञानिकों ने हरित क्रांति अभियान चलाया। देश को खाद्यान्न से समृद्ध करने का जो रोडमैप बनाया गया, उसमें गेहूं प्रधान था। इसका पहला दुष्प्रभाव तो यह हुआ कि पहले जहां बाजरे की रोटी बनती थी, वहां गेहूं की रोटियां बनने लगीं। दूसरा, लगातार गेहूं खाने से डायबिटिज जैसे रोगों ने भारत को घेर लिया। आज भारत को डाइबिटिज की कैपिटल कहा जाता है। इसके पीछे भी अन्न को खाने की थाली से दूर करना ही है।

शेखावत ने कहा कि पूरी दुनिया में लोगों का फूड पैटर्न बदल रहा है। खान-पान और रहन-सहन बदल रहा है। भारत और उसके पड़ोसी देशों में खाना गरम बनाकर खाने की परम्परा है, लेकिन अन्य देशों में रेडी टू फूड की परम्परा है, जिसमें पहले से तैयार भोजन को गरम करके खाया जाता है। भोजन एक उद्योग का रूप ले चुका, लेकिन अब भारत में भी यह परम्परा तेजी से बदल रही है। भोजन का औद्योगिकीकरण हो रहा है। किसान के बेटे को उद्योगपति बना सकते हैं। इसके लिए श्री अन्न को पौष्टिकता से भरपूर रेडी टू ईट बनाने के प्रयास करने होंगे। खाद्य प्रसंस्करण मंत्रालय ने कई योजनाएं चलाई है। उन्होंने कहा कि सरकार इसमें सपोर्ट कर रही है, लेकिन हमें इससे भी आगे बढ़कर सोचना है। केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल और कृषि राज्यमंत्री कैलाश चौधरी ने बाजरे से निर्मित उत्पाद जैसे बाजरे के बिस्किट, नमकीन, कुरकुरे, चॉकलेट, बाजरे से निर्मित केक-मिठाई, बाजरे की लस्सी और राबड़ी का स्वाद चखा।

तहसीलदार को किया निलम्बित

जालोर, (कासं)। जालोर कलैक्ट्रेट के निकट शिव सेना की ओर से भाद्राजून तहसीलदार द्वारा गलत रूप से म्यूटेशन भरने पर बार-बार ज्ञापन देने के बाद तहसीलदार को राजस्व मंडल ने निलम्बित कर दिया। वहीं भाद्राजून के पीड़ित परिवार ने म्यूटेशन खारिज करने व दोषियो के खिलाफ कार्यवाही नही होने तक धरना प्रदर्शन जारी रखने का निर्णय लिया गया। शुक्रवार को जिला कलैक्टर को भाद्राजून गांव के पीड़ित परिवारों ने ज्ञापन सौंपकर बताया कि भाद्राजून में भूमि हीन भगवानदास के नाम से गलत आवंटन भूमि को लेकर सहायक कलैक्टर जालोर व अपील अधिकारी पाली ने भगवान दास के वादो को खारिज कर दिया। जिसके विरूद्व भगवानदास द्वारा राजस्व मण्डल अजमेर में अपील की। वहां गलत तरीके से आदेश पारित किया गया। अजमेर के निर्णय के विरूद्व हाई कोर्ट में सिविल रिट पीटिशन प्रस्तुत की। भाद्राजून के गैर मुमकिन लाटा पर कई वर्षो से काश्तकार रहवास करते आ रहे हैं। वर्तमान में उक्त भूमि की कीमत बढने पर भू माफिया व अन्य लोगों की नियत पड गई। जिसके चलते हाईकोर्ट में सरकार द्वारा सही ढंग से पैरवी नही करने से गलत आदेश पारित करवा कर सदियो से बैठे काश्तकारों के आशियाने ध्वस्त कर दिये। वही भाद्राजून तहसीलदार ने भू माफियाओं को फायदा देने के लिए आनन फानन में म्यूटेशन भर दिया।

32 लाख रुपए के 105 मोबाइल बरामद किये

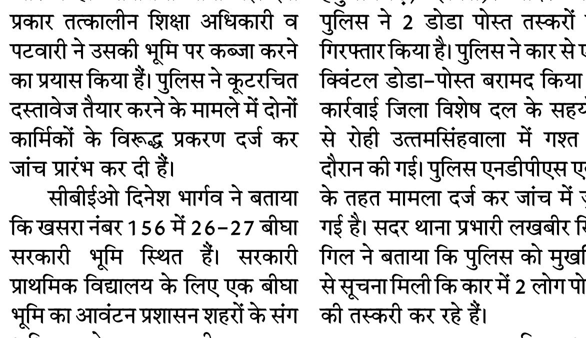

सभी मालिकों को थाने बुलाकर मोबाइल लौटाए।

अलवर, (निसं)। भिवाड़ी पुलिस के द्वारा चलाए गए विशेष अभियान 'मेरी पुलिस मेरा अभिमान' के तहत साइबर सेल ने बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 32 लाख रुपए के 105 अलग-अलग तरह के मोबाइल बरामद किए हैं। इस पूरी कार्रवाई में भिवाडी के साइबर सेल इंचार्ज सचिन शर्मा का अहम रोल रहा।

मामले का खुलासा करते हुए एसपी अनिल कुमार बेनीवाल ने बताया कि अनेक लोगों के द्वारा मोबाइल गुम होने की लगातार सूचनाएं मिल रही थी। जिसमें से कुछ की तो ऑनलाइन पोर्टल पर रिपोर्ट दर्ज की गई थी और कुछ परिवादियों ने थाने में आकर मोबाइल गुम होने की शिकायत दी थी, लंबे समय से मिल रही इन शिकायतों पर एसपी के निर्देशन में साइबर सेल इंचार्ज सचिन शर्मा ने अभियान के तहत सर्चिंग की कार्रवाई शुरू की। जिसके तहत मोबाइल सेवा प्रदान कर रही कंपनियों से तकनीकी सूचना ली गई। जिसके आधार पर दिल्ली, हरियाणा, यूपी, राजस्थान सहित अनेक राज्यों के लोगों के गुम हुए 105 मोबाइल ट्रेस किए गए, जिनकी कीमत करीब 32 लाख रुपए आंकी गई है। शुक्रवार को ट्रेस किए गए सभी 105 मोबाइल के मालिकों को एसपी कार्यालय में बुलाया गया और सभी के उचित दस्तावेज लेकर फोन मालिकों को उनके फोन सुपुर्द किए गए। एसपी अनिल कुमार बेनीवाल ने बताया कि इससे पहले भी अभियान के तहत 80 मोबाइल बरामद किए गए हैं।

मेगा जॉब फेयर आयोजित

अजमेर, (कासं)। अजमेर में शुक्रवार को मेगा जॉब फेयर आयोजित हुआ। मेगा जॉब कार्यक्रम में महिला को आर्थिक सहायता राशि का चेक सौंपे। इस दौरान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि युवाओं के लिए रोजगार के सृजन में राजस्थान अग्रणी राज्य बनकर उभरा है।

सीएम गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा लगभग डेढ़ लाख सरकारी नौकरियां दी जा चुकी है, लगभग इतनी ही प्रक्रियाधीन है। साथ ही, एक लाख नई सरकारी भर्तियों की घोषणा बजट में की गई है। राजस्थान लोक सेवा आयोग के सदस्य बाबूलाल कटारा की गिरफ्तार पर पूछे गए सवाल के जवाब में सीएम अशोक गहलोत ने कहा कि भ्रष्टाचारियों के खिलाफ प्रदेश की एजेंसियां अपना काम कर रही है, किसी भी भ्रष्टाचारी को बख्शा नहीं जाएगा।

मंत्री अशोक चांदना ने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत युवा शक्ति जो आपके सामने बैठी है, इस युवा शक्ति की ओर से मैं आपको धन्यवाद ज्ञापित करता हूं। युवाओं के जीवन में बहुत बड़ा हिस्सा शिक्षा और टेक्निकल डिग्री ग्रहण करने में चला जाता है और उसके बाद में यदि कोई भाई और बहन बेरोजगार रह जाए तो वहीं शिक्षा उनके लिए श्राप बन जाती है। यदि बेरोजगार आज की तारीख में देश में रह जाए तो यह बहुत बड़ा श्राप है।

दंडवत यात्रा कर सी.एम. से सुजला जिला बनाने की मांग

कांग्रेस नेता विद्याप्रकाश बागरेचा ने प्रण किया कि जब तक जिला नहीं बनेगा तब तक वे पैरों में जूते चंपल नहीं पहनेंगे

दंडवत यात्रा करते कांग्रेस नेता विद्याप्रकाश बागरेचा।

सुजानगढ़, (निसं)। कांग्रेस नेता विद्याप्रकाश बागरेचा ने सुजला जिला बनाने की मांग को लेकर पेट के बल यात्रा की। बागरेचा शास्त्री प्याऊ पर पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की प्रतिमा को नमन करते हुए दंडवत रवाना हुए जो घंटाघर होते हुए गांधी चौक पहुंचे। जिन्होंने गांधी चौक में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देते हुए मुख्यमंत्री गहलोत से जिला बनाने की मांग की। बागरेचा ने कहा की सीएम गहलोत हमारे मुखिया है, जो सुजला जिला बनाने की मांग पूरी करेंगे। बागरेचा ने प्रण किया कि जब तक जिला नहीं बनेगा तब तक वे पैरों में जूते चंपल नहीं पहनेंगे।

दंडवत यात्रा के दौरान बागरेचा का स्थानीय लोगों ने माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। दंडवत यात्रा का गांधी चौक में समापन हुआ। इस अवसर पर हरी सिंह, किशोरदास स्वामी, विजयपाल श्योराण, तिलोक मेघवाल, पूर्व पार्षद श्रीराम भामा, अनिल तोदी, धनराज आर्य, कमल शर्मा, अशोक तिवाडी, पीथाराम गुलेरिया, रणसिंह , नरेन्द्र भाटी, भंवरलाल जानूं, मधुसूदन अग्रवाल सहित अनेकों लोग साथ बागरेचा के साथ चले।

एक साल पहले दर्ज रिश्वत प्रकरण में बूंदी जिला चिकित्सालय का डॉक्टर गिरफ्तार

मारपीट प्रकरण में फरियादी की मेडिकल रिपोर्ट बनाने की एवज में रिश्वत मांगी थी

बूंदी, (निसं)। मारपीट प्रकरण में फरियादी की मेडिकल रिपोर्ट बनाने की एवज में रिश्वत मांगने वाले बूंदी जिला चिकित्सालय के चिकित्सक डॉ. डी. डी. मीणा को कोटा एसीबी की टीम ने नयापुरा बस स्टैंड कोटा के पास से गिरफ्तार किया। उक्त मामले को लेकर करीब एक साल पहले कोटा एसीबी ने प्रकरण दर्ज किया था। प्रकरण के अनुसंधान में आरोपी डॉ. डी.डी. मीणा, वरिष्ठ विशेषज्ञ राजकीय चिकित्सालय बून्दी के विरुद्ध अपराध प्रमाणित पाया गया।

शुक्रवार सुबह प्राप्त सूचना के आधार पर आरोपी डॉ. डी.डी. मीणा को कोटा बस स्टेण्ड नयापुरा से उप अधीक्षक द्वारा आरोपी को डिटेन किया व गिरफ्तार किया गया तथा न्यायालय भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम कोटा में पेश किया गया, जहां से आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया।

आरोपी डॉक्टर

धर्मवीर सिंह उप अधीक्षक पुलिस प्रभारी एसीबी स्पेशल यूनिट कोटा ने बताया कि 21 मार्च 2022 को परिवादी मो.साबीर निवासी बून्दी ने एसीबी चौकी कोटा पर शिकायत पेश की थी, कि मेरे पिता अब्दूल शकूर के साथ मेरे पडौसी साबिर व अन्य 8 व 10 लोगों ने तलवार, सरिये व चाकू से हमला कर घायल कर दिया, जिस पर थाना कोतवाली बून्दी मे मुकदमा दर्ज हुआ है। मेरे पिताजी को बून्दी के राजकीय चिकित्सालय से कोटा एम.बी.एस. हॉस्पिटल में रेफर कर दिया था। मेरे पिताजी की मेडिकल रिपोर्ट बनाने के लिये राजकीय चिकित्सालय बून्दी के डॉ. डी.डी. मीणा से मिला तो वह मुझे बार बार टालते रहे। इसके बाद काफी निवेदन करने पर डॉ. डी.डी. मीणा एम.बी.एस. अस्पताल कोटा आये और उन्होंने मुझसे कहा कि तुम्हारे पिताजी की अच्छी एम.एल.सी. रिपोर्ट तैयार करानी है तो सेवा पानी करनी होगी। तुम कल दिनांक 21 मार्च 2022 को तुम्हारे पडौसी जाबिद हुसैन को साथ लेकर राजकीय चिकित्सालय बून्दी आ जाना, मेरा खर्चा पानी भी लेकर आना। परिवादी ने बताया कि मेरे जायज काम के बदले डॉ. डी.डी.मीणा को रिश्वत राशि नहीं देना चाहता, बल्कि उसे रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़वाना चाहता हूँ।

■ **मामले को लेकर एक साल पहले कोटा एसीबी ने प्रकरण दर्ज किया था**

उप अधीक्षकधर्मवीर सिंह ने बताया कि परिवादी की शिकायत पर उसी समय करवाये गए रिश्वत मांग का गोपनीय सत्यापन में परिवादी उसके पड़ोसी जाविद हुसेन के साथ डॉ. डी.डी. मीणा के पास गया तो डॉ. डी.डी.मीणा ने परिवादी से उसके पिता की एमएलसी रिपोर्ट तैयार कर प्राणघातक चोट लिखने की एवज में ढाई हजार रूपये प्राप्त कर लिये। इसके बाद डॉ. डी.डी.मीणा ने परिवादी के पड़ोसी जाबिद हुसैन के मोबाईल पर कॉल कर शराब की बोतल की मांग की। इस पर परिवादी व जाबिद हुसैन पुन डॉ. डी.डी.मीणा के पास गये तो उसने शराब की बोतल की मांग की तथा फिर शराब की बोतल के लिए पैसे ही मांगकर एक हजार रूपये और ले लिए। इसके पश्चात् आरोपी को परिवादी पर शक हो जाने के कारण आरोपी डॉ. द्वारा परिवादी से और रूपयों की मांग नहीं की गई।

आरोपी डॉ.डी.डी.मीणा के उक्त कृत्य पर मामला दर्ज कर उप शासन सचिव कार्मिक (क-3) विभाग शासन सचिवालय जयपुर से आरोपी के विरूद्ध अभियोजन स्वीकृति प्राप्त की गई। आरोपी के विरूद्ध चालान माननीय न्यायालय में प्रस्तुत करने हेतु आरोपी को उपस्थित होने हेतु धारा 41(1) (ए) सी. आर.पी.सी. का नोटिस दिया गया, किन्तु आरोपी उपस्थित नहीं हुआ।

जावटी कलां के तत्कालीन सरपंच व सचिव गिरफ्तार

वर्ष 2005 में ग्राम पंचायत जावटी कलां में मनरेगा कार्यों में अनियमितता से जुड़ा मामला

बूंदी, (निसं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो बारां की टीम ने 2005 में ग्राम पंचायत जावटी कलां में नरेगा कार्यों में अनियमितता से जुड़ा मामला है। मामले में बारां एसीबी प्रभारी पुलिस उपाधीक्षक अनीस अहमद ने कार्रवाई को अंजाम दिया है। एसीबी ने ग्राम विकास अधिकारी हीरालाल नामा, तत्कालीन सरपंच बाबूलाल वर्मा को गिरफ्तार किया है।

एसीबी की गिरफ्त में सचिव व तत्कालीन सरपंच।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गोपाल सिंह कानावत ने बताया कि लोकपाल, महात्मा गांधी नरेगा, जिला परिषद बूंदी की और से ग्राम पंचायत जावटी कलां जिला बूंदी द्वारा कराए गए नरेगा कार्य में अनेक प्रकार की अनियमितताएं की जाकर भुगतान संबंधित चेकों में हेराफेरी से संबंधित परिवाद महानिदेशक भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो जयपुर के नाम दिया था। जिस पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक परिवाद भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो जयपुर के आदेश अनुसार 26 फरवरी 2015 के सत्यापन के लिए चौकी एसीबी बूंदी को प्राप्त हुआ था, जिसकी जांच कर बाबूलाल वर्मा तत्कालीन सरपंच ग्राम पंचायत जावटी कलां व हीरालाल नामा तत्कालीन सचिव ग्राम पंचायत जावटी कलां पंचायत समिति बूंदी के विरुद्ध अपराध प्रमाणित पाए जाने पर भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो बूंदी के तत्कालीन पुलिस उप अधीक्षक तरुण कांत सोमानी द्वारा ब्यूरो मुख्यालय से प्रकरण वर्ष 2017 में दर्ज करवाया गया था।

■ **नरेगा कार्य में अनियमितताएं की जाकर भुगतान संबंधित चेकों में हेराफेरी से संबंधित परिवाद दिया था**

एसीबी कोटा के आदेश अनुसार प्रकरण का अनुसंधान अनीस अहमद उपाधीक्षक पुलिस एसीबी बारां द्वारा किया गया। दोनों आरोपियों के विरुद्ध अभियोजन स्वीकृति प्राप्त होने पर पुलिस उपाधीक्षक एसीबी अनीस अहमद ने हीरालाल नामा तत्कालीन सचिव ग्राम पंचायत जावटी कलां जिला बूंदी, बाबूलाल वर्मा तत्कालीन सरपंच जावटी कलां जिला बूंदी को गुरूवार 20 अप्रैल को गिरफ्तार किया गया। जिन्हें एसीबी द्वारा शुक्रवार को विशिष्ट न्यायधीश भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम कोटा न्यायालय में पेश किया गया, जहां से दोनों को न्यायालय के आदेश पर 4 मई तक न्यायिक अभिरक्षा मे भेजने के आदेश पर कोटा जेल भिजवा दिया गया है।

कांस्टेबल पर शादी का झांसा देकर देहशोषण करने का आरोप

एस.पी. ने कांस्टेबल को निलम्बित किया

टोंक, (निसं)। बनेठा पुलिस थाने में तैनात पुलिस कांस्टेबल पर शादी का झांसा देकर पिछले 10 साल से देहशोषण करने का एक युवती द्वारा आरोप लगाने के बाद पुलिस अधीक्षक राजर्षी राज ने कांस्टेबल को निलंबित कर दिया है। पीड़िता ने कोतवाली थाने में कांस्टेबल अजय यादव के अलावा देहशोषण में मदद करने, अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने एवं उसका जबरन गर्भपात करवाने में सहयोग करने वाले उसके भाई-भोजाई समेत आधा दर्जन अन्य के खिलाफ कोतवाली में मामला दर्ज करवाया है। पुलिस एफआईआर के अनुसार कोतवाली क्षेत्र में रहने वाली दलित नर्सिंग छात्रा ने आरोप लगाया कि करीब 10-11 साल से अजय उसे शादी करने का झांसा देकर देहशोषण करता रहा तथा मना करने पर उसकी बनाई हुई वीडियो को वायरल करने की धमकी देने लगा।

पीड़िता ने बताया कि इस दौरान वह गर्भवती हो गई, लेकिन शादी करने के बजाये उसे फिर बहला फुसलाकर आरोपी अपने भाई, भोजाई एवं अन्य दोस्तों की मदद से उसे जबरन दूनी में एक नर्स के यहां ले गया और उसका गर्भपात करवा दिया, जिसके बाद आरोपी से उसने नाता तोड़ दिया, लेकिन आरोपी पुलिस में होने का रोब दिखाते हुये फिर उसे डरा धमकाकर होटलों पर ले गया और दुष्कर्म किया। पीड़िता ने बताया कि आरोपी की मंशा उससे शादी करने की नहीं है, अगले माह उसकी पीपल पूर्णिमा पर शादी होने वाली है, लेकिन उसके पास अशील वीडिय़ो होने से वह आगे भी उसे मजबूर कर सकता है। पीड़िता की रिपोर्ट पर आरोपी कांस्टेबल अजय यादव निवासी मेहन्दवास सहित भाई विजय, भोजाई दिलबर, राजवीर यादव, मुकेश यादव, सत्तू यादव, पुखराज मीणा, राम, विजेन्द्र गोमे आदि पर देहशोषण, आरोपी की मदद करने सहित एससी, एसटी एक्ट में मामला दर्ज करवाया है, जिसकी जांच वृत्ताधिकारी टोंक सलेह मोहम्मद कर रहे हैं। इस मामले में बनेठा थाने में नियुक्त कांस्टेबल अजय का पुलिस अधीक्षक राजर्षि राज ने निलबिंत कर दिया है।

पांचवें दिन भी जारी रहा युवक का अनशन

मालपुरा, (निसं)। मालपुरा को जिला बनाने की मांग को लेकर गांधी पार्क में युवक अंकित का अनशन शुक्रवार को पांचवें दिन भी जारी रहा। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर प्रतिदिन माल्यार्पण कर उनके बताये मार्ग पर चलते हुए मालपुरा को जिला बनाये जाने की मांग की जा रही है। अनशन पर बैठे युवक के समर्थन में सर्वसमाज के लोग प्रतिदिन अनशन व धरनास्थल पर पहुंच जिला बनाने की मांग करने कोर कमेटी द्वारा जयपुर विधानसभा के सामने महापडाव व जयपुर में एक हजार ट्रैक्टरों के साथ ट्रैक्टर रैली निकाली जाने को लेकर गांव-गांव सम्पर्क कर ट्रैक्टरों का पंजीयन किया जा रहा है।

26 अप्रेल को बाबा श्याम के पट बंद रहेंगे

खाटूश्यामजी, (निसं)। कस्बे के प्रसिद्ध बाबा श्याम के 26 अप्रेल को बाबा श्याम के तिलक श्रृंगार पर विशेष पूजा अर्चना के चलते पट बंद रहेंगे। श्री श्याम मंदिर कमेटी के मंत्री श्याम सिंह चौहान ने आम सूचना जारी करते हुए श्रद्धालुओं से अपील की है कि बाबा श्याम के तिलक श्रृंगार पर विशेष पूजा अर्चना की जाएगी। जिसके चलते 25 अप्रेल की रात्रि 10:30 बजे बाबा श्याम के पट मंगल होंगे और 26 अप्रेल को सांय 5 बजे बाद तिलक श्रृंगार के साथ ही श्रद्धालुओं के लिए पट खोल दिये जाएंगे। असुविधा से बचने के लिए श्रद्धालु पट खुलने के बाद ही खाटू धाम पहुंचे जिससे अव्यवस्था ना हो।

पेयजल समस्या को लेकर प्रदर्शन

चाकसू, (निसं)। पेयजल के लिये अधिकारियों की ओर से टूटोली गांव के ग्रामीणों को आश्वासन पर आश्वासन देने के बाद भी समस्या का समाधान नहीं होने पर ग्रामीणों में आक्रोश फूट गया। शुक्रवार को अपने-अपने साधनों में सवार होकर सैकड़ों की तादाद में महिलाएं, बच्चे व बुजुर्ग लोग चाकसू में बीसलपुर प्लांट के ऑफिस के सामने जमा हो गए और पानी की समस्याओं को लेकर पेयजल विभाग के प्रति नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। वहीं कई ग्रामीण पानी की टंकी पर चढ़ गए। प्रदर्शन के वक्त मौके पर कोई भी जिम्मेदार अधिकारी नहीं मिलने से लोगों में और आक्रोश बढ़ गया।

■ **चाकसू के टूटोली गांव के लोग पानी की टंकी पर चढ़े, मौके पर पहुंचे अधिकारियों ने लोगों से समझाईश की**

प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों ने बताया कि टूटोली गांव में वैसे तो पूरे साल पेयजल की समस्या रहती है लेकिन गर्मी में हालत बहुत ज्यादा बिगड़ जाते हैं। पिछले दिनों से 4 दिन में एक बार ही पेयजल आता है इस मामले में विभाग के अधिकारियों को लिखित में ज्ञापन दे चुके हैं लेकिन पेयजल समस्या का आज तक कोई निराकरण नहीं हो सका। इस पर ग्रामीणों को गुस्सा फूट पड़ा और बीसलपुर प्लांट के कार्यालय में एकत्रित हो गए और जमकर प्रदर्शन किया। वहीं टंकी पर ग्रामीणों के चढ़ने की खबर के बाद अफसर मय पुलिस के पहुंचे और ग्रामीणों को समझाया। बाद में विभाग के अधिकारियों की ओर से लिखित में पेयजल समस्याओं को दूर करने समझौता दिया गया। तब जाकर ग्रामीण शांत हुए और टंकी से नीचे उतरे और प्रदर्शन समाप्त किया तब जाकर विभाग के अधिकारियों ने राहत की सांस ली।

राजस्थान एथलीट एसोसिएशन के चुनाव संशोधित संविधान के अनुसार होंगे

जयपुर, 21 अप्रैल। राजस्थान हाईकोर्ट ने राजस्थान एथलीट एसोसिएशन के चुनाव संशोधित संविधान के अनुसार कराए जाने पर सभी पक्षकारों की सहमति के बाद इस संबंध में दायर याचिका को निस्तारित कर दिया। इसके साथ ही अदालत ने नए संविधान के अनुसार एसोसिएशन के चुनाव कराए जाने के लिए कहा है। जस्टिस गणेश राम मीणा ने यह आदेश जयपुर जिला एथलीट एसोसिएशन के कार्यवाहक सचिव व अन्य की याचिका पर दिए। सुनवाई के दौरान राजस्थान एथलीट एसोसिएशन के अधिवक्ता पीयूष नाग ने कहा कि उन्होंने अपने पुराने संविधान को संशोधित कर दिया है और इसे रजिस्ट्रार कॉपरेटिव से भी स्वीकृत करवा लिया है। नए संविधान में कार्यकारिणी सदस्यों की संख्या का प्रावधान भी बदल गया है। इसलिए एसोसिएशन के 2020 में चुनाव कराए जाने का नोटिस भी सारहीन हो चुका है। ऐसे में अब नए सिरे से एसोसिएशन के चुनाव कराए जाने की प्रक्रिया शुरू करेंगे। जिस पर जयपुर जिला एथलीट एसोसिएशन ने चुनाव कराने पर अपनी सहमति तो दी, लेकिन कहा कि इलेक्शन ऑफिसर पुराना वाला नहीं हो। जिस पर राजस्थान एथलीट एसोसिएशन ने कहा कि चुनाव नए चुनाव अधिकारी व संशोधित संविधान के अनुसार ही होंगे। राजस्थान एसोसिएशन की इस अंडरटेकिंग के बाद चुनाव कराने पर सभी पक्षों में सहमति बन गई। गौरतलब है कि हाईकोर्ट ने 13 अगस्त 2020 के आदेश से राजस्थान एथलीट एसोसिएशन के 16 अगस्त को होने वाले चुनाव पर रोक लगा दी थी। जयपुर जिला एथलीट एसोसिएशन ने याचिका में चुनावों में पारदर्शिता नहीं होने व चुनाव अधिकारी के निष्पक्ष नहीं होने को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी।

चेपक पर चेन्नई फिर बना सुपरकिंग्स, सनराइजर्स को 7 विकेट से पीटा

चेन्नई 21 अप्रैल। डेवोन कॉनवे (77 नाबाद) और रितुराज गायकवाड (35) की सलामी जोड़ी के बीच 87 रन की बहुमूल्य भागीदारी की बदौलत चेन्नई सुपर किंग्स ने शुक्रवार को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ सात विकेट से आसान जीत दर्ज की। चेपक स्टेडियम पर सनराइजर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुये सात विकेट पर 134 रन बनाये। 135 रन के बौने लक्ष्य का पीछा करते हुये चेन्नई ने ठोस शुरूआत की और मात्र तीन विकेट खोकर आठ गेंद शेष रहते जीत हासिल कर ली।

हैदराबाद के खिलाफ चेन्नई ने खेल के हर विभाग में खुद को बेहतर साबित किया। चुस्त क्षेत्ररक्षण और कसी हुयी गेंदबाजी से उसने हैदराबाद के बल्लेबाजों को खुल कर खेलने का मौका नहीं दिया जबकि बाद में तेज मगर सधी हुयी शुरूआत कर मैच को आसानी से अपने पक्ष में कर लिया।

आज के खेल का मुख्य आकर्षण चेन्नई के गेंदबाज रविन्द्र जडेजा (22 रन पर तीन विकेट) और बल्लेबाज डेवोन कॉनवे की धुआंधार पारी रही। कॉनवे ने अपनी नाबाद पारी में 12 चौके और एक छक्का लगाया जबकि दूसरे छोर पर गायकवाड ने सूझबूझ से खेलते हुये उनका भरपूर साथ दिया। हैदराबाद के मयंक मारकंडे (23 रन पर दो विकेट) ने मध्यक्रम के दो बल्लेबाजों को सस्ते में आउट कर हालांकि मैच में कुछ देर के लिये रोमांच पैदा किया मगर वह छोटे लक्ष्य को हासिल करने के लिये चेन्नई के बल्लेबाजों को नहीं रोक सके। हैदराबाद के कप्तान एडन मार्कम ने चेन्नई की सलामी जोडी को रोकने के लिये अपने सात गेंदबाजों का इस्तेमाल किया मगर हार को टालने की उनकी हर कोशिश नाकाम साबित हुयी।

इस जीत के साथ धोनी की टीम छह मुकाबलों में चार मैच जीत कर अंकतालिका में राजस्थान रायल्स और लखनऊ सुपर जायंट्स के बराबर आठ अंक हासिल कर तीसरे स्थान पर पहुंच चुकी है वहीं सनराइजर्स ने इतने ही मैच में चार अंकों के साथ दिल्ली के बाद निचली पायदान की दूसरी टीम बन चुकी है। इससे पहले सनराइजर्स के अभिषेक और ब्रुक ने तेज शुरूआत करते हुये 4.2 ओवरों में 35 रन जोड़े।

इस बीच आकाश सिंह की गेंद को उड़ाने के प्रयास में ब्रुक के बल्ले का किनारा लेती हुयी गेंद स्लिप में खड़े रितुराज गायकवाड़ के पास गयी और उन्होने उसे लपकने में कोई गलती नहीं की। ब्रुक के बाद क्रीज पर आये त्रिपाठी ने भी रन गति आठ रन प्रति ओवर के आसपास बरकरार रखा। इस साझेदारी को तोड़ने में जडेजा को सफलता मिली जब उन्होने अभिषेक को आंजिक्य रहाणे के हाथों कैच आउट कराया। इसके कुछ देर बाद 12वें ओवर में त्रिपाठी भी जडेजा का शिकार बन कर पवेलियन लौट गये।

जीत के साथ शीर्ष पर पहुंचना होगा सुपर जायंट्स का लक्ष्य

लखनऊ, 21 अप्रैल। केएल राहुल के नेतृत्व वाली लखनऊ सुपर जायंट्स शनिवार को गत विजेता गुजरात टाइटंस से पिछली हार का बदला लेने के साथ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की अंकतालिका में शीर्ष पर काबिज होने के इरादे से अपने घरेलू मैदान में उतरेगी।

आसमान में बादलों के डेरे और आसपास के इलाकों में हल्की बूंदाबांदी से लखनऊ के तापमान में कमी दर्ज की जा रही है। शनिवार दोपहर साढ़े तीन बजे जब दोनो टीमें आमने सामने होंगी तो मौसम की खुशगवारी उन्हे रास आयेगी वहीं सुपर जायंट्स के समर्थकों का जोश मैदान में गर्मी पैदा करेगा।

हार्दिक पांड्या की अगुवाई वाली गुजरात टाइटंस के लिये मौजूदा सत्र अब तक उतार चढाव से भरपूर रहा है। टीम की कोशिश पिछली हार को भुलाकर एक बार फिर सुपर जायंट्स को घुटनों में लाने की होगी। इकाना की धीमी पिच पर राशिद खान के साथ साथ खुद हार्दिक भी कारगर साबित हो सकते हैं वहीं मोहम्मद शमी की अगुवाई में तेज गेंदबाजी आक्रमण भी राहुल ब्रिगेड की परीक्षा लेंगे।

लखनऊ और गुजरात ने अब तक दो-दो मैच गंवायें है। पिछले मैच में राजस्थान राजल्स के खिलाफ जहां लखनऊ को जीत मिली थी वहीं गुजरात ने उसी टीम से हार कर लखनऊ की उड़ान पकडी है। राहुल के लड़ाके जीत की लय को बरकरार रखने में यदि सफल रहते हैं तो उन्हे पहली बार अंकतालिका में शीर्ष पर काबिज होने का मौका मिलेगा जिसका मनोवैज्ञानिक असर टूर्नामेंट के शेष बचे मैचों पर पड़ना तय है।

लखनऊ की ताकत काइल मेयर्स, निकोलस पूरन और मार्कस स्टोइनिस की मजबूत बल्लेबाजी है जो किसी भी गेंदबाज की बखिया उधड़ने में सक्षम है। केएल राहुल ने भी पिछले दो मैचों में औसत प्रदर्शन कर अपनी खोई फार्म को वापस पाने का संकेत दिया है हालांकि दीपक हुड्डा का लगातार फ्लाप होना टीम प्रबंधन के लिये चिंता का विषय है। इकाना में रवि विश्नोई, अमित मिश्रा के अलावा कृणाल पांड्या अब तक असरदार साबित हुये है और कप्तान की उम्मीदें इस तिकड़ी पर टिकी होंगी वहीं तेज गेंदबाज आवेश खान, मार्क वुड की धारदार गेंदबाजी गुजरात के बल्लेबाजों का टेस्ट लेगी। इसके अलावा पिछले मैच में शानदार गेंदबाजी का मुजाहिरा करने वाले नवीन उल हक यदि अपने प्रदर्शन को दोहराने में सफल होते है तो यह टीम के लिये बोनस होगा।

दूसरी ओर शुभमन गिल,डेविड मिलर और साई सुदर्शन के फार्म में होने का फायदा गुजरात को मिल सकता है जबकि राशिद खान और मोहम्मद शमी से भी पाड्या को काफी उम्मीदें होगी हालांकि खुद पांड्या अब तक गेंदबाजी के लिहाज से बेअसर रहे हैं। इसके अलावा अल्जारी जोसेफ और जोश लिटिल का भी प्रदर्शन औसत रहा है।

ऋषभ पंत बने स्टार स्पोर्ट्स के नये 'विश्वास दूत'

मुंबई, 21 अप्रैल। इंडियन प्रीमियर लीग के मौजूदा सत्र के आधिकारिक टेलीविजन प्रसारक स्टार स्पोर्ट्स ने भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को अपना नवीनतम 'बिलीव एंबेसडर' यानी विश्वास दूत के तौर पर साइन किया है। स्टार स्पोर्ट्स के अनुसार वह अगली पीढ़ी के क्रिकेट आइकन के साथ जुड़कर खेल के निर्माण पर ध्यान केंद्रित कर रहा है और इसी कड़ी में ऋषभ पंत को बिलीव एंबेसडर के तौर पर शामिल किया गया है। इससे पहले हार्दिक पांड्या, रवींद्र जडेजा, केएल राहुल और श्रेयस अय्यर भी बिलीव एंबेस्डर के तौर पर शामिल किये जा चुके है। इसके साथ ही ब्राडकास्टर के पास मौजूदा क्रिकेटरों का एक मजबूत पैनल बन चुका है।

देश में क्रिकेट की लोकप्रियता बढाने के मकसद से स्टार स्पोर्टस के 'बिलीव एंबेसडर' देश के विभिन्न हिस्सों के साथ-साथ विभिन्न आईपीएल टीमों का प्रतिनिधित्व करते हैं। स्टार स्पोर्ट्स क्रिकेटर्स के साथ मिलकर काम करेगा ताकि खेल की लोकप्रियता बढ़ाने और विशेष रूप से युवाओं के बीच प्रशंसकों को ड्राइव करने के लिए नए अभियान और संपत्तियां विकसित की जा सकें। ऋषभ पंत ने खुशी जाहिर करते हुये कहा मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि मैं स्टार स्पोर्ट्स में इसके 'बिलीव एंबेसडर' के रूप में शामिल हो रहा हूं। एसोसिएशन मुझे खेल की लोकप्रियता बढ़ाने की अनुमति देता है,

खासकर युवाओं के बीच। क्रिकेट में आनंद लाने, जीवन को समृद्ध बनाने और युवाओं को जीवन का सही सबक सिखाने की शक्ति है। रुड़की के एक युवा लड़के को विश्वास था कि वह अपने देश का प्रतिनिधित्व करेगा और सम्मान अर्जित करेगा। स्टार स्पोर्ट्स के साथ अपने जुड़ाव के माध्यम से, मैं युवा भारतीयों को यह विश्वास दिलाने के लिए प्रेरित करना चाहूंगा कि आप चाहे कहीं से भी आए हों। आप कड़ी मेहनत से अपने सपनों को हासिल कर सकते हैं। बस विश्वास करें।

फीफा अंडर-20 विश्व कप अधिकारियों का नियुक्ति

जिनेवा, 21 अप्रैल। फीफा ने अर्जेंटीना में 20 मई से 11 जून तक होने वाले फीफा अंडर-20 विश्व कप 2023 के लिए गुरुवार को अधिकारियों की नियुक्ति कर दी। फीफा रेफरी समिति द्वारा 25 रेफरी और 38 सहायक रेफरी का चयन किया गया था और 18 वीडियो मैच अधिकारी भी इस सूची में शामिल हैं। फीफा शुक्रवार को स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख में अपने मुख्यालय में टूर्नामेंट के ग्रुप स्टेज के लिए ड्रॉ की मेजबानी करेगा।

दिल्ली कैपिटल्स का खोया हुआ सामान मिला, आरोपी पकड़ा गया : वॉर्नर

नयी दिल्ली, 21 अप्रैल। दिल्ली कैपिटल्स के क्रिकेटरों का खोया हुआ क्रिकेट सामान मिल गया जो बेंगलुरू से दिल्ली आते समय खो गया था । कप्तान डेविड वॉर्नर ने इसकी पुष्टि की । दिल्ली की टीम 15 अप्रैल को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के खिलाफ मैच के बाद जब यहां पहुंची तो उसका लाखों रूपये का सामान खोया हुआ था जिसमें बल्ले, पैड और दस्ताने शामिल थे । वॉर्नर ने सोशल मीडिया पर लिखा था ,"चोरी । 16 बल्ले, पैड, जूते, जांघ के पैड और दस्ताने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाड़ियों की किट से चोरी । तीन बल्ले डेविड वॉर्नर के, दो मिशेल मार्श, तीन फिल साल्ट और पांच यश धुल के ।' उन्होंने शुक्रवार को लिखा ," चोर पकड़े गए। कुछ बल्ले अभी भी गायब हैं लेकिन धन्यवाद।"

पाकिस्तान के पास विश्व कप जीतने और तीनों प्रारूपों में नंबर एक टीम बनने की क्षमता : आर्थर

कराची, 21 अप्रैल। पाकिस्तान के नये टीम निदेशक मिकी आर्थर का मानना है कि कप्तान बाबर आजम खेल के दिग्गज खिलाड़ी बनेंगे और उनकी टीम विश्व कप जीतने के साथ सभी प्रारूपों में शीर्ष रैंकिंग पर काबिज होने में सक्षम होगी। आर्थर ने गुरुवार को पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के साथ एक साल के अनुबंध पर हस्ताक्षर किये। इसके बाद जब उनसे बतौर कोच (2016 से 2019 के बीच) बाबर का समर्थन करने के बारे में पूछा गया था तो उन्होंने कहा, "जिस चीज ने मुझे सबसे ज्यादा प्रभावित किया, वह है उसका हाथ, उसके हाथों की गति। जब ग्रांट ब्रैडबर्न ने पहली बार मुझसे कहा कि नेट्स में इस खिलाड़ी को देखो, तो मैं चकित रह गया। मैंने कभी भी उसके हाथ की गति और उसके जैसी प्रतिभा नहीं देखी।" पाकिस्तान के इस पूर्व कोच ने कहा, "मुझे पता था कि वह टीम का अहम हिस्सा बनने जा रहा है। मेरा मानना है कि वह अभी नंबर एक बल्लेबाज है और वह एक अद्भुत, कमाल की प्रतिभा है। मुझे अब भी लगता है कि उसके पास सुधार की गुंजाइश है। मैं उसे चुनौती देता रहूंगा। वह इस खेल का दिग्गज बनने जा रहा है।" पाकिस्तान टीम के साथ पूर्णकालिक मुख्य कोच बनने के प्रस्ताव को अस्वीकार करने वाले आर्थर ने कहा कि 'ऑनलाइन कोच जैसी कोई चीज नहीं है'। उन्होंने कहा, " सबसे पहले, ऑनलाइन कोच जैसी कोई चीज नहीं होती है। आप खिलाड़ियों के साथ संबंध बनाते हैं, आप जानते हैं कि खिलाड़ियों को वास्तव में क्या चाहिए और आप उन्हें देते हैं।" टीम के साथ एक बार फिर जुड़ने पर आर्थर ने कहा, " यह मेरे लिए सौभाग्य की बात है। फिर से वापस आना और टीम के लिए करना अच्छा है। उम्मीद है कि हम विश्व कप जीतेंगे। यह हमें खेल के सभी प्रारूपों में दुनिया में नंबर एक पर पहुंचाएंगे क्योंकि हमारे पास निश्चित रूप से प्रतिभा है, निश्चित रूप से खिलाड़ी हैं।"

संक्षिप्त

वार्षिक उत्सव व श्याम जागरण आज

नारायणपुर, (निसं)। कस्बा स्थित श्री श्याम मंदिर में 22 अप्रैल को 37वां वार्षिकोत्सव व श्याम जागरण बड़े हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया जायेगा। अध्यक्ष राजेश गर्ग ने बताया कि सुबह 8 बजे से फतेहपुर चुरू डफ पार्टी द्वारा कस्बे के मुख्य मार्ग से शोभायात्रा निकाली जायेगी दोपहर 12 बजे से भंडारे का आयोजन किया जायेगा। रात्रि 9 बजे से भजन गायक ममता वाजपेयी (जयपुर), पूजा शर्मा (यूपी), विजेंद्र भार्गव (खेतड़ी झुंझुनू), प्रशांत राजा (अलवर) द्वारा सम्पूर्ण रात्री मीठे-मीठे भजनों से बाबा का गुणगान किया जायेगा।

11 साल के बालक ने पूरे माह रोजे रखे

नरैना, (निसं)। कस्बे के लुहारो के मोहल्ला निवासी 11 वर्षीय मुज़म्मिल मन्सूरी ने रमजान के पुरे महीने रोज़े रखे हैं। बालक के पिता इमरान मन्सूरी ने बताया कि मुज़म्मिल कक्षा पांच का छात्र है जिसने पिछले वर्ष भी रमजान माह में पूरे रोजे रखे थे तथा इस साल भी रमजान माह में पूरे रोजे रख कुरआन की तिलावत की। साथ ही इमरान मन्सूरी ने बताया कि मुज़म्मिल ने अपने दादा हाजी उस्मान गनी के साथ मस्जिद में जाकर पांचों वक्त एवं तरावीह की नमाज अदा की एवं देश में अमन चैन की दुआ मांगी।

ऋचा को मिली पी.एच.डी.

चौमूं/कालाडेरा, (निसं)। चौमूं निवासी ऋचा शर्मा पुत्री गोविन्द नारायण शर्मा ने पी एच डी की उपाधि राजस्थान विश्व विद्यालय जयपुर से डॉ ओम प्रकाश सिरवी के सानिध्य में प्राप्त की है। वहीं ऋचा शर्मा को पी एच डी की उपाधि मिलने पर परिवार व समाज के लोगों ने अपनी शुभकामनाएं दी है।

विप्र समाज ने भगवान परशुराम की भव्य शोभायात्रा निकाली

मालपुरा, (निसं)। परशुराम जयंती पर आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में शुक्रवार को विप्र समाज व विप्र सेना के संयुक्त तत्वावधान में भगवान परशुराम की भव्य शोभायात्रा निकाली गई।

ट्रक स्टेण्ड नीलकंठ महादेव मंदिर से विधायक कन्हैयालाल चौधरी, पालिका अध्यक्ष सोनिया सोनी, विप्र सेना अध्यक्ष चन्द्रप्रकाश शर्मा व युवा विप्र सेना अध्यक्ष मदन लाल शर्मा ने विप्रजनों को पिताम्बरी पताका थमा शोभायात्रा को रवाना किया। जो शहर के मुख्य मार्गों से होकर व्यास सर्किल होते हुए जयपुर रोड गोविन्द महल मैरिज गार्डन पहुंची। शोभायात्रा का जगह-जगह जोरदार स्वागत किया। गोविन्द महल में आयोजित समारोह में युवा समाज सेवी पुष्पेन्द्र भारद्वाज सांगानेर, विप्र सेना के राष्ट्रीय प्रमुख प्रतिनिधि विश्वेश कुमार, सदगुरु आश्रम चौक के गुरु राजकुमार शर्मा, विप्र सेना जयपुर जिलाध्यक्ष राजकुमार बागडा, महिला प्रकोष्ट राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मधु शर्मा, महिला प्रकोष्ट संयोजक पूनम शर्मा, ब्राह्मण महासभा अध्यक्ष पवन शर्मा, विप्र सेना जिलाध्यक्ष भानूप्रकाश गौतम ने विप्रजनों को सम्बोधित करते हुए भगवान परशुराम के बताये मार्ग पर चलने के साथ-साथ शिक्षा के क्षेत्र में विशेष ध्यान देने की आवश्यकता जताई। सभी विप्रजनों ने एक स्वर में जय परशुराम के घोष लगा एकता का संदेश दिया।

■ विप्रजनों का सम्मान किया

विप्र समाज ने मालपुरा में भगवान परशुराम की भव्य शोभायात्रा निकाली।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का शिलान्यास

पावटा, (निसं)। विराटनगर पंचायत मुख्यालय पर गुरुवार को विराटनगर विधानसभा क्षेत्रीय विधायक इंद्राज गुर्जर की अनुसंशा पर मुख्यमंत्री बजट घोषणा क्रियानिवृत्ति के तहत स्वीकृत 1 करोड 43 लाख की लागत से बनने वाले राजकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भवन गोविंदपुरा धाबाई का बलदेव दास महाराज दाऊ धाम, रामरिछपालदास महाराज त्रिवेणी धाम, रामदास महाराज लीलका धाम के द्वारा व विराटनगर विधानसभा क्षेत्रीय विधायक इंद्राज गुर्जर के मुख्य आतिथ्य व विधायक प्रत्याशी प्रधान बूंदी देवी गुर्जर की अध्यक्षता एवं जिला पार्षद हर फूल कसाना, पंचायत समिति सदस्य सरोज राजेंद्र सराधना, पूजा शिवपाल चेची के विशिष्ट आतिथ्य में भूमि पूजन कर शिलान्यास किया गया। वही राजकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भवन हेतु दो बीघा पक्की जमीन भूमिदान करने वाले भामाशाह रामरतन गुर्जर निवासी फतेह पुर बेरी नई दिल्ली का आभार व्यक्त किया।

सार-समाचार

जुमातुल विदा की नमाज अदा की

टोंक, (निसं)। माहे रमज़ान के आखिरी जुम्मे की नमाज पूरे जिले में जामा मस्जिदों में आयोजित हुई। नमाज के दौरान उलेमाओं ने मुल्क में अमन चैन रहे, इसके लिए दुआएं की, साथ ही नेक रास्ते पर चलने की हिदायत दी गई। शुक्रवार को काफला जामा मस्जिद के बाहर तक रोज़ेदार नमाजियों ने नमाज अदा की। एक तरफ कचहरी के पास तक एवं दूसरी तरफ सुभाष बाजार तक नमाज के लिए विशेष इंतजाम किए गए। यहां पर पुलिस आदि का भी विशेष इंतेजाम रहा। जुमातुल विदा की नमाज के बाद हजारों लोगों ने दुआएं खैर की दुआएं की। माहे रमज़ान के आखिरी जुमे को जुमातुल विदा कहा जाता है। हजारों रोज़ेदारों ने काफला जामा मस्जिद, शाही जामा मस्जिद सहित जिले की कई मस्जिदों में नमाज अदा की। काफला जामा मस्जिद में मौलवीं सईद ने नमाज़ अदा कराई। वहीं शाही जामा मस्जिद में इस्लाहुद्दीन खिजर ने नमाज पढ़ाई। मौलवीं सईद ने प्रशासन, बाजार के दुकानदारों सहित जिसने जुमातुल विदा की नमाज़ में अपना सहयोग दिया उनका शुक्रिया अदा किया।

पोल सहित हाईटेंसन लाइन गिरी

नारायणपुर, (निसं)। उपखंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत बामनवास कांकड़ के गांव बैरावास में उस समय हड़कंप मच गया जब 11 हजार वोल्टेज की हाईटेंसन लाइन ट्रांसफार्मर, पोल सहित सड़क पर गिर गयी। गनिमत रही की उस समय बिजली कटी हुई थी। जबकि पास में ही राजकीय प्राथमिक स्कूल में सुबह के समय करीब 80 बच्चे पढ़ रहे थे। ऐसे में बड़ा हादसा होने से टल गया। ग्रामीणों ने बताया कि बिजली विभाग की लापरवाही के चलते गांव में बिजली के पोल लगाए गये हैं, उनको जमीन में पूर्ण रूप से नहीं दबाके ऊपर ही लगा दिया गया, जिसके चलते शुक्रवार सुबह 9 बजे अचानक दो ट्रांसफार्मर सहित पोल गिर गए और हाईटेंसन लाइन रास्ते में गिर गई। जिससे स्थानीय लोगो में बिजली विभाग के प्रति रोष बना हुआ हैं । विभाग के अधिकारीयों से कई बार शिकायत की गई, लेकिन इसके बाद भी विभाग ने कोई कार्रवाई नहीं की गई। दर्जनों महिला और पुरुषों ने बिजली विभाग के खिलाफ प्रदर्शन कर रिहायसी इलाके से लाइन को हटाकर खेतो से हाईटेंसन लाइन देने की प्रशासन से अपील की ।

परिंडे बांधने का संकल्प लिया

जयपुर, (निसं)। शुक्रवार को विराटनगर विधानसभा क्षेत्र के कुहाड़ा में पक्षियों के लिए भीषण गर्मी में परिंडे बांधने का संकल्प लिया। गर्मियों में पक्षी वातावरण की सुंदरता बनाये रखने में हमारी मदद करते हैं, ऐसे में हमारा भी कर्तव्य है कि हम उनका ध्यान रखें। अपने घरों के आंगन, छत एवं सार्वजानिक स्थानों पर हमें उनके खाने पीने की व्यवस्था करें। इस दौरान निर्मल कुमार, आशीष कुमार, मुकेश कुमार गुर्जर, कालूराम कुम्हार, मनोज कुमार, गोरधन, दाताराम, गोपीलाल, देवकरण कुम्हार, राजेन्द्र, बिहारी लाल गुर्जर, दिनेश राकेश प्रकाश, रतन लाल शर्मा, लालूराम, रोशन कुम्हार, ऋषि प्रजापत, संजू उपस्थित रहे।

निर्वाण लड्डू चढ़ाया

दूदू, (निसं)। कस्बे के जैन मंदिर में जैन समाज के बीसवें तीर्थकर भगवान नमिनाथ स्वामी के मोक्ष कल्याणक महोत्सव के दौरान निर्वाण लड्डू चढ़ाया गया।

बैठक के एजेंडे को छोड़ अन्य मुद्दों पर उलझे पार्षद

मालपुरा, (निसं)। मालपुरा शहरी क्षेत्र के सभी 35 वार्डों में चहुमुंखी विकास कार्य करवाये जाने के लिए बोर्ड में चर्चा कर पार्षदों के सुझाव प्रस्ताव लेने के लिए पालिका अध्यक्ष सोनिया सोनी की अध्यक्षता में हुई बोर्ड की बैठक में पार्षदों ने ही बैठक के ऐजेंडे को भूल अन्य मुद्दों को लेकर हंगामा खड़ा कर दिया।

बैठक शुरू होते ही पालिका अध्यक्ष ने सभी पार्षदों से शहर के चहुमुंखी विकास के लिए अपने सुझाव व प्रस्ताव सदन के पठन पर रखने का आग्रह किया। कांग्रेस पार्षदों ने शहर के सौन्दर्यकरण व वार्डों में विकास कार्य करवाये जाने पर चर्चा के बजाय सीधा ही पालिका अध्यक्ष को निशाना बनाते हुए एक के बाद एक सवाल डाल बार-बार बजट कहां से लायेंगे की बात कहते हुए हंगामा खड़ा कर दिया। प्रदेश की कांग्रेस सरकार द्वारा दीपावली के त्यौहार पर उत्साह व हर्षोल्लास के साथ मनाये जाने के लिए इस बार विशेष आदेश जारी कर नगर निकायों को अलग से बजट स्वीकृति के बावजूद कांग्रेस के ही पार्षदों ने दीपावली व अन्य त्यौहारों पर शहर में सजावट किये जाने के नाम पर पालिका बजट का दुरूपयोग किये जाने के मुद्दे उठा कांग्रेस सरकार पर भी निशाना साधा।

तो भाजपा पार्षद डॉ. अंकित जैन ने राष्ट्रीय पर्व सहित सभी समाजों के प्रमुख त्यौहारों पर सजावट व अन्य व्यवस्थाएं किये जाने को नगरपालिका का कर्तव्य व अधिकार बताते हुए कांग्रेस पार्षदों को जमकर खरी-खोटी सुनाई। निर्दलीय पार्षद सुरेन्द्र राव ने अस्पताल रोड गौरव पथ किनारे करोडो रूपयो के खाली भूखण्ड को पूर्व बोर्ड में महज चार से पांच लाख रूपयों की राशि जमा कर बिना किसी निर्माण के ही गलत रिपोर्ट बना पट्टा जारी कर देने का मामला जोर शोर से उठा पट्टा व अन्य दस्तावेजों की प्रतियां सदन में लहराते हुए पट्टे को निरस्त कर रिक्त भूखण्ड की निलामी की मांग की। मुस्लिम पार्षदों ने किसी भी त्यौहार अथवा जयंती पर पालिका की ओर से किसी प्रकार की सजावट व व्यवस्थाएं नहीं करने की मांग उठाई जिसको लेकर अन्य पार्षदों ने इस प्रस्ताव का विरोध किया तो जमकर शोर-शराबा हुआ। अध्यक्ष ने बैठक में विकास कार्यों के 18 मुद्दे व योजना पार्षदों के समक्ष रखी। पार्षद आशा नामा का फोकस बृजलाल नगर पैराफेरी क्षेत्र में विकास करवाये जाने पर रहा।

स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर दीपदान महोत्सव आयोजित

श्रीमाधोपुर, (निसं)। सर्व समाज के द्वारा श्रीमाधोपुर स्थापना के दिवस की पूर्व संध्या पर विभिन्न संगठनों के द्वारा दीपदान महोत्सव का आयोजन ऐतिहासिक शमी वृक्ष बालाजी मंदिर पर किया गया।

कार्यक्रम संयोजक राजू बागवान ने बताया कि समाज के विभिन्न सामाजिक संगठनों की संयुक्त तत्वाधान में शुक्रवार शाम को दीपदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया । जानकारी के अनुसार सन 1761 को जयपुर के तत्कालीन महाराजा माधव सिंह के प्रधान दीवान नोपपुरा निवासी खुशालीराम बोहरा ने कस्बे की स्थापना की थी। 18वीं सदी के पूर्वार्द्ध वैशाख शुक्ल तृतीय (अक्षया तृतीया) को श्रीमाधोपुर की स्थापना की थी। 1945 में नगरपालिका की स्थापना हुई। श्रीमाधोपुर नगर के संस्थापक खुशालीराम बोहरा थे।

कस्बे का नामकरण बोहरा ने जयपुर महाराजा माधवसिंह के नाम पर पदवी को आधार मानते हुए श्रीमाधोपुर किया। श्रीमाधपुर 263वें प्रवेश चलाकर नगर वासियों ने स्थापना दिवस का आयोजन किया कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वर्तमान पालिका अध्यक्ष हरिनारायण महन्त ने कहा कि श्रीमाधोपुर का इतिहास गौरवशाली रहा है। इस मौके पर डॉक्टर माधव सिंह ने बताया कि पानी के महत्व को बताते हुए पानी सहेजना के बारे में विस्तार से बताए।

इस अवसर लायंस क्लब के अध्यक्ष सीताराम सैनी ,भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक डॉक्टर माधव सिंह ,विप्र सेना के विधानसभा अध्यक्ष मुकेश शर्मा, खांडल विप्र विश्व परिषद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सत्यनारायण खांडल, पार्षद प्रतिनिधि भरत पेंटर ,पार्षद श्रवण आचार्य ,मनोनीत पार्षद पीडी सैनी ,ज्योतिबा फुले संस्थान के महेश सैनी, विप्र के पवन गोठवाल, विश्व हिंदू परिषद के जिला महामंत्री उमाशंकर महिंद्रा, विक्रम पातलिया, भामाशाह मुकेश सैनी सब्जीवाला, दिलीप स्वामी ,महेंद्र गोदारा, अशोक सोनी ,रामकिशोर सैनी, रामगोपाल शर्मा, वंशी बिंवाल सिहत सैकड़ों सर्व समाज के लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम नगर संस्थापक बोहरा राजा खुशहाली राम के चित्र पर माल्यापर्ण किया ।

सर्व समाज के द्वारा श्रीमाधोपुर स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर दीपदान महोत्सव का आयोजन किया गया।

जनप्रतिनिधियों ने सांभर में सफाई व्यवस्था पर नाराजगी जताई

सांभरझील, (निसं)। सांभर नगर पालिका क्षेत्र में नियमित साफ-सफाई के अभाव में जगह-जगह गंदगी कायम है।

स्वच्छ मिशन अभियान के तहत सरकार की ओर से दिया गया स्वच्छता का संदेश पूरी तरह से हकीकत की पोल खोल रहा है। इसका प्रमुख कारण बताया जा रहा है कि पालिका के स्तर पर ठेका पद्धित से जिन सफाई कर्मियों से काम लिया जा रहा है उनको समय पर वेतन नहीं मिलने तथा कथित रूप से ठेकेदार की ओर से उनके वेतन में कटौती किया जाना भी रहा है यानी उनको काम के बदले पूरा वेतन का लाभ नहीं मिल रहा है। दूसरा प्रमुख बताया जा रहा है कि नगर पालिका में बेहतर काम करने वाले स्थाई सफाई कर्मचारियों का काफी अरसा पहले यहां से ट्रांसफर हो चुका है। इसके अलावा कुशल प्रबंधन का अभाव है। इसके अलावा नगर पालिका की ओर से राजकीय यूनानी औषधालय के पीछे व राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय के बाहर स्थापित किया गया कचरा डिपो आज तक शिफ्ट नहीं किया गया है। विगत 10 साल से अधिक समय से इन्हे हटवाने के लिए नगर पालिका के पूर्व पार्षद सिराजुद्दीन मंसूरी, पार्षद धर्मेंद्र जोपट, पूर्व पार्षद विष्णु कुमार सिंघानिया की ओर से तत्कालीन बोर्ड के समक्ष सदन में अनेक दफा जोर शोर से इस मुद्दे को उठाया गया लेकिन तमाम विरोध के बावजूद पालिका प्रशासन आज तक इन दोनों स्थानों से कचरा डिपो को शिफ्ट नहीं कर पाया है। यहां के व्यापारिक गतिविधियों का प्रमुख स्थल गोला बाजार, सिंधी बाजार, पुरानी चारा मंडी, तेजाजी चौक की सफाई व्यवस्था के हालात आज भी खराब है। सफाई व्यवस्था को लेकर नेता प्रतिपक्ष अनिल कुमार गट्टानी, पार्षद पति सत्यनारायण स्वामी, व्यापार महासंघ के अध्यक्ष राजेंद्र कुमार अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष सत्यनारायण गोयल, पूर्व पार्षद विनोद गट्टानी,सेवादल पदाधिकारी स्रोमेश अजमेरा, श्री गोपाल गौशाला के अध्यक्ष मुन्नालाल शर्मा, भाजयुमो अध्यक्ष चंद्रप्रकाश माली, एडवोकेट दिव्य राजवीर गुर्जर ने नाराजगी जताते हुई पालिका की कार्यप्रणाली पर अनेक सवाल उठाए तथा सफाई व्यवस्था को पूरी तरह से असंतुष्ट बताया।

इस मामले में अधिशाषी अधिकारी हरिनारायण यादव का कहना है कि अगले माह नियमित सफाई कर्मचारियों की भर्ती प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी। ठेका पद्धित को पूरी तरह से समाप्त किया जाएगा। इसके पश्चात स्वच्छ मिशन भारत के तहत सफाई व्यवस्था पर पूरा जोर दिया जाएगा तथा लोगों की भावनाओं के अनुरूप नगर को सुंदर बनाया जाएगा।

■ नियमित साफ सफाई नहीं होने से पर्यटन नगरी की सुंदरता पर लगा दाग

■ नियमित साफ-सफाई के अभाव में जगह-जगह गंदगी कायम

कोटपूतली के कृष्णा का म्युजिक एल्बम लॉन्च

कोटपूतली, (निसं)। कस्बे के निकटवर्ती ग्राम सुदरपुरा ढ़ाढ़ा निवासी 17 वर्षिय गायक कृष्णा मित्तल का गाया हुआ गाना "तन्हा हूं मैं" लोगों की जबान पर चढ़ा हुआ है। गाने को यूट्युब पर रिलीज के महज 24 घण्टे से कम वक्त में 40 लाख से अधिक लोग देख चुके हैं।

कृष्णा की मनमोहक गायकी ने संगीत की दुनिया में धूम मचा दी है। उल्लेखनीय है कि गुरूवार को उनका पहला म्युजिक एल्बम देश की सबसे बड़ी संगीत कम्पनी टी-सीरीज द्वारा राजधानी नई दिल्ली के अशोका होटल में लॉन्च किया गया। जिसे कृष्णा मित्तल ने अपनी मधुर आवाज व संगीत से सजाया है। गुरूवार दोपहर 3 बजे अपनी लॉन्च के महज 24 घण्टे में 40 लाख से अधिक संगीत प्रेमियों ने गाने को सुना। श्रोता कृष्णा की मधुर व मनमोहक आवाज की सराहना कर रहे है। एल्बम में भोजपुरी के मशहुर अभिनेता व लोकसभा सांसद मनोज तिवारी एवं अक्षरा सिंह ने भूमिका निभाई है। तिवारी ने भी कृष्णा की आवाज की सराहना करते हुए उन्हें भविष्य का बड़ा गायक बताया है। कृष्णा ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता व परिवार को दिया है। उनके पिता डॉ. विष्णु मित्तल अग्रणी समाजसेवी संस्था आओ साथ चले के राष्ट्रीय संयोजक व भाजपा दिल्ली के प्रदेश कोषाध्यक्ष हैं।

■ देश की प्रतिष्ठित कम्पनी टी-सीरीज ने किया पहला एल्बम रिलीज

विप्र सेवा समिति की बैठक

शाहपुरा, (निसं)। शहर में शनिवार को परशुराम विप्र सेवा समिति के तत्वाधान में प्रातः 8.15 बजे श्री भगवान परशुराम जन्मोत्सव एवं भव्य शोभायात्रा शाहपुरा नगर में निकाली जाएगी। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए गोड़ विप्र सेवा मण्डल अध्यक्ष नवल मिश्रा, बनवारी लाल गंगावत, दुर्गा प्रसाद शर्मा ने बताया कि श्री परशुराम भगवान की भव्य शोभा यात्रा पूज्य गुरुदेव के सानिध्य में दीप प्रज्वलन वैदिक मंत्रोच्चार से प्रारंभ की जावेगी। साथ ही राकेश दायमा ने बताया कि शोभायात्रा में सजीव परशुराम भगवान की झांकी, पूज्य संत एवं झांकियां शंखनाद, सजीव झांकियां व राधा कृष्ण, अघोरी, रामदरबार, अर्धनरेश्वर आदि आध्यात्मिक धुन बजाने वाले बैंड सहित अन्य झांकियां आकर्षण का केंद्र रहेंगी।

उत्तर पश्चिम रेलवे

खुली ई- निविदा सूचना

संख्या: डबलू / 118 /निविदा/वमई (समo) जयपुर/ इन्जीनियरिंग दिनांक: 20.04.2023

मण्डल रेल प्रबन्धक इन्जीनिरिंग उत्तर पश्चिम रेलवे जयपुर के द्वारा भारत संघ के राष्ट्रपति एवम् उनकी ओर से ई-निविदा के माध्यम से प्रचलित नियमों के अनुसार निर्धारित प्रपत्रों में निविदा निम्न कार्यो के लिए कमानुसार आमंत्रित की जाती है। **निविदा संख्या / कार्य का नाम:** इंजी./जय/2022-23/19- एडीईएन- फुलेरा **सब डिवीजन:** किशनगढ स्टेशन पर 4 नo एस्केलेटर, 2 नo लिफ्ट और प्लेटफार्म शेल्टर और प्लेट फॉर्म वर्क का प्रावधान। **अनुमानित लागत:** 18107031.79 **बिड प्रतिभूति राशि:** 240600.00 1. उपरोक्त निविदाओं का पूर्ण विवरण वेब साइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। नोटिस बोर्ड - मण्डल रेल प्रबन्धक (निर्माण लेखा) उत्तर पश्चिम रेलवे, जयपुर के कार्यालय में देखी जा सकती है। 2. निविदा संख्या इंजी./ जय / 2023-24 / 19 की बन्द होने की तिथि 15.05.2023 समय: 15.30 बजे एवं खुलने की तिथी 15.05.2023 समय 16.00 बजे। 418-AK/23

हमें /NWRailways पर फॉलो करें

सांसद राठौड़ 108 कुण्डीय महायज्ञ में पहुंचे

जयपुर, (निसं)। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और जयपुर ग्रामीण सांसद कर्नल राज्यवर्धन ने शुक्रवार को विधानसभा क्षेत्र आमेर के ग्राम रूण्डल स्थित जमदग्नि ऋषि परशुराम रेणुका आश्रम में चल रहे 108 कुण्डीय श्री महालक्ष्मी गणेश महायज्ञ में पहुंचकर साधु संतों का आशीर्वाद लिया और ग्राम वासियों के परिवार की सुख शांति के लिए प्रार्थना की। आश्रम के विकास के लिए 10 लाख रूपये सहयोग राशि देने की घोषणा की।

कर्नल राज्यवर्धन ने कहा साधु का जीवन जन कल्याण के लिए समर्पित होता है। जन कल्याण और धर्म की रक्षा के लिए वे हमेशा हवन और पूजा पाठ करते रहते है। यज्ञ से श्रेष्ठ अन्य कोई सतकर्म नहीं है।

इस दौरान महायज्ञ के संयोजक रविदास महाराज ने सांसद कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ से कहा यह संतों की पवित्र भूमि है समस्त ग्रामवासी चाहते हैं कि यहां पर गुरूकुल की स्थापना की जाए।

साथ ही उन्होंने आश्रम के सामने परशुराम डूंगरी के नाम से विख्यात पहाड़ी पर अवैध खनन को बंद करने की भी मांग सांसद से की। बाल मुकुंदाचार्य जी ने गुरूकुल की स्थापना के लिए कर्नल राज्यवर्धन से सहयोग करने की मांग की।

अलवर में सरपंचों ने राज्य सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया

बहरोड़/अलवर, (निसं)। प्रधानमंत्री आवास योजना, एसएफसी की किस्त, पंचायत राज से जुड़े मसलों को लेकर शुक्रवार को जिले के सरपंच अलवर पहुंचे। यहां जिला परिषद कार्यालय में गए, राज्य सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। सरकार को चेताया कि उनकी मांगें नहीं मानी गई तो प्रशासन को राहत कैंप भी नहीं करने देंगे।

जिला कलेक्टर अलवर को दिए गए ज्ञापन के माध्यम से सरपंचों ने बताया कि पिछले 3 वर्षों से चली आ रही सरपंच संघ की मांगों को लेकर कई बार आंदोलन करने, महापड़ाव आदि के करने सार्थक परिणाम नहीं निकलने से नाराज होकर 24 अप्रेल से पहले यदि सरपंचों की मांगे नहीं मानी गई तो मजबूर होकर प्रशासन गांवों के संग अभियान जिसमें महंगाई राहत कैंप आयोजन का सभी सरपंच बहिष्कार करेंगे। सरपंच संघ जिला अध्यक्ष अशोक यादव ने जिला कलेक्टर अलवर को मुख्यमंत्री एवं ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज मंत्री के नाम मांग पत्र देकर बताया कि सरपंच संघ की मांग है कि छठे वित्त आयोग की बकाया 3 किस्तों की राशि ग्राम पंचायतों को स्थानांतरित करते हुए 73 वें संविधान संशोधन को पूर्ण रुप से लागू करें। ईटेंडरिंग प्रथा को खत्म करके तीन कोटेशन से अथवा बीएसआर रेट पर कार्य करवाया जय जैसा दूसरे प्रदेशों में है। सरपंच कल्याण कोष की स्थापना करते हुए उत्तर प्रदेश की तर्ज पर सरपंच की मौत होने पर 10 लाख रुपए, पंच पर 2 लाख रुपए, जिला परिषद सदस्य को 5 लाख रुपए दिए जाते हैं एवं हरियाणा में सरपंचों को पेंशन, उसी प्रकार की घोषणा करें। खाद्य सुरक्षा योजना में चयनित परिवारों के नए सदस्यों के नाम जोड़ने के लिए पोर्टल शुरू करें तथा पिछले वर्ष के आवेदन के परिवारों को खाद्य सुरक्षा योजना का लाभ दिया जाए। वहीं मनरेगा सामग्री का 31 मार्च 2023 तक का बकाया भुगतान करते हुए 10 जिलों की बकाया राशि पंचायतों को स्थानांतरित की जाए। पी एम ए वाई पुरानी स्वीकृत राशि जारी कर पोर्टल को खोला जाए।

इस दौरान बहरोड़ ब्लॉक अध्यक्ष जगदीश रावत, नीमराना ब्लॉक अध्यक्ष अजीत यादव, रामगढ़ ब्लॉक अध्यक्ष वीर सिंह बामबोली, गोविंदगढ़ ब्लॉक अध्यक्ष, जगदीश शर्मा, कठूमर ब्लॉक अध्यक्ष जार्मल जाटव, तिजारा ब्लॉक अध्यक्ष दिनेश खांब्रा, प्रदेश महासचिव वीरेंद्र शर्मा, जिला उपाध्यक्ष बब्बन यादव, दीपाली यादव ,उषा यादव, प्रियंका नरूका आदि सरपंच मौजूद रहे।

■ मांगें नहीं मानी तो महंगाई राहत कैंपों का पंचायत स्तर पर करेंगे बहिष्कार

अलवर पहुंचे सरपंचों ने विरोध प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन दिया।

रेल कर्मचारियों का विरोध प्रदर्शन

फुलेरा, (निसं)। संयुक्त मोर्चा एनजेसीए के संयुक्त तत्वावधान में एनपीएस के विरोध में हर माह की 21 तारीख को फिक्स किया गया था। इसी क्रम में शुक्रवार को फुलेरा रेलवे स्टेशन (लॉबी) पर नॉर्थ वेस्टर्न एंप्लाइज यूनियन, उत्तर पश्चिम रेलवे मजदूर संघ, ओबीसी एसोसिएशन, एससी एसटी एसोसिएशन द्वारा सांय 17.15 बजे एनपीएस को समाप्त कर पुरानी पेंशन बहाली को लेकर जबरदस्त विरोध प्रदर्शन किया गया। जिसमें नरेन्द्र सिंह चाहर, खगेश भारद्वाज, किशन लाल, हमीर सिंह, मनोज कुमावत, शंकर लाल चौधरी, प्रह्लाद राम, सुनील यादव, भागचंद गुर्जर, मनीष शर्मा, एच के मीना, जितेन्द्र कुमावत, भव्य ओबेराय, भगवती प्रसाद सैकड़ों की संख्या में कर्मचारी मौजूद रहे।

विशाल सत्संग समारोह 30 को

निवाई, (निसं)। स्थानीय गांधी पार्क के समीप स्थित संत घासीराम के समाधि स्थल पर 30 अप्रेल को विशाल सत्संग समारोह का आयोजन किया जाएगा। आचार्य ओमप्रकाश नकवाल ने बताया कि संत घासीराम समाधि स्थल पर 30 अप्रेल को विशाल सत्संग समारोह का आयोजन किया जाएगा। जिसको लेकर कई धार्मिक अनुष्ठान होंगे एवं पंगत प्रसादी का आयोजन किया जाएगा।

सी.एल.जी. की बैठक

फागी, (निसं)। कस्बे के थाना परिसर में सी एल जी की बैठक का आयोजन हुआ, जिसमें विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए थानाधिकारी भंवर लाल वैशणव ने अक्षय तृतीया को होने वाले बालविवाह की रोकथाम के लिए सदस्यों को उचित सूचना देने की सलाह देते हुए क्षेत्र में आयोजित परशुराम जयन्ती के साथ ही ईद के त्यौहार को सौहार्द पूर्वक मनाने एवं आपसी भाईचारा रखते हुए त्यौहार मनाने की अपील करते हुए कस्बे के मुख्य बाजार में लगने वाले जाम से मुक्ति का मुदद‍ा सदस्यों ने गम्भीरता से उठाया जिस पर थानाधिकारी ने समस्या के निजात के लिए आवश्यक कदम उठाने का आश्वासन दिया।

उत्तर पश्चिम रेलवे

खुली ई - निविदा सूचना

सं. ईएल/118/01, 02 / 2023. - 24 / डब्ल्यू 6 / टीएफ दिनांक: 20.04.2023

मण्डल रेल प्रबन्धक (बिजली) जयपुर द्वारा भारत संघ के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाऐं आमंत्रित की जाती है । **क्र सं.1. .एनआईटी संख्या: ईएल/जेपी/01/2023-24 कार्य का नाम:** JP-Improvement and reliability of the power supply system at Rail Nikunj, PHOD Colony and GTJT Tower Colony at Jagatpura. **अनुमानित लागत:** 13475790/-. **बयाना राशि:** 217400/-. **निविदा खोलने की तिथि:** 12.05.2023. **क्र सं.2. एनआईटी संख्या: ईएल/जेपी/02/2023-24. कार्य का नाम:** JP- Electrical work in c/w Office & Store for use of C&W department at Saloon siding & Construction of RCC OH tank near new VVIP siding at Jaipur. **अनुमानित लागत:** 1431012/-. **बयाना राशि:** 28600/-**निविदा खोलने की तिथि:** 12.05.2023. **नोट: ई-निविदा की अंतिमतिथि एवं समय:** निविदा खोलने की तिथि को 15:00 बजे तक **ई-निविदा खोलने की तिथि एवं समय:** निविदा खोलने की तिथि को 15:00 बजे के बाद **सम्पूर्ण जानकारी के लिए वेबसाइट का पता:** http://www.ireps.gov.in 423-AK/23

हमें /NWRailways पर फॉलो करें

भूल सुधार

दैनिक राष्ट्रदूत के अंक 21.4. 2023 में प्रकाशित प्राधिकृत अधिकारी का कार्यालय नगरपालिका सांभरलेक, जिला जयपुर की ओर से जारी लोक सूचना में नपासा/ भू.शा./2022-23/175 दिनांक 19. 4. 2023 के विज्ञापन की अंतिम पंक्ति में "नगरपालिका लालसोट" के स्थान पर "नगरपालिका सांभरलेक" शुद्ध कर पढ़ा जाए। शेष यथावत रहेगा।

कांग्रेस में सर्वे को आधार बनाकर पायलट खेमे के विधायकों के टिकट काटने की तैयारी

मुख्यमंत्री गहलोत ने कहा, हर महीने होगा सर्वे, कुछ विधायकों की हालत बहुत खराब

- **वहीं जितेन्द्र सिंह बोले, सर्वे ही होगा टिकट का आधार, पायलट-गहलोत विवाद का चुनाव पर कोई असर नहीं होगा।**
- **चार दिन की फीडबैक बैठकों के बाद मुख्यमंत्री दिल्ली गए और 2 दिन का जयपुर दौरा पूरा कर पायलट मुंबई पहुंचे।**

जयपुर, 21 अप्रेल (का.प्र.)। राजस्थान में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट खेल के बीच चल रहे अंतर्द्वंद के बीच अब कहा जा रहा है कि सर्वे के नाम पर सचिन पायलट का साथ देने वाले विधायकों के टिकट काटने की तैयारी है। सर्वे की पुष्टि ना सिर्फ मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने की है, बल्कि अलवर के पूर्व सांसद और राहुल गांधी के नजदीकी नेता जितेंद्र सिंह ने भी सर्वे के आधार पर टिकट बांटने की बात कही है। इस बीच जयपुर में 4 दिन तक फीडबैक बैठकों के बाद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत जहां शुक्रवार की शाम नई दिल्ली पहुंच गए हैं। वहीं 2 दिन जयपुर दौरा करने के बाद सचिन पायलट मुंबई गए हैं।

दरअसल कई दिनों से कहा जा रहा है कि कांग्रेस सर्वे के आधार पर टिकट वितरण करेगी। हालांकि हर बार चुनाव से पहले यह बात होती है, लेकिन चुनाव में टिकट वितरण नेताओं की पसंद- नापसंद पर होता है और जो नेता पावर में होता है, वह अपनी पसंद से टिकट वितरण करता है। पार्टी के भीतर कहा जा रहा है कि सर्वे की बात कहकर सचिन पायलट का साथ देने वाले विधायकों के टिकट काटने की तैयारी है। बताया जा रहा है कि राजस्थान में सरकार हर महीने प्रदेश प्रभारी की देखरेख में विधानसभा सीटों का सर्वे करवाएगी। इसकी रिपोर्ट संबंधित विधायक को भी शेयर करके बताया जाएगा कि आखिरकार उस सर्वे रिपोर्ट में वह विधायक कहां-कहां कमजोर है। बताया तो यह भी जा रहा है कि कई विधायकों को शुरुआती सर्वे के आधार पर कमजोर माना गया है जो कि चुनाव हारने की स्थिति में है।

हालांकि मुख्यमंत्री गहलोत ने इस सर्वे रिपोर्ट का जिक्र करते हुए कहा कि "मेरे सर्वे में हमारी सरकार रिपीट हो रही है, लेकिन कुछ विधायक ऐसे भी हैं, जिनकी सर्वे में हालत अच्छी नहीं है।" हालांकि मुख्यमंत्री की ओर से यह तो नहीं बताया गया कि किन विधायकों की स्थिति खराब है, लेकिन जानकारों का कहना है कि सर्वे के आधार पर पायलट खेमे के विधायकों को टिकट की दौड़ से बाहर करने की तैयारी है।

गहलोत ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि "विधायक को पता चलना चाहिए कि वह कहां स्टैंड कर रहा है। अगर कोई कमी लगती है, तो उसमें सुधार कर सके, यह हमारे आगे का प्रोसेस रहेगा। हम एक-एक विधायक को साथ लेकर चल रहे हैं। हम चाहेंगे कि सबके काम हो। हम तो सपना देखेंगे कि सब विधायक जीतकर आएं। यह सब इस पर निर्भर करेगा कि वहां की जनता का मूड क्या है"? गहलोत ने जयपुर में हुए फीडबैक को लेकर कहा कि फीडबैक में हर विधायक ने खुलकर अपनी राय दी है। कई लोग खुद कह रहे हैं कि हमारी स्थिति अच्छी नहीं है। हम कोशिश कर रहे हैं। कई बार गलती नहीं भी होती है, लेकिन पर्सेप्शन बन जाता है, झूठे आरोप लग जाते हैं। भाजपा के पास और कोई मुद्दा नहीं रह गया है। हमने एक से बढ़कर एक स्कीम्स दी है।

गहलोत ने कहा कि "मीटिंग में मैंने कहा कि सर्वे में भी आ रहा है कि सरकार रिपीट हो रही है। सरकार बदलने का जो सिलसिला चलता है, यह इस बार नहीं होगा। यह इस बात का प्रतीक है कि गुड गवर्नेंस पर काम हुआ है।

गहलोत ने कहा कि चुनाव सब मिलकर ही लड़ रहे हैं। सब ने कहा कि मिलकर चुनाव लड़ना चाहिए। हम सब मिलकर ही चुनाव लड़ेंगे। सब काम करेंगे तभी तो जीतकर आएंगे। वहीं पार्टी के भीतर खेमेबाजी को लेकर गहलोत ने कहा कि छोटा-मोटा मनमुटाव तो हर पार्टी में चलता रहता है, उसकी चिंता नहीं करनी चाहिए। समय के साथ साथ सब ठीक हो जाता है।

उड़ीसा के प्रभारी एवं अलवर के पूर्व सांसद जितेंद्र सिंह ने भी राजस्थान दौरे पर कहा कि इस बार राजस्थान में सर्वे के आधार पर टिकट वितरण होगा और नए लोगों को ज्यादा मौके दिए जाएंगे। वहीं उन्होंने सचिन पायलट और अशोक गहलोत के बीच चल रहे विवाद पर कहा कि हर परिवार में विवाद होता है। कांग्रेस बड़ा परिवार है। ऐसे छोटे-मोटे विवाद चलते रहते हैं। इन विवादों से आम जनता को कोई मतलब नहीं है। इसका चुनाव पर भी कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। बीते दिनों जयपुर में हुई एक बैठक में पार्टी के सभी वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। इस दौरान पार्टी में अनुशासन बनाने को लेकर अहम फैसले लिए गए।

पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक को सी.बी.आई. ने तलब किया

सी.बी.आई. मलिक से पुलवामा हमले व अन्य मुद्दों पर पूछताछ करेगी, जो उन्होंने मोदी सरकार के खिलाफ उठाये हैं

- **सी.बी.आई. ने उन्हें 27 और 28 अप्रैल को पेश होने के लिए कहा है।**
- **पूर्व राज्यपाल मलिक ने दावा किया था कि, उन्हें दो फाइल साइन करने के लिए 300 करोड़ का ऑफर मिला था। सी.बी.आई. ने पिछले साल अक्टूबर में भी उनसे पूछताछ की थी।**

नई दिल्ली, 21 अप्रैल। सी.बी.आई. ने भ्रष्टाचार के मामले में जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक को मौखिक समन भेजा है। उन्हें एजेंसी ने 27 और 28 अप्रैल को पेश होने के लिए कहा गया है। इस संबंध में सी.बी.आई. ने फिलहाल पुष्टि नहीं की है।

एजेंसी ने जम्मू-कश्मीर में दो प्रोजेक्ट में गड़बड़ियों को लेकर केस दर्ज किया था। इसी मामले में सी.बी.आई. ने उन्हें बुलाया है। मलिक ने दावा किया था कि उन्हें दो फाइल साइन करने के लिए 300 करोड़ का ऑफर मिला था। सी.बी.आई. ने पिछले साल अक्टूबर में भी उनसे पूछताछ की थी।

मलिक को ये समन ऐसे समय पर भेजा गया जब उन्होंने पुलवामा में हुए हमले को सरकार की विफलता कहा था। उन्होंने हाल ही में एक इंटरव्यू में कहा था कि सी.आर.पी.एफ. ने एयरक्राफ्ट की मांग की थी लेकिन नहीं दिया गया और अटैक हो गया।

सत्यपाल मलिक ने कहा कि सी.बी.आई. कुछ स्पष्टीकरण चाहते हैं, जिसके लिए मेरी उपस्थिति चाहते हैं मैं राजस्थान जा रहा हूं, इसलिए मैंने उन्हें 27 से 29 अप्रैल की तारीख दी हैं। जब मैं उपलब्ध रहूंगा उन्होंने ट्वीट करके लिखा कि मैंने सच बोलकर कुछ लोगों के पाप उजागर किए हैं। शायद, इसलिए बुलावा आया है मैं किसान का बेटा हूं, घबराऊंगा नहीं सच्चाई के साथ खड़ा हूं। चचा है कि, सी.बी.आई. ने बीमा घोटाले से जुड़े सवालों का जवाब देने को लेकर नोटिस जारी किया है।

सी.बी.आई. ने सरकारी कर्मचारियों के लिए एक समूह चिकित्सा बीमा योजना के ठेके देने में और जम्मू कश्मीर में कीरू जलविद्युत परियोजना से जुड़े 2,200 करोड़ रुपये के निर्माण कार्य में भ्रष्टाचार के मलिक के आरोपों के संबंध में दो एफ.आई.आर. दर्ज की थीं।

आप पार्टी लोकसभा चुनाव अकेले लड़ेगी

आप पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव संदीप पाठक ने यह घोषणा की और कहा, केवल गोवा में हम समान विचारधारा वाली पार्टी से गठबंधन का मन बना सकते हैं

- **संदीप पाठक का यह बयान ऐसे समय में आया है जबकि, कांग्रेस विपक्षी एकता को मजबूत बनाने के प्रयास कर रही है।**

नई दिल्ली, 21 अप्रैल। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव संदीप पाठक ने शुक्रवार को कहा कि उनकी पार्टी आगामी लोकसभा चुनाव देश भर में बिना किसी के साथ गठबंधन किए अपने दम पर लड़ेगी। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि आप राष्ट्रीय हित से जुड़े मामलों पर समान विचारधारा वाले दलों के साथ रहेगी। संदीप पाठक ने गोवा में कहा कि उनकी पार्टी इस तटीय राज्य की दोनों सीटों सहित अगला आम चुनाव अकेले लड़ेगी। पिछले लोकसभा चुनाव (2019) में, भाजपा और कांग्रेस ने गोवा में एक-एक सीट जीती थी। संदीप पाठक का यह बयान कांग्रेस की ओर से विपक्षी एकता को मजबूत बनाने के प्रयासों के बीच आया है। कांग्रेस नेताओं मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी ने हाल ही में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी प्रमुख शरद पवार और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात की थी खड़गे ने वामपंथी नेताओं सीताराम येचुरी और डी. राजा से भी बातचीत की है।

आप के सबसे प्रमुख चेहरे अरविंद केजरीवाल को प्रधानमंत्री पद के लिए बतौर उम्मीदवार पेश किए जाने के संबंध में सवाल किए जाने पर संदीप पाठक ने कहा, "देश को तय करने दीजिए कि प्रधानमंत्री किन्हें बनना चाहिए हम ऐसी चीजों (पहले से प्रधानमंत्री पद के लिए उम्मीदवार की घोषणा) में विश्वास नहीं करते हैं।" पाठक ने कहा कि राष्ट्रहित के मुद्दों पर आप समान विचारधारा वाली पार्टियों के साथ रहेगी। उन्होंने कहा, लेकिन चुनाव अलग बात है।" आप नेता ने गोवा में पार्टी संगठन को मजबूत करने के लिए यहां अपने नेताओं के साथ कई बैठकें कीं 40 सदस्यीय गोवा विधानसभा में आप के दो विधायक हैं साल 2019 के लोकसभा चुनावों में, आप ने नौ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 40 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे और केवल एक सीट जीती थी।

पाकिस्तान में सभी भारतीय मीडिया का प्रसारण बंद करने का आदेश

- **सरकार पहले भी इस तरह की चेतावनी कई बार जारी कर चुकी है और अब तक इस पर प्रतिबंध लगाने में पूरी तरह से नाकाम रही है**
- **गौरतलब है कि, मीडिया चैनल्स पहले भी सरकार और उच्चतम न्यायालय द्वारा निर्धारित नियमों का उल्लंघन करते पाए गए हैं।**

नई दिल्ली, 21 अप्रैल। पाकिस्तान की इलेक्ट्रोनिक मीडिया पर नजर रखने वाली संस्था ने शुक्रवार को देशभर में स्थानीय केबल टी.वी. ऑपरेटरों को भारतीय चैनलों का प्रसारण बंद करने का आदेश दिया और इसका उल्लंघन होने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी। पाकिस्तान इलेक्ट्रोनिक मीडिया नियामक प्राधिकरण (पी.ई.एम.आर.ए.) ने एक बयान में कहा कि विभिन्न ऑपरेटर पहले भी उसके और उच्चतम न्यायालय द्वारा निर्धारित नियमों का उल्लंघन करते पाए गए हैं।

शुक्रवार को प्राधिकरण ने अपने स्थानीय कार्यालयों को आदेश दिया था कि वे केबल ऑपरेटरों द्वारा भारतीय चैनलों का प्रसारण कर नियमों का उल्लंघन किए जाने की खबरों की पड़ताल करें। प्राधिकरण ने बयान में कहा, प्राधिकरण के लाइसेंस प्राप्त चैनलों के अलावा किसी भी चैनल को केबल टी.वी. नेटवर्क पर प्रसारण की अनुमति नहीं दी जाएगी और यदि कोई ऑपरेटर आदेशों की अवहेलना करता पाया गया तो उसके खिलाफ प्राधिकरण के कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। कराची क्षेत्रीय कार्यालय ने विभिन्न क्षेत्रों में औचक निरीक्षण किया और डिजिटल केबल नेटवर्क, होम मीडिया कम्युनिकेशंस (प्राइवेट) लिमिटेड, शाहजेब केबल नेटवर्क और स्काई केबल विजन जैसे केबल ऑपरेटरों पर छापा मारा।

बयान में कहा गया है कि प्राधिकरण की प्रवर्तन टीमों ने सिंध के हैदराबाद और पंजाब के मुल्तान क्षेत्र में इसी तरह छापे मारकर अवैध उपकरण जब्त किए और उल्लंघनकर्ताओं को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए। पाकिस्तान पहले भी कई बार भारतीय फिल्मों और टीवी चैनलों पर प्रतिबंध लगा चुका है। पहली बार, इसने 1965 के युद्ध के बाद भारतीय फिल्मों पर प्रतिबंध लगाया था, जो दशकों तक जारी रहा। हालांकि 2008 में द्विपक्षीय संबंधों में सुधार के बाद इसे हटा लिया गया। कश्मीर मुद्दे पर दोनों देशों के बीच तनाव के बाद 2016 में पाकिस्तान में भारतीय कार्यक्रमों पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। लाहौर उच्च न्यायालय ने 2018 में प्रतिबंध के खिलाफ फैसला दिया, लेकिन अक्टूबर 2018 में उच्चतम न्यायालय ने उच्च न्यायालय का फैसला पलट दिया और फिर से प्रतिबंध लगा दिया।

जिंदा बम...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बप्पा उर्फ यासीन भटकल व असदुल्लाह अख्तर उर्फ डेनियल ने सीआरपीसी की धारा 164 के बयानों में कहा है कि उनके द्वारा जयपुर में किए गए बम ब्लास्ट में मोहम्मद सरवर आजमी भी शामिल था। इन दोनों के बयान मजिस्ट्रेट के सामने दर्ज हुए थे और इस स्टेज पर इन्हें नकारा नहीं जा सकता। अदालत ने कहा कि आरोपी ने अलग तरीके से अपराध किया है, जिससे धार्मिक समुदायों के बीच में आपसी सौहार्द बिगडा व शांति भंग होकर आमजन व समाज में भय पैदा हुआ। आरोपी के खिलाफ जिन धाराओं में आरोप तय हुए हैं, उनमें आजीवन कारावास की सजा का प्रावधान है। यदि आरोपी को जमानत दी तो उसके वापस आने की संभावना कम है और जमानत देने पर उसके गवाहों को तोडने और उन्हें धमकाने की भी पूरी तरह से संभावना बनी रहेगी। ऐसे में आरोपी का जमानत प्रार्थना पत्र स्वीकार नहीं किया जा सकता।

आरोपी की ओर से जमानत अर्जी में कहा कि जयपुर बम ब्लास्ट के अन्य आठ केसों में हाईकोर्ट ने प्रार्थी को दोषमुक्त कर मामले में आपराधिक षड्यंत्र होना नहीं माना है। यह मामला भी उससे अलग नहीं है और इसमें प्रार्थी पर केवल आपराधिक षड्यंत्र का ही आरोप है। वह 14 साल से जेल में है और अभियोजन के 156 गवाहों में से अभी 35 के ही बयान दर्ज हुए हैं। उनके खिलाफ अन्य कोई केस लंबित नहीं है। इसके अलावा प्रकरण की सुनवाई पूरी होने में समय लगेगा। इसलिए उसे जमानत पर रिहा किया जाए। जिसका विरोध करते हुए सरकारी वकील ने कहा कि आरोपी को जमानत दी गई तो वह गवाहों को प्रभावित करेगा और फरार हो जाएगा। दोनों पक्षों की बहस सुनकर अदालत में आरोपी की जमानत अर्जी को खारिज कर दिया है।

शादी से पहले...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया था कि उसकी 17 साल की बेटी 8 अप्रैल, 2019 को बिना बताए कहीं चली गई। बाद में पता चला कि उसे जीवणराम बहला-फुसला कर ले गया। उसकी पुत्री जाते समय घर से एक किलो चांदी व एक तोला सोने के जेवरात भी ले गई। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया। अभियोजन पक्ष की ओर से अदालत को बताया गया कि अभियुक्त पीडिता को बस से दिल्ली, उदयपुर ले गया और उसके साथ कई बार दुष्कर्म किया, जिससे वह गर्भवती हो गई।

सुनवाई के दौरान पीड़िता ने कहा कि उसकी शादी वर्ष 2016 में किसी अन्य व्यक्ति से हुई थी। वह उससे मारपीट करता था, इसलिए वह अपने पीहर रहती थी। यहां उसकी जीवणराम से दोस्ती हो गई और वह अपनी मर्जी से उसके साथ चली गई, लेकिन उसने उससे संबंध नहीं बनाए। हालांकि पीड़िता ने बताया था कि वह नौ माह की गर्भवती है और बच्चे का पिता जीवणराम है। वहीं अभियुक्त व पीड़िता ने अदालत में कहा कि वे पति-पत्नी की तरह जीवन यापन कर रहे हैं और उनके दो बेटियां भी हैं। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने माना कि अभियुक्त ने पीड़िता के नाबालिग रहते हुए अपराध किया है। ऐसे में उसे सजा देना उचित है।

भाजपा-अन्नाद्रमुक गठबंधन...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मोर्चा पदाधिकारी बनाथी श्रीनिवासन ने भी अन्नाद्रमुक के साथ गठबंधन का पक्ष लिया था। भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने भी श्रीनिवासन के बयान को पसंद किया था।

पार्टी-बॉस के नज़दीकी कुछ अन्नाद्रमुक के नेताओं का मानना रहा है कि अन्नाद्रमुक के राजनैतिक रूप से कष्ट पा रही है तथा पार्टी को भाजपा के साथ गठबंधन पर पुनर्विचार करना चाहिये। इस विचार को इस अर्थ में भी लिया जा रहा है कि पार्टी भाजपा के उन आक्रामक तौर तरीकों से अप्रसन्न है जिनके चलते वह मुख्य विपक्षी दल के रूप में अपनी पहचान बनाना चाहती है। अन्नामलाई ऐसी ही धारणा के निर्माण की कोशिश कर रहे थे, वे प्रमुख विपक्षी नेता की छवि गढ़ने के लिये स्वयं को नज़रों में लाने के लिये बहुत ऊँचे दर्जे के प्रयास और प्रचार में लगे हुये थे।

इन दोनों मित्र दलों के बीच की अनबन की बात लोगों की जानकारी में उस समय आई, जब अन्नाद्रमुक के नेताओं ने ईरो विधानसभा उपचुनाव में अपने गठबंधन पार्टनर भाजपा के साथ प्रचार करने से इंकार कर दिया था। ज्ञात है कि इस पचुनाव में द्रमुक-कांग्रेस गठबंधन का प्रत्याशी भारी अंतर से जीता था।

अब इन दोनों गठबंधन पार्टनरों के बीच का बढ़ रहा तनाव कर्नाटक तक भी पहुँच गया है। इन दोनों दलों के बीच तनावपूर्ण संबंधों के उदाहरण स्वरुप इनता पर्याप्त है कि तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री पलानी स्वामी ने अन्नामलाई के बारे में पूछे गये प्रश्नों की उपेक्षा कर दी थी। मीडिया के साथ संवाद में उन्होंने मीडियाकर्मियों से कहा था, "उनके बारे में मुझसे कुछ मत पूछिये। मैं केवल परिपक्व नेताओं के बारे में बात करूँगा। अपने इन्टरव्यूज के जरिये, वे केवल स्वयं को प्रोजैक्ट कर रहे हैं। अन्नामलाई इस प्रकार का प्रदर्शन कर रहे हैं मानो द्रमुक के मुख्य विरोधी वे ही हैं।

वस्तुतः अन्नामलाई, इस समय ही द्रमुक द्वारा दर्ज कराये गये क्रिमिनल तथा सिविल मानहानि केसों का सामना कर रहे हैं तथा उन्होंने द्रमुक के नेताओं के खिलाफ इस प्रकार के आरोप लगाये हैं। अन्नामलाई ने घोषणा की है कि वे शीघ्र ही "अन्नाद्रमुक फाइल्स" रिलीज करेंगे, जिसमें उन परिसम्पत्तियों की सूची होगी, जो अन्नाद्रमुक के वरिष्ठ नेताओं के पास हैं। इस घोषणा से अन्नाद्रमुक के नेतृत्व और भी खिन्न हो गया है तथा उसने कड़ी चेतावनी जारी भी कर दी है। अन्नाद्रमुक के वरिष्ठ नेता तथा पूर्व मंत्री डी. जय कुमार ने एक बयान में कहा है, "अन्नाद्रमुक को छूना आग से खेलने जैसा है।"

अन्नामलाई ने इडापड्डी पलानी स्वामी के ओ. पन्नीरसेल्लवम के साथ पार्टी पर नियंत्रण के लेकर चल रही अनबन का लाभ उठाते हुये, कई अभियान शुरु कर दिये तथा राज्य के विपक्ष दृश्यमान चेहरा बन गये। इसके अतिरिक्त, भाजपा भी गठबंधन में बड़ी भूमिका होने का प्रदर्शन कर रही है तथा उन नेताओं से जुड़ने की कोशिश कर रही है, जिन्हें अन्नाद्रमुक ने निकाल दिया है, जैस- शशिकला तथा उनके भतीजे टी.टी.वी. दिनकरण।

वरिष्ठ अन्नाद्रमुक नेता तथा जे. जयललिता सरकार में वित्त मंत्री रहे सी. पोन्नेयन ने कहा कि "अन्नाद्रमुक इस बात को जानती है कि भाजपा ने किस तरह से अन्य राज्यों में अपने स्वयं के मित्र दलों की सरकारों को गिराया है, हम सावधान हैं।"

जहाँ तमिलनाडु भाजपा के नेता अन्नाद्रमुक द्वारा कर्नाटक मे उम्मीदवार खड़े किये जाने पर कोई टिप्पणी करने से इंकार कर रहे हैं, वहीं अन्नाद्रमुक के प्रवक्ता के सत्यन ने मीडिया को बताया कि कर्नाटक में अन्नाद्रमुक और भाजपा के बीच कोई गठबंधन नहीं है।

रॉबर्ट वाड्रा...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लेकिन अब करीब एक दशक बाद मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर की भाजपा-जे.पी.सी. सरकार ने किसी साक्ष्य के अभाव में वाड्रा को क्लीन चिट दे दी है।

खट्टर सरकार द्वारा हाई कोर्ट में शपथ पत्र पेश करने के एक दिन बाद पूर्व मुख्यमंत्री भूपिन्दर सिंह हूडा ने कल मीडिया से कहा था कि "मैंने हमेशा यही कहा कि यह राजनीति से प्रेरित केस है, जिसे राजनीतिक उद्देश्य के लिए दर्ज किया गया था।" हूडा वर्ष 2005 से 2014 तक हरियाणा के मुख्यमंत्री रहे थे।"

गोधरा आगजनी मामले में आठ दोषियों की जमानत मंजूर

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, सभी आरोपी एवं दोषी 17-18 साल से सजा काट रहे हैं अब इन्हें रिहा कर दिया जाना चाहिये

- **सुप्रीम कोर्ट ने हालांकि, मामले में मौत की सजा वाले चार अन्य लोगों को कोई राहत देने से इनकार कर दिया।**

नई दिल्ली, 21 अप्रैल (वार्ता)। उच्चतम न्यायालय ने वर्ष 2002 के गोधरा ट्रेन आगजनी मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे आठ दोषियों की जमानत याचिका शुक्रवार को मंजूर कर ली।

मुख्य न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति पी. एस. नरसिम्हा की पीठ ने यह कहते हुए याचिका स्वीकार की कि वे (याचिकाकर्ता) करीब 17-18 साल से जेल में हैं और उनकी अपील पर सुनवाई में अभी समय लगेगा।

पीठ ने हालांकि, मामले में मौत की सजा वाले चार अन्य लोगों को कोई राहत देने से इनकार कर दिया। शीर्ष अदालत के समक्ष गुजरात सरकार का पक्ष रख रहे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि ट्रेन जलाने के मामले में चार आरोपियों को उनकी भूमिका के कारण जमानत अर्जी में उन्हें कुछ दिक्कत है।

याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता संजय हेगड़े ने सुझाव दिया कि जिनकी जमानत का मेहता ने विरोध किया अदालत उन चारों दोषियों की जमानत याचिकाओं पर सुनवाई स्थगित कर सकती है।

हेगड़े ने पीठ के समक्ष कहा कि चारों दोषियों की जमानत अर्जी दो सप्ताह के लिए स्थगित की जाए।

पीठ के समक्ष एक अन्य वरिष्ठ वकील ने भी चार आरोपियों की जमानत याचिका खारिज नहीं करने और उनकी जमानत याचिकाओं पर सुनवाई स्थगित करने का आग्रह किया।

मेहता ने हालांकि, जोर देकर कहा कि अदालत को चारों दोषियों की जमानत याचिकाओं को खारिज कर देना चाहिए, यह कहते हुए कि अदालत एक या दो साल बाद इन आवेदनों पुनर्विचार के लिए छोड़ सकती है।

बस पलटी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इस मौके पर समाजसेवी संगठन, जनप्रतिनिधि और पुलिस प्रशासन पहुंचा। प्रशासन के द्वारा मौके पर यातायात को सुचारु करवाया। हादसे के बाद बस का ड्राइवर मौके से फरार हो गया। बस में सवार लोगों ने बताया कि, प्राइवेट बस संगरिया से घड़साना आ रही थी। वहीं घटना की सूचना मिलने के बाद पूर्व विधायक शिमला बावरी, भाजपा के वरिष्ठ नेता हरनेक सिंह कलेर, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष दलीप चोटिया, घड़साना व्यापार मंडल अध्यक्ष किशन दुग्गल और घड़साना के अन्य जनप्रतिनिधि मौके पर पहुंचे। इस सड़क हादसे में बलवीर सिंह निवासी चक रसूलवाला, कलवन्ति निवासी 12 चक, माया निवासी भागसर श्रीविजयनगर, नीतू निवासी भागसर, राकेश व एकता निवासी घड़साना, , यासीन पुत्र आयूब खान, चीचा देवी पत्नी सहीराम, विकास पुत्र ओमप्रकाश, मोहम्मद अली पुत्र गुलाम कादर सहित अन्य घायल हुए हैं।

अडानी-गहलोत "मित्रता" उपभोक्ताओं पर भारी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

- **बिजली की रेट में वृद्धि करने के लिये सरकार के प्रस्ताव पर विद्युत नियामक आयोग ने फटाफट अपनी मोहर लगा दी।**
- **जबकि, निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार नियामक आयोग को सरकार के प्रस्ताव पर, उपभोक्ताओं से आपत्तियां मांगनी जरुरी होती है तथा आपत्तियों का निस्तारण करने के बाद रेट में वृद्धि की अनुमति दी जाती है।**
- **अडानी को भुगतान करने की जल्दबाजी में सरकार ने उन उद्योगों पर भी सरचार्ज लगा दिया, जिन्होंने अडानी द्वारा उपलब्ध कराई गई बिजली का उपयोग ही नहीं किया। ये उद्योग 2018 में या उसके बाद लगे, जबकि अडानी ने 2013-17 तक सप्लाई की गई बिजली पर ही "फ्यूल चार्ज" देने के बारे में कहा है।**

नवम्बर 2019 से अक्टूबर 2022 तक 15,62,000 रु. दे चुका है।

याचिकाकर्ता का कहना है कि आयोग द्वारा यह आदेश पारित किया जाना बिलकुल ही गैर कानूनी है और उसी के द्वारा स्थापित नियमों का उल्लंघन है। याचिकाकर्ता का कहना है कि नियम के अनुसार बिजली की दरें तय करते समय सभी प्रभावित पार्टियों से आपत्ति आमंत्रित करनी होती है, परंतु आयोग ने यह "स्पेशल सरचार्ज" लगाने से पहले किसी भी प्रभावित पार्टी से आपत्तियां आमंत्रित नहीं की। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि आयोग ने याचिकाकर्ता की ओर से इस नये शुल्क के खिलाफ आयोग में दायर याचिका को 1 मार्च 2021 को न केवल खारिज कर दिया, बल्कि 22 सितम्बर 2022 को आदेश पारित किये कि अडानी के भुगतान के लिये वसूले जा रहे शुल्क "स्पेशल सरचार्ज" की दर 5 पैसे से बढाकर 7 पैसे कर दी गई है जिसे डिस्कॉम्स 60 महीने तक वसूल सकते हैं। आयोग ने अपने आदेश में "स्पेशल सरचार्ज" में बढ़ोतरी करने के संबंध में कोई तर्क नहीं दिया है और यह भी स्पष्ट नहीं किया है कि इसमें डिस्कॉम्स कितनी राशि वसूलेंगे और कितनी अडानी को देंगे।

याचिकाकर्ता के अनुसार शुल्क में वृद्धि के बाद उसे 60 किश्तों में 42,87,486 रुपए देने होंगे जो लगभग 71,458 रुपए प्रति माह के हिसाब से वसूले जाएंगे। याचिकाकर्ता अब तक 3,57,290.50 पैसे अदा कर चुका है। यहां उल्लेखनीय है कि याचिकाकर्ता वर्तमान में फ्यूल सरचार्च भी देता है, फिक्स चार्ज भी देता है और उसके ऊपर अब ये नया "स्पेशल सरचार्ज" भी देता है। गौरतलब है कि आयोग द्वारा फ्यूल सरचार्ज लेने के लिए तो नियम कायदे बनाए गए हैं पर "स्पेशल फ्यूल सरचार्ज" कहीं भी परिभाषित नहीं है। ज्ञातव्य है कि अडानी ने 2013 से 2017 के बीच में अपने एकाउंट्स में कहीं भी ये जिक्र नहीं किया है कि उन्हें राज्य सरकार से कुछ लेना है। पर वर्ष 2017 में अदालतों में उसने यह दावा पेश किया कि राज्य सरकार की डिस्काम्स से उसे फ्यूल सरचार्ज लेना है।

याचिकाकर्ता का कहना है कि 2018 में सुप्रीम कोर्ट के आदेश में यह नहीं कहा गया था कि अडानी को 2700 करोड़ का भुगतान करने के लिये जनता या उद्योगों पर अतिरिक्त शुल्क लगाया जाए। डिस्कॉम्स ने सुप्रीम कोर्ट के समक्ष कहा था कि उसने यह रकम चुकाने के लिये बाजार से पैसा उठाया है और कुछ लोन लिया है।

याचिकाकर्ता का यह भी कहना है कि उनकी कंपनी अग्रवाल वोवन पॉलिमर्स 2016 के अंत में शुरू हुई थी, तो उनसे अडानी को दी जाने वाली रकम कैसे वसूली जा सकती है, जबकि कम्पनी तब शुरु भी नहीं हुई थी। जब अडानी ने कानून में परिवर्तन के कारण देश के बाहर से कोयला मंगाया था। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि राजस्थान में 2018 के बाद रीको के द्वारा कई नये इंडस्ट्रियल ज़ोन बनाये गये, जहां पर कार्यरत कंपनियों ने अडानी द्वारा बाहर से मंगाये गये कोयले से निर्मित बिजली का उपयोग ही नहीं किया है, परंतु फिर भी उन पर डिस्कॉम्स "स्पेशल सरचार्ज" लगा रहे हैं।

यहां यह भी गौर फरमाने योग्य है कि प्रदेश की डिस्कॉम्स ने आमजनता और उद्योगों से वर्ष 2013-2017 के बीच "फ्यूल सरचार्ज" वसूला था, फिर वर्तमान में "स्पेशल सरचार्ज" लगाने की नौबत क्यों आ रही है? यहां यह भी उल्लेखनीय है कि अडानी को थर्मल पावर प्लांट बनाने और बिजली उत्पादन के लिये राज्य सरकार से सब्सिडी मिली थी, जिसका ब्यौरा गौतम अडानी ने स्वयं अक्टूबर में हुए राजस्थान इन्वेस्टमेंट समिट में दिये अपने भाषण में दिया है। फिर सवाल यह उठता है कि 2013 में राज्य सरकार ने अपने अनुबंधन की शर्तें क्यों बदली, जबकि अनुबंधन के अनुसार अडानी को तय दर पर ही बिजली बेचनी थी? यहां यह भी सवाल उठता है कि अडानी ने अनुबंधन की शर्तों में बदलाव के चार वर्ष बाद तक "फ्यूल सरचार्ज" की मांग क्यों नहीं रखी अगर उन्हें महंगा कोयला बाहर से आयात करना पड़ा था?

राजस्थान हाईकोर्ट के समक्ष दायर याचिका में याचिकाकर्ता कैलाश अग्रवाल का कहना है कि डिस्कॉम्स द्वारा "स्पेशल सरचार्ज" उन लोगों से वसूलना, जिन्होंने कभी अडानी द्वारा उत्पादित बिजली को उपयोग में नहीं लिया, बिल्कुल ऐसा है कि "किसी रेंस्टोरेंट का बिल उन्हें भरना पड़ रहा है, जहां उन्होंने खाना खाया ही नहीं।"

याचिकाकर्ता के वकील पंकज बोहरा ने अदालत के समक्ष प्रार्थना की है कि "स्पेशल सरचार्ज" जो डिस्कॉम द्वारा वसूला जा रहा है वह गलत और गैर कानूनी है जिसे रोका जाये और अभी तक याचिकाकर्ता से "स्पेशल सरचार्ज" के नाम पर जो शुल्क वसूला गया है, उसे 18 प्रतिशत ब्याज की दर सहित लौटाया जाये।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोनः2386031, 2386032, फैक्सः0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोनः2200660, फैक्सः 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, 2418945, फैक्सः 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोनः 2627612, फैक्सः0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोनः 226422, 226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोनः 256906, 256907, फैक्सः01562-256908

बड़ी बचत

WAGONR ₹61 000* **ALTO K10 ₹57 000*** **S-PRESSO ₹56 000***

CELERIO ₹51 000* **EECO ₹34 000***

ऑफ़र सिर्फ़ स्टॉक रहने तक मान्य है।

WAGONR ALTO K10 S-PRESSO CELERIO EECO

E-book today at www.marutisuzuki.com or visit your nearest Maruti Suzuki dealership | For bulk/corporate & DGS&D enquiries email at bharat.mittal@maruti.co.in

MARUTI SUZUKI AUTHORIZED DEALERS: AJMER: RELAN MOTORS: 0145-2610106, 9214444222. **AJMER AUTO**: 0145-2425200, 9314531845, 9314391004. **ALWAR: MG MOTORS:** 9001795515, 9001795517, 8003692651, 8003692652, 8003090466. **BIKANER: DUDI AUTOMOBILES:** 0151-2942222, 0151 -3550418, 7412075151. PADAMPUR: 7412075151. **AURIC MOTORS**: 0151-2251819, 9529251819, 9636045111. **SRIGANGANAGAR: AURIC MOTORS**: 8955559963. **DUDI AUTOMOBILES:** PADAMPUR: 7412075151. **SIKAR: JAMU AUTOMOBILES**: (01572) 245515 / 246219. **NEEM KA THANA: JAMU AUTOMOBILES**: 9785644715. **JHUNJHUNU: AURIC MOTORS**: 8955664400. **CHURU: AURIC MOTORS:** 01562-250696, 8875010502. **KOTA: BHATIA & COMPANY:** CORPORATE OFFICE: 23-24, INDUSTRIAL ESTATE: 7230006839, 9829818018, 9784598109, 9829099081, 9829045729, 9829187004. DAKANIYA SHOWROOM: G-11-12, AUTO MOBILE ZONE, NEAR DAKANIYA STATION: 9001997116, 9001997113, 9587898054. **SUWALKA MOTORS PVT. LTD.:** KUNHARI: 0744-2370272, 9116312345, 7300308888. SULTANPUR: 9116178527. BHAWANIMANDI: 9116178557. KHANPUR: 07430-299240, 8306333715. **JODHPUR: AURIC MOTORS PVT LIMITED:** SARASWATI NAGAR, NEW PALI ROAD: 0291- 2722691, 9015900500. BALESAR: 6377715171. AHORE: 9015900500. SAYLA: 9015900500. **SHRI KRISHNA AUTO SALES PVT. LTD.:** PRATAP NAGAR: 0291-2762064/65, 9929244403, 9829144436. PHALODI: 9928841300, 9116150669, 9929244402. **L.M.J. SERVICES LTD:** A-11, INDUSTRIAL ESTATE, OPP. UDYOG BHAWAN, NEW POWER HOUSE ROAD: 8094011123, 8094011151, 0291- 2630478/79/80. **NAGAUR: MANGALAM MOTORS**: 9116008626, 9116008630. **PALI: L.M.J. SERVICES LTD.:** 02932 - 256177, 8094011136. **SIROHI: NAVNEET MOTORS:** 02972-222917-18, 7665010638. **UDAIPUR: NAVNEET MOTORS**: MADRI: 0294-2494454, 7230046380. CITY STATION ROAD: 0294-2415142, 7230046381. **TECHNOY MOTORS:** GOVARDHAN VILLAS: (0294) 2485158, 2485738, 9982666809. **BANSWARA: NAVNEET MOTORS**: 9414159145, 7665010632, 7412074100. **BHILWARA: LOHIA AUTOMOBILES**: 01482-264061, 264144, 09799545333, 09950512555. **CHAMPION CARS**: 01482-267135, 9602892423, 7727863720. **BHARATPUR: TM MOTORS:** 05644-220970, 226392, 9251423393, 9251423395, 8094000626. **CHITTORGARH: BHATIA & COMPANY**: 9414130799, 9001791753, 9587208999, 9414179006, 9413316117. **JAIPUR CITY: PREM MOTORS PVT. LTD:** CORPORATE PARK, GOPAL BARI, AJMER ROAD: 4511111, 9785034000. JAIPUR-VKI, ROAD NO.8: 4411111, 9785023000. **AURIC MOTORS PVT LTD.:** MANSAROVAR: 8929207471. **KTL AUTOMOBILE PVT. LTD.:** VAISHALI MARG, VAISHALI NAGAR: 9209056789. **VIPUL MOTORS PVT. LTD.:** TONK ROAD: 2727000, 7340045958. AJMER ROAD: 4065555, 9660000363. **K.P. AUTOMOTIVES PVT. LTD.:** ADARSH NAGAR: 4074444, 9549650361. BANIPARK: 4072222, 2201365, 8698003009. **SATNAM MOTOCORP PVT. LTD.:** MALVIYA NAGAR: 2523400, 8302890000. **SANGA AUTOMOBILES PVT. LTD.:** TONK ROAD: 2793924/5/6/7, 4110100, 9772210902. **JAIPUR: VIPUL MOTORS PVT. LTD.:** DAUSA: 9773364861. LALSOT: 9773364863. BANDIKUI: 9773364864. MAHWA: 9773364862. MEHANDIPUR BALAJI: 9773364865. UNIARA: 7742944482. **KTL AUTOMOBILE PVT. LTD.:** PHULERA: 7412077062. SAMBHAR: 7412068410. ACHROL: 7412077078. **FORTUNE CARS:** KARAULI: 8875001175/ 8875005132. HINDAUN: 9214794314 / 8875007758. **PREM MOTORS PVT. LTD.:** BASSI: 8058794137. SAWAI MADHOPUR: 07462-220029 / 8058799005 / 8058794181. GANGAPUR CITY: 8058794021. BAGRU: 8058401166. KOTPUTLI: 8058794121. JOBNER: 8058796065. RENWAL: 8058600117. RENWAL-MANJHI: 8058794042. DUDU: 8058406655. PHAGI: 8058403338. KANOTA: 8058794167. TUNGA: 8058794137. **K.P. AUTOMOTIVES PVT. LTD.:** TONK: 9549651924. CHAKSU: 9549651926. SHAHPURA: 8696925275. DEOLI: 8696934957. MALPURA: 9549650513. NIWAI: 9667777114. PAOTA: 9549650495. VIRATNAGAR: 6350612446. JAMWA RAMGARH: 6350612727. **SANGA AUTOMOBILES PVT. LTD.:** CHOMU: (MORIJA ROAD): 9772210096 / 9772210906. GOVINDGARH: 9772210451.

*Offer includes consumer offer, retail support, 2 ka 4 offer, exchange offer and ISL/ Rural offer (wherever applicable) on WagonR (1.0L Petrol- all variants except AGS) Alto K10 (Petrol- LXI & VXI variants only), S-Presso (Petrol- all variants except AGS), Celerio (Petrol- all variants except AGS) and Eeco (Petrol- all variants except cargo, flexi & Ambulance). *Terms & Conditions apply. Creative visualization. The terms and conditions are subject to change without any prior notice. All offers are brought to you by Maruti Suzuki dealers only. Offers may vary from variant to variant. All offers shown are valid for limited period & for limited stock only. For more details, please contact your nearest ARENA dealership. Colors shown may vary from actual body colors due to printing on paper. Black glass shade on the vehicle is due to lighting effect. Images used are for illustration purposes only. Maruti Suzuki India Limited reserves the right to discontinue offers without notice. Above offers are valid till stocks last.